

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

पारदर्शी प्रक्रिया से संपन्न होगी मतगणना

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने निर्वाचन सदन भोपाल से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। बैठक में श्री राजन ने मध्य प्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत मतगणना संबंधी जिलों में की जा रही तैयारियों को लेकर जिलेवार विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। श्री राजन ने कहा कि विधानसभा निर्वाचन-2023 की मतगणना 3 दिसम्बर को सुबह

8 बजे से पोस्टल बैलेट की गिनती के साथ शुरू होगी। सुबह 8.30 बजे से ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। सभी जिला निर्वाचन अधिकारी सजग एवं सतर्क रहें और मतगणना को पारदर्शी प्रक्रिया से सम्पन्न कराएं। स्ट्रांग रूम में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल की सुरक्षा व्यवस्था की जाये। मतगणना के दिन विद्युत की सतत आपूर्ति हो ताकि मतगणना प्रभावित न हो। सभी केन्द्रों में अग्निशमन यंत्र भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहें।

ईवीएम स्ट्रांग रूम का दो बार करें निरीक्षण श्री राजन ने कहा कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारी ईवीएम स्ट्रांग रूम और पोस्टल बैलेट रखने की जगह का प्रतिदिन दो बार सुबह और शाम निरीक्षण करें। ईवीएम स्ट्रांग रूम और पोस्टल बैलेट की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे।

/ संक्षिप्त खबर /

मतदान केंद्र क्र. 71- किशुपुरा नंबर-3 में हुआ पुनर्मतदान

भोपाल, मध्य प्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत भिंड जिले की 09-अंटेर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 71-किशुपुरा नंबर-3 में 21 नवम्बर को हुए पुनर्मतदान में कुल 47.18 प्रतिशत मतदान हुआ। शाम 6 बजे तक यहां हुए मतदान में पुरुष मतदाताओं का प्रतिशत 74.94 एवं महिला मतदाताओं का प्रतिशत 46.44 रहा।

रायसेन और विदिशा में मतगणना की तैयारियों का निरीक्षण

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने 3 दिसम्बर को होने वाली मतगणना के लिये की जा रही तैयारियों के लिये रायसेन एवं विदिशा जिले में आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिये। श्री राजन ने विधानसभा में क्षेत्रवार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। डाक मतपत्रों की गणना के लिये हो रही तैयारियों, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मतगणना के लिये लगाए जाने वाली टेबल, मतगणना कार्य में संलग्न अमले की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था, डाक मतपत्रों की संख्या के बारे में जानकारी प्राप्त की।

जाफरखेड़ी में होगी मतगणना

श्री राजन विदिशा जिले के शासकीय आदर्श महाविद्यालय, जाफरखेड़ी पहुंचें और पांचों विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाली मतगणना के लिए की गई तैयारियों का अवलोकन किया। उन्होंने स्ट्रांगरूम की सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मतगणना स्थल पर सी.सी.टी.वी कैमरे तथा तैमत्त सुरक्षा बल, मतगणना तथा डाक मतपत्रों की गणना संबंधित जानकारी ली।

भोपाल में स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, श्री अनुपम राजन ने भोपाल में मतगणना स्थल पुरानी जेल पहुंचकर सात विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाली मतगणना संबंधी तैयारियों का अवलोकन किया। इस दौरान श्री राजन को कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने मतगणना के लिए की जा रही व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। श्री राजन ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था को देखा और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

भीतर के पृष्ठों पर

- पिछला सप्ताह - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- चर्चा में - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- खेल चर्चा - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- सामयिकी - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्य प्रदेश से साभार)

मध्य प्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023

रतलाम जिले के सैलाना में 90.10% हुआ मतदान, वर्ष 2018 में 88.35% था आंकड़ा

इस बार निर्वाचन में 2.10 प्रतिशत अधिक हुआ मतदान



विधानसभा निर्वाचन 2023 की खास बातें

- सिवनी जिले में सबसे अधिक 86.29 प्रतिशत मतदान हुआ।
- अलीराजपुर जिले में सबसे कम 61.81 प्रतिशत मतदान हुआ।
- रतलाम जिले की सैलाना विधानसभा में हुआ सबसे अधिक मतदान।



भोपाल, मध्य प्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए प्रदेश में 17 नवंबर को शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गई है। मतदान के दिन लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता निभाई और बढ़-चढ़कर मतदान किया। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2018 की तुलना में इस वर्ष 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई। पोस्टल बैलेट के मतदान प्रतिशत को छोड़ दिया जाए, तो इस वर्ष प्रदेश में 77.15 फीसदी मतदान हुआ, जबकि विधानसभा निर्वाचन 2018 में प्रदेश में 75.05 प्रतिशत मतदान हुआ था। यानी वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में

2.10 प्रतिशत मतदान की बढ़ोतरी हुई। सैलाना विधानसभा में अधिक मतदान इस बार का मतदान प्रतिशत 90.10 है, जबकि वर्ष 2018 के निर्वाचन में 88.35 प्रतिशत मतदान हुआ था।

जोबट विधानसभा में 54 फीसदी मतदान प्रदेश में अलीराजपुर जिले की जोबट विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 54 फीसदी मतदान हुआ। हालांकि पिछले विधानसभा निर्वाचन 2018 की अपेक्षा वर्ष 2023 के

विधानसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत में 2.06 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2018 के विधानसभा निर्वाचन में जोबट विधानसभा का मतदान प्रतिशत 52.31 प्रतिशत था, जबकि वर्ष 2023 में बढ़कर 54.37 प्रतिशत हो गया है।

लखनादौन विधानसभा क्षेत्र में बढ़ा मतदान प्रतिशत

विधानसभा निर्वाचन-2023 में प्रदेश के सिवनी जिले की लखनादौन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान प्रतिशत में सबसे अधिक वृद्धि हुई है, जबकि इस विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2018 में मतदान प्रतिशत 77.98 था, जबकि इस वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में यह बढ़कर 84.71 हो गया है। यहाँ मतदान प्रतिशत में 6.73 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

34 क्षेत्रों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक

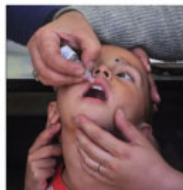
वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में प्रदेश की 230 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 34 ऐसे निर्वाचन क्षेत्र हैं, जिसमें पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं के मतदान का प्रतिशत अधिक रहा है। सीधी जिले की सिंहावल विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-78 में पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान प्रतिशत 11.91 प्रतिशत अधिक है।



पल्स पोलियो अभियान

भोपाल, प्रदेश के 16 जिलों में 10 से 12 दिसम्बर, 2023 तक पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण में जीरो से 5 वर्ष आयु के लगभग 37 लाख 50 हजार बच्चों को पल्स पोलियो वैक्सीन की खुशक दी जायेगी। अभियान की तैयारियों के सिलसिले में एनएचएम मुख्यालय में राज्य टास्क फोर्स की बैठक हुई।

टास्क फोर्स की बैठक में महिला-बाल विकास, स्कूल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, वन, पंचायत, आदिम जाति कल्याण,



आयुष, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों और डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, यूएनडीपी और अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डायरेक्टर एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला ने टास्क फोर्स समिति के सदस्यों को अभियान में दी गई जिम्मेदारियों से अवगत कराया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन के लिये बहुत से उपयोगी सुझाव भी दिये।

अभियान का अतिरिक्त चरण

बैठक में बताया गया कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के केस मिलने और साथ ही पोलियो-फ्री स्टेट्स को मेटेन रखने के लिये पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण चलाया जा रहा है। प्रदेश के भिंड, भोपाल, छिंदवाड़ा, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, कटनी, खरगोन, मंदसौर, नरसिंहपुर, नीमच, निवाड़ी, सतना, रघोपुर, टीकमगढ़ और विदिशा जिलों में अभियान संचालित होगा। इन जिलों में पोलियो दवाई पिलाने के लिये स्थानीय बूथ के साथ-साथ माइग्रेट्री पॉपुलेशन को कवर करने के लिये मोबाइल टीम भी गठित की जायेगी।

जुवेनाइल जस्टिस कमेटी ने की मध्य प्रदेश पुलिस की सराहना

भोपाल, भोपाल पुलिस द्वारा संचालित सामुदायिक पुलिस कार्यक्रमों में महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े प्रयोग के लिए मध्य प्रदेश पुलिस की राष्ट्रीय स्तर पर जुवेनाइल जस्टिस कमेटी द्वारा सराहना की गई और बेस्ट प्रैक्टिस के रूप में प्रस्तुति देने का अवसर प्रदान किया गया। महिला एवं बाल सुरक्षा क्षेत्र में भोपाल पुलिस के सामुदायिक पुलिस प्रयासों के सफल संचालन के कारण जिला स्तर पर प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए समस्त थाना प्रभारियों की कार्यशाला संपन्न हुई। इस बालिका आधारित सशक्तिकरण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुलिस व उससे जुड़े अन्य शाखाओं के सदस्य उपस्थित हुए।

सी-विजिल एप

भोपाल, मध्य प्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए प्रदेश में 17 नवंबर को मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई। प्रदेश में पिछले विधानसभा निर्वाचन 2018 की तुलना में विधानसभा निर्वाचन 2023 में अब तक ढाई गुना अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

विधानसभा निर्वाचन 2023 में सी-विजिल एप से 11 हजार 257 शिकायतें आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन



की मिलीं, जिनका त्वरित निराकरण किया गया। पिछले 2018 के विधानसभा निर्वाचन में आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की 3 हजार 990 शिकायतें सी-विजिल एप के माध्यम से प्राप्त हुई थीं। फोटो अथवा वीडियो से नागरिक कर सकते हैं शिकायत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार कराए गए सी-विजिल एप के माध्यम

से कोई भी नागरिक आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की किसी भी तरह की शिकायत फोटो अथवा वीडियो के माध्यम से कर सकते हैं।

त्वरित निराकरण किया गया

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए प्रदेश में 9 अक्टूबर से आदर्श आचरण संहिता लागू है। इस बीच आदर्श आचरण संहिता का कड़ाई से पालन कराया जा सके, साथ ही नागरिक भी आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की त्वरित शिकायत कर सकें, इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सी-विजिल एप तैयार कराया गया। प्रदेश में 9 अक्टूबर से आदर्श आचरण संहिता के प्रभावीकरण होने के बाद से अब तक 11 हजार 257 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनका त्वरित निराकरण किया गया।



18 नवम्बर

विश्व स्वास्थ्य संगठन और आयुष मंत्रालय के बीच समझौता

● आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पारंपरिक



और पूरक चिकित्सा परियोजना सहयोग समझौता पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक और पूरक चिकित्सा प्रणालियों का मानकीकरण करना, उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा पहलुओं को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ना तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें प्रसारित करना है। इस सहयोग समझौते के माध्यम से पारंपरिक और पूरक चिकित्सा प्रणालियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, डब्ल्यूएचओ, आयुष मंत्रालय के सहयोग से पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक रणनीति 2025-34 तैयार करेगा। समझौते के अन्य प्रमुख उद्देश्यों में पूरक चिकित्सा प्रणाली 'सिद्ध' के क्षेत्र में प्रशिक्षण और अभ्यास की प्रणाली को मजबूत करने के प्रयास, पारंपरिक और पूरक दवाओं की सूची के लिए दिशा-निर्देश तैयार करना, सुरक्षा तथा इससे संबंधित प्रयास आदि शामिल हैं।

● भारतीय पुलिस सेवा से 75 आरआर (2022 बैच) परिवीक्षाधीन अधिकारियों के एक समूह ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से भेंट की। माननीय राष्ट्रपति ने परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी मुख्य रूप से राज्य सरकारों की होती है। लेकिन, भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त किये गए पुलिस कर्मियों को नेतृत्व प्रदान करते हैं। इस प्रकार से भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी देश में पुलिस व्यवस्था को एक अखिल भारतीय सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि देश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए कानून-व्यवस्था का सशक्त होना अति आवश्यक होता है।

19 नवम्बर

राष्ट्रीय फार्मसी आयोग विधेयक 2023 पर सुझाव मांगे

● स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रस्तावित राष्ट्रीय फार्मसी आयोग विधेयक 2023 पर आम जनता और हितधारकों से सुझाव आमंत्रित किए हैं। मंत्रालय ने राष्ट्रीय फार्मसी आयोग की स्थापना और फार्मसी विधेयक 1948 को निरस्त करने तथा राष्ट्रीय फार्मसी आयोग विधेयक 2023 को अंतिम रूप देने का प्रस्ताव रखा है। राष्ट्रीय फार्मसी आयोग

विधेयक का एक मसौदा तैयार किया गया है और प्रतिक्रियाओं के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट पर इसे अपलोड किया गया है। सुझाव और प्रतिक्रियाएं दिसम्बर महीने की 14 तारीख तक hrhcell-mohfw@nic.in या publiccommentsahs@gmail.com पर ई-मेल के माध्यम से प्रस्तुत की जा सकती हैं।

● भारतीय रिजर्व बैंक ने बजाज फाइनेंस लिमिटेड को अपनी दो ऋण स्कीम - ई-कॉम और इन्स्टा ईएमआई कार्ड के तहत ऋणों की मंजूरी और वितरण तत्काल प्रभाव से बंद करने को कहा है। रिजर्व बैंक के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 की धारा-45 एल (1)(बी) के तहत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए यह फैसला लागू किया गया है। आरबीआई ने कहा कि कंपनी द्वारा रिजर्व बैंक के डिजिटल ऋण दिशा-निर्देशों के प्रावधानों का अनुपालन नहीं किए जाने के कारण यह कार्रवाई जरूरी हो गई थी। बैंक ने कहा कि खासियों को सही किये जाने के बाद लागू प्रतिबंधों की पुनः समीक्षा की जाएगी।

● उत्तराखंड में पवित्र ब्रह्मनाथ धाम के कपाट वैदिक मंत्रोच्चार और पूरे अनुष्ठान के बीच शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु तथा सेना के जवान उपस्थित थे। ब्रह्मनाथ के कपाट बंद होने के साथ ही राज्य में इस वर्ष की चार धाम यात्रा संपन्न हो गई। इस वर्ष 18 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने ब्रह्मनाथ धाम के दर्शन किये। गौरतलब है कि केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए पहले ही बंद किये जा चुके हैं।

20 नवम्बर

तीन हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी 27 कंपनियां

● इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन योजना-पीएलआई के दूसरे चरण के अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी हार्डवेयर सेक्टर की 27 कंपनियों द्वारा लगभग तीन हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इन कंपनियों में से 23 कंपनियां सर्वर, लैपटॉप और टैबलेट उत्पादन का कार्य शीघ्र शुरू कर देंगी। शेष कंपनियां उत्पादन कार्य अगले 10 दिनों के भीतर शुरू करेंगी। इससे करीब दो लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में भारत तीस करोड़ डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक साजो सामान तैयार कर लेगा।

● देश से पिछले महीने में 62 अरब 26 करोड़ डॉलर मूल्य की वस्तुओं और



सेवाओं का निर्यात हुआ। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में नौ दशमलव तीन-चार प्रतिशत अधिक है। पिछले महीने समग्र आयात 79 अरब 35 करोड़ डॉलर रहा। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार अक्टूबर में 33 अरब 57 करोड़ डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात हुआ, जबकि सेवाओं का निर्यात 28 अरब 70 करोड़ डॉलर रहा। अप्रैल से लेकर अक्टूबर तक की अवधि में वस्तुओं का निर्यात

लगभग दो सौ 45 अरब डॉलर था। इसी अवधि में एक सौ 92 अरब डॉलर से अधिक मूल्य की सेवाओं का निर्यात हुआ। मंत्रालय के अनुसार इस वर्ष अक्टूबर में 30 प्रमुख क्षेत्रों में से 22 में सकरात्मक बढ़ोतरी रही।

● विदेशी निवेशक नवम्बर में अब तक भारतीय पूंजी बाजार में लगभग 14 हजार करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। पिछले दशैं महीनों में लगातार बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों ने नवम्बर में अब तक एक हजार 433 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। उन्होंने इसी अवधि में भारतीय ऋण बाजार में 12 हजार तीन सौ 30 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस तरह नवम्बर में अब तक भारतीय पूंजी बाजार में फरपीआई का कुल निवेश 13 हजार सात सौ 63 करोड़ रुपये है।

21 नवम्बर

अहमदाबाद में वैश्विक मत्स्यपालन सम्मेलन आयोजित

● विश्व मत्स्यपालन दिवस के अवसर पर गुजरात साईंस सिटी, अहमदाबाद में दो दिवसीय वैश्विक मत्स्यपालन सम्मेलन का आयोजन किया गया। केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री परषोत्तम रुपाला ने सम्मेलन के विशेष मंडप और मुख्य प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री परषोत्तम रुपाला ने भारत के प्रत्येक राज्य को एक मछली अपनाने और उसकी जैव विविधता के संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करने के लिए "भारत की राज्य मछली पुस्तिका" जारी की। पुस्तिका में राज्य मछली के रूप में अपनाई गई और राज्य जलीय पशु घोषित की गई 21 मछली प्रजातियों का विवरण है। अन्य प्रमुख प्रकाशन "मत्स्यपालन सांख्यिकी वर्ष 2022 पर हैंडबुक" भी जारी की गई, जिसका उद्देश्य मत्स्यपालन क्षेत्र के लिए प्रमुख डेटा बिंदु और प्रदर्शन संकेतक प्रदान करना है, जिससे सभी के लिए सटीक और विश्वसनीय मत्स्यपालन डेटा उपलब्ध हो सके।

● भारत-अमेरिका संयुक्त विशेष सशस्त्र बल अभ्यास "वज्र प्रहार 2023" का 14वां संस्करण मेघालय के उमरोई में प्रारंभ हुआ।



अमेरिका के सैन्य दल का प्रतिनिधित्व अमेरिकी विशेष बलों के पहले विशेष बल समूह (एसएफबी) के सैनिकों द्वारा किया गया। भारतीय सेना की टुकड़ी का नेतृत्व पूर्वी कमान के विशेष बल के जवानों द्वारा किया जा रहा है। वज्र प्रहार युद्ध अभ्यास भारतीय सेना और अमेरिका की सेना की विशेष टुकड़ियों के बीच आयोजित होने वाला एक संयुक्त अभ्यास है। इसका उद्देश्य संयुक्त कार्यक्रम योजना और परिचालन रणनीति जैसे क्षेत्रों में सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों तथा उकृष्ट अनुभवों को साझा करना है। इस युद्धाभ्यास के पहले संस्करण का आयोजन वर्ष 2010 में भारत में किया गया था। भारत-अमेरिका संयुक्त विशेष सशस्त्र बल अभ्यास का 13वां संस्करण बकलोह (हिमाचल प्रदेश) के विशेष बल प्रशिक्षण केंद्र (एसएफटीएस) में आयोजित किया गया था। वर्तमान संस्करण 21 नवम्बर से 11 दिसंबर 2023 संचालित

किया जा रहा है।

22 नवम्बर

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण और अमेजन के बीच समझौता

● भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण और अमेजन सेलर सर्विसेज प्राइवेट



लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू का उद्देश्य गंगा नदी राष्ट्रीय जलमार्ग 1 का उपयोग करके अंतर्देशीय जलमार्गों के माध्यम से कार्गो, ग्राहक शिपमेंट और उत्पादों के परिवहन को बढ़ावा देना है। ई-कॉमर्स कार्गो वाले पहले जहाज को जल्द ही पटना से कोलकाता के लिए रवाना किया जाएगा। इस अवसर पर बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कि यह साझेदारी हमारे अंतर्देशीय जलमार्गों के माध्यम से ई-कॉमर्स कार्गो की आवाजाही को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगी।

● आसियान के लिए भारतीय मिशन और कृषि तथा किसान कल्याण मंत्रालय इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में 22 से 26 नवम्बर तक आसियान-भारत श्रीअन्न महोत्सव आयोजित हुआ। यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष 2023 का हिस्सा है। इस महोत्सव में व्यंजन उत्सव के तहत मोटे अनाज वाले व्यंजनों को तैयार कर पाक कला का प्रदर्शन किया गया। इस उत्सव में श्रीअन्न आधारित खाद्य उत्पादकों और स्टार्ट-अप ने भाग लिया। महोत्सव का उद्घाटन करते हुए आसियान में भारत के राष्ट्रपति जयंत खोबरागडे ने भारत और आसियान के संबंधों को मजबूत करने में आसियान - भारत श्रीअन्न महोत्सव के महत्व का उल्लेख किया।

23 नवम्बर

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण निर्माणाधीन सुरंगों का सुरक्षा ऑडिट करेगा

● देशभर की सभी निर्माणाधीन सुरंगों की सुरक्षा की लेखा परीक्षा की जाएगी। यह जानकारी सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा दी गई है। मंत्रालय के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण देश भर में सभी 29 निर्माणाधीन सुरंगों में सुरक्षा की लेखा परीक्षा करेगा। निर्माण के दौरान गुणवत्ता के श्रेष्ठ मानकों के पालन और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह पहल की गई है। एनएचएआई के अधिकारी और दिल्ली मेट्रो रेल निगम के विशेषज्ञों का एक दल सुरंग विशेषज्ञों के साथ निर्माणाधीन सुरंगों का निरीक्षण करेगा और सात दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट देगा। सुरंगों के डिजाइन और सुरक्षा पहलुओं के बारे में एनएचएआई और कॉकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच एक समझौता भी हुआ है।

● डीपफेक वीडियो को रोकने के लिए सरकार रेगुलेशन लाने की तैयारी कर रही है। केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि

डीपफेक लोकतंत्र के लिए एक नया खतरा बनकर उभरा है। विभिन्न सोशल मीडिया



प्लेटफॉर्म के साथ मीटिंग करने के बाद उन्होंने कहा कि हमें डीपफेक को पोस्ट करने से पहले कैसे रोकें, डीपफेक वीडियो वायरल होने से कैसे रोकें, रिपोर्टिंग मैकेनिज्म को कैसे बेहतर करें और अवेयरनेस बढ़ाने को लेकर मिलकर काम करना होगा।

24 नवम्बर

मिसाइल सह गोला बारूद बाजूर नौका एलएसएएम 9 का अंतरण

● भारतीय नौसेना के लिए विशाखापत्तनम् की एमएसएमई शिपयार्ड, मेसर्स सेकॉन इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित 08 x मिसाइल सह गोला बारूद परियोजना के अंतर्गत तीसरी बाजूर नौका 'मिसाइल सह गोला बारूद बाजूर', एलएसएएम 9 (यार्ड 77)' का अंतरण आईएनएस गुणौर के लिए मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में किया गया। इस अंतरण समारोह की अध्यक्षता पश्चिमी नौसेना कमान के कमांडर रिफिट ऑफिसर कमांडर आशीष सहगल ने की। 08 x मिसाइल सह गोला बारूद बाजूर नौकाओं के निर्माण के लिए 19 फरवरी 2021 को रक्षा मंत्रालय और मेसर्स सेकॉन इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम् के बीच अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। इन बाजूर नौकाओं की उपलब्धता होने से परिवहन, आवश्यक सामान को लाने-ले जाने और चढ़ाने-उतारने की सुविधा प्रदान करके भारतीय नौसेना की परिचालन गतिविधियों को तेजी प्रदान होगी।

● पर्यटन मंत्रालय की सचिव श्रीमती वी विद्यावती ने कहा कि उत्तर पूर्व में पर्यटन के विकास में क्षेत्र के संवेदनशील



पारिस्थितिकी को ध्यान में रखा जाना चाहिए। मेघालय के शिलांग में एक बिजनेस सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन संसाधनों के मामले में पूर्वोत्तर क्षेत्र एक अद्वितीय स्थान रखता है। इस क्षेत्र में विशाल भौगोलिक विविधता होने के कारण एडवेंचर पर्यटन के लिए काफी संभावनाएं हैं। पर्यटन मंत्रालय ने साहसिक पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति तैयार की है और देश में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने और विकसित करने की रणनीति के संचालन और कार्यान्वयन का मार्गदर्शन करने के लिए एक राष्ट्रीय बोर्ड का गठन किया है। पर्यटन मंत्रालय ने साहसिक पर्यटन मॉडल कानून का मसौदा तैयार किया है जिसमें दायित्व, संस्थागत ढांचे, दंड, पंजीकरण और बीमा के प्रावधान शामिल हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित कोटो : मूल से सामग्री)

वर्ष 40, अंक 48

27.11.2023 से 03.12.2023

रोज़गार और निर्माण

www.rojgaraumirman.in

● प्रबंध संचालक

● सम्पादक

● प्रबंधक

● प्रबंधक

● आकल्पन

● वेबसाइट

- मनीष सिंह

- रंजना चितले

- वंदना चतुर्वेदी (विज्ञान एवं प्रसार)

- सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)

- अरविन्द टोप्पो

- आलाराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोजगार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अररा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011 फोन- 27600006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com रोजगार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोजगार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये व्यापारकीय अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोजगार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

विधानसभा निर्वाचन में महिलाओं की बढ़ती सहभागिता

मध्यप्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2023 के परिणाम आने में अब कुछ ही दिन शेष हैं। इन दिनों चुनाव परिणाम जारी करने और उससे जुड़ी तमाम तैयारियों को चुनाव आयोग अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है। विगत 17 नवंबर को मध्यप्रदेश में हुए मतदान में अब तक जो आंकड़े सामने निकलकर आये हैं उसे देखकर तो यह लगता है कि इस बार मध्यप्रदेश के मतदाताओं ने अपने मत का बेहतर प्रयोग कर रिकॉर्ड मतदान किया है। यही कारण है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में चुनाव का आंकड़ा 77.15 प्रतिशत पहुंच चुका है। जो वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव की तुलना में 1.52 प्रतिशत अधिक है। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में मतदान से जुड़े जो आंकड़े सामने आये हैं वह चुनाव आयोग की सजगता, सर्तकता और जागरूकता का परिणाम है। चुनाव आयोग और उससे जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों ने जिस मेहनत के साथ मतदान के प्रति जागरूकता को लेकर काम किया है वह प्रशंसनीय है। मतदान प्रतिशत का बढ़ा हुआ आंकड़ा महज एक दिन की मेहनत का नहीं बल्कि यह महीनों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। जहां मतदान के प्रचार-प्रसार के लिये सुनियोजित ढंग से कार्य किया गया, और उसमें हर वर्ग के लोगों को शामिल कर मतदान के लिये जागरूक किया गया है। मतदान प्रतिशत का विशेषण करें तो सामने आया है कि इस बार महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में अधिक मतदान किया है। वर्ष 2018 में महिला-पुरुष मतदाताओं के बीच में 1.95 प्रतिशत का अंतर था। लेकिन वर्ष 2023 में यह अंतर 2.18 प्रतिशत हो गया है। यानी कि मतदान को लेकर महिलाएं, पुरुषों की तुलना में अधिक सजग और उत्साहित रहीं और उन्होंने अपने मताधिकार का भरपूर प्रयोग किया। अब अगर हम बीते कुछ वर्षों पर नजर डालें तो मध्यप्रदेश में चुनाव दर चुनाव महिला मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। 1993 में 100 में से सिर्फ 52 महिलाएं मतदान करने जाती थीं, ये आंकड़ा बढ़कर 2018 में 74 हो गया। अब मतदान करने वाली महिलाएं 22 प्रतिशत बढ़ गई हैं। जबकि 1993 में 100 में से 68 पुरुष मतदान करते थे, जो 2018 में बढ़कर सिर्फ 76 प्रतिशत हुए, पुरुषों में सिर्फ 8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यानी की वोट करने वाली महिलाएं पुरुषों की तुलना में करीब ढाई गुना बढ़ गई हैं। इस बार मतदान के दिन महिलाएं जिस आत्मविश्वास के साथ अपना पहचान पत्र लेकर मतदान केन्द्र पहुंचीं, इससे यह तथ्य निकलकर आया कि महिलाओं के लिए मतदान एक अधिकार ही नहीं गर्व की बात भी है। वे मतदान का अर्थ और इसकी ताकत को समझती हैं। कई मतदान केन्द्रों में महिलाओं ने मतदान केन्द्रों की समूची व्यवस्था को संभालने के दायित्व का भी निर्वहन किया। कुल मिलाकर जहां निर्वाचन प्रक्रिया में महिलाओं की सहभागिता रही वहीं मतदान में महिलाओं के मतदान प्रतिशत के बढ़ते आंकड़े हमारे सामने हैं। अतः यह कहा जा सकता है कि 16वीं विधानसभा निर्वाचन में महिलाओं की सहभागिता बढ़ी है।

जाक्सा के साथ मिलकर नासा अंतरिक्ष में भेजेगा लकड़ी से बना पहला सैटेलाइट

अंतरिक्ष की दुनिया में अलग-अलग देश समय-समय पर प्रयोग करते रहते हैं। विगत माह भारत द्वारा चंद्रयान 3 की सफलता के बाद अब नासा अंतरिक्ष में एक नया प्रयोग करने जा रहा है। दरअसल अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और जापान की स्पेस एजेंसी जाक्सा दुनिया के पहले लकड़ी के सैटेलाइट को लॉन्च करने की योजना बना रही है। अगले वर्ष मई-जून 2024 तक इस सैटेलाइट को लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। अंतरिक्ष एजेंसी ने इस सैटेलाइट को लिमोसैट नाम दिया है। स्पेस एजेंसियां देखना चाहती हैं कि लकड़ी के सैटेलाइट कितने कारगर हो सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार दुनियाभर की अंतरिक्ष एजेंसियों ने बीते 50 वर्षों में हजारों की संख्या में सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में भेजा है जो सैटेलाइट अपना जीवन पूरा कर चुके हैं, वो कबाड़ या मलबे के रूप में वहां तैर रहे हैं। इससे दूसरे सैटेलाइट्स को खतरा हो रहा है। यही नहीं, खत्म हो चुके सैटेलाइट अगर पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हैं, तो उनके द्वारा हमारे ग्रह को नुकसान पहुंचाने की संभावना बनी रहती है। लकड़ी के सैटेलाइट इन मुश्किलों को सुलझा सकते हैं। अंतरिक्ष में लकड़ी ना तो जल सकती है, ना ही सड़ सकती है। अच्छी बात यह है कि लकड़ी के सैटेलाइट अगर वायुमंडल में दोबारा प्रवेश करते हैं, तो वह जलकर राख हो जाएंगे। यानी भविष्य में इनका इस्तेमाल होता है इससे अंतरिक्ष में कचरा बढ़ने की संभावना खत्म हो जाएगी। जानकारी के अनुसार, लिमोसैट का आकार एक कॉफी मग के बराबर है। इसे 2024 की गर्मियों तक लॉन्च किया जा सकता है। इसे बनाने में मैगनोलिया लकड़ी का इस्तेमाल किया गया है। स्पेस एजेंसियों ने जिस मैगनोलिया लकड़ी से सैटेलाइट को बनाया है, उस लकड़ी को पहले इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में टेस्ट किया गया था। वैज्ञानिकों ने तीन तरह की लकड़ी को टेस्ट किया गया है। सभी अंतरिक्ष में स्थापित करने में उपयुक्त रहीं यानी उनमें कोई टूट-फूट नहीं हुई है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव-2023

महिलाओं ने तोड़ा मतदान का रिकॉर्ड युवाओं में भी था उत्साह

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में इस वर्ष महिलाओं ने मतदान का नया कीर्तिमान बनाया। पिछले आठ चुनावों की तुलना में महिलाओं के मतदान का प्रतिशत सर्वाधिक है। वहीं पहली बार मतदाता बने युवाओं में भी मतदान के प्रति उत्साह देखने लायक था।

मध्यप्रदेश में सोलहवीं विधानसभा के गठन के लिये 17 नवम्बर को मतदान प्रक्रिया पूरी हो गई। नई सरकार का स्वरूप ईवीएम मशीन में सुरक्षित हो गया है जो तीन दिसम्बर को मतों की गिनती के साथ सामने आयेगा। नई सरकार का स्वरूप भी हो पर इतना तय है कि इस बार उसके गठन में महिलाओं और युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इसकी झलक मतदान के दिन मतदाताओं और युवा समूहों में दिखे उत्साह और उसके बाद सामने आये मतदान प्रतिशत के आंकड़ों से स्पष्ट हो गई है। इसलिये आगामी सरकार बनाने में महिलाओं और पहली बार बने मतदाता का योगदान सबसे अधिक होगा। मतदान वाले दिन दिन दोनों श्रेणी के मतदाताओं का उत्साह देखने लायक था। मध्यप्रदेश के लगभग हर अंचल में सबरे से मतदान के लिये महिला मतदाताओं की कतार लग गई थी। इस बार महिलाओं ने मतदान का एक नया कीर्तिमान बनाया है। यदि हम मध्यप्रदेश में संपन्न हुए पिछले विधानसभा चुनावों में महिलाओं द्वारा किये गये मतदान का प्रतिशत देखें तो इस वर्ष वे सभी आंकड़े पीछे छूट गये। महिलाओं में जितना उत्साह मतदाता बनने के लिये था, उससे अधिक उत्साह मतदान के लिये था। पिछले सभी चुनावों की तुलना में इस वर्ष महिलाओं द्वारा किये गये मतदान का प्रतिशत सर्वाधिक है।

34 विधानसभा क्षेत्रों में पुरुषों से अधिक मतदान

इस वर्ष कुल 77.15 प्रतिशत मतदान हुआ। इसमें पुरुषों का मतदान प्रतिशत 78.21 और महिलाओं का मतदान प्रतिशत 76.03 रहा। मध्यप्रदेश में 72 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां महिलाओं ने अस्सी प्रतिशत से अधिक मतदान किया और 34 विधानसभा क्षेत्र ऐसे रहे जिनमें महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में अधिक मतदान किया। इनमें कई विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान पांच प्रतिशत से अधिक रहा। जिन विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं ने 80 प्रतिशत से अधिक मतदान किया उनमें जाबद, नीचक, मनासा, सुवासिना, मल्हारगढ़, जौरा, सैलाना, रतलाम ग्रामीण, बड़नगर, बदनावर, धांदला, राजपुर, कसरगढ़, महेश्वर, बागली, सोहगपुर, पिपरिया, बासीदा, राजनी, आष्टा, छिछार, नरसिंहगढ़, ब्यावर, बुदगढ़, खिलचौपुर, सारंगपुर, सुसनेर, शाजापुर, कालापीपल, सोनकच्छ, हाटपिपलिया, गोटेगांव, नरसिंहपुर, तेंदुखड़ा, गाडवाड़ा, जुनादेव, अमरवाड़ा, चौरई, सुलार, छिंदवाड़ा, पारसिया, पांडुरा, मुलताई, घोडाडांगरी, भैसदेही, टिमरी, हर्दा, सिवनी मालवा, सिहोरा, शाहपुरा, डिंडीरी, बिछिया, निवास, मंडला, बैहर, लांजी, परसवाड़ा, बालाघाट, वारासिनी, कटगी, बरघाट, सिवनी, ब्योलीरी, लखनादीन, धोंगढ़, विजयपुर, पिछौर, पृथ्वीपुर, जयसिंहनगर, जैपुर, पुष्पराजगढ़, बहोरीबंद विधानसभा क्षेत्र हैं। और जिन 34 विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं का मतदान पुरुषों से अधिक रहा इन क्षेत्रों में सतना जिले की चित्रकूट, रेगांव, नागौद, मैहर, अमरपाटन, रामपुर-

बाघेलान, रीवा जिले के सिरमौर, सेमरिया, त्योंधर, मऊगंज, देवतालाब, मनगवां, गुद, सीधी जिले की चुरहट, सीधी, सिंहावल, धौहनी, सिंगरीली जिले की चितरंगी आदि सीटों पर महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा वोट डाले। वहीं, शहडोल जिले की ब्यूहारी, जयसिंहनगर, जैतपुर, अनुपपुर जिले में अनुपपुर, पुष्पराजगढ़, उमरिया में मानपुर सीटों पर मतदान करने में महिलाएं आगे रहीं, तो पन्ना जिले की पवई और पन्ना विधानसभा क्षेत्र। इसके साथ महाकौशल के कटनी जिला अंतर्गत विजयराधगढ़, जबलपुर जिला अंतर्गत सिहोरा, मंडला जिले की बिछिया, निवास, बालाघाट जिले की लांजी, बैहर, परसवाड़ा तथा भोपाल जिले की भोपाल दक्षिण-पश्चिम सीटें ऐसी रहीं, जहां महिलाएं मतदान करने में पुरुषों से आगे रहीं। बालाघाट जिले की तीन सीटों में भी महिलाओं का मतदान अधिक रहा है।

कई निर्वाचन क्षेत्रों में तो महिलाओं का मतदान 85 प्रतिशत से अधिक रहा है। सिंहावल विधानसभा क्षेत्र तो ऐसा रहा जहां महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों की तुलना में लगभग बारह प्रतिशत अधिक रहा। मध्यप्रदेश के जिन विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा उनमें सिंहावल में अंतर सर्वाधिक है। यहाँ कुल 69.31 प्रतिशत मतदान हुआ। महिलाओं ने 75.55 प्रतिशत और पुरुषों ने 63.64 प्रतिशत मतदान किया। अर्थात् पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने 11.91 प्रतिशत अधिक मतदान किया। वहीं चुरहट में महिलाओं का मत प्रतिशत 75.88 और पुरुषों का 66.66 रहा। शिवपुरी जिले की पिछौर विधानसभा क्षेत्र के एक मतदान केन्द्र की महिला मतदाताओं ने 100 फीसदी मतदान किया है। मतदान केन्द्र क्रमांक 66 प्राथमिक शाला भवन हिनोतिया आसाली केन्द्र पर 283 महिला मतदाता थीं और यहां पर सभी महिलाओं ने अपना वोट डाला। दूसरा बालाघाट जिले के केन्द्र पर भी महिलाओं द्वारा शत-प्रतिशत मतदान किया गया। लेकिन यहां पुरुषों का मतदान भी शत-प्रतिशत रहा। वहीं झाबुआ जिले के अंतर्गत जोबट ऐसा निर्वाचन क्षेत्र है जहां महिलाओं का मतदान प्रतिशत सबसे कम 52.42 रहा।

महिलाओं के मतदान प्रतिशत का इतिहास

मध्यप्रदेश की महिला मतदाताओं में मतदान के प्रति रुझान में लगातार वृद्धि हो रही है। यह वृद्धि दोनों प्रकार से है। मतदाता बनने में भी है और मतदान करने में भी। यदि हम वर्ष 1993 के विधानसभा चुनाव के मतदान प्रतिशत पर दृष्टि डालें तो तब कुल 60.52 प्रतिशत मतदान हुआ था जिसमें महिलाओं के मतदान का प्रतिशत 52.35 और पुरुषों के मतदान का प्रतिशत 68.20 था। अर्थात् पुरुषों और महिलाओं के बीच मतदान करने में 14 प्रतिशत का अंतर था। अब यदि इस वर्ष 2023 में हुए मतदान प्रतिशत को देखें तो महिलाओं का मतदान 76 प्रतिशत के आंकड़े को पार कर गया। अर्थात् 1993 की तुलना में महिलाओं के मतदान में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई और पुरुष एवं महिलाओं के बीच मतदान का अंतर भी घटकर लगभग दो प्रतिशत रह गया। यद्यपि पुरुषों के मतदान प्रतिशत में भी वृद्धि हुई पर वह महिलाओं की तुलना में कम रही। वर्ष 1993 के विधानसभा चुनाव में पुरुषों का मतदान प्रतिशत 68 था, जो 2023 में 78 प्रतिशत हुआ। अर्थात् पुरुषों का मतदान केवल 10 प्रतिशत ही बढ़ा।

इन आंकड़ों से यह बात बहुत स्पष्ट है कि मतदान के प्रति महिलाओं का उत्साह पुरुषों की तुलना में अधिक रहा।

महिला उम्मीदवारों की संख्या भी बढ़ी

मध्यप्रदेश में महिला मतदाता और मतदान में महिलाओं द्वारा दिखाये गये अतिरिक्त उत्साह के साथ इस वर्ष महिला उम्मीदवारों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। यद्यपि यह वृद्धि उस अनुपात के अनुरूप नहीं है जैसी महिला मतदाताओं की संख्या और उनके मतदान प्रतिशत में देखी जा रही है। फिर भी मध्यप्रदेश में महिला उम्मीदवारों की संख्या में भी मामूली वृद्धि देखी गई। वर्ष 2003 के विधानसभा चुनाव में कुल 199 महिला प्रत्याशी मैदान में थीं। इनमें से 19 महिलाएं जीतकर विधानसभा पहुंचीं। वर्ष 2008 में 226 महिलाएं चुनाव मैदान में उतरीं। इनमें से 25 महिलाएं विधायक बनीं। महिलाओं की यह जीत 11 प्रतिशत के आसपास थी। सदन में महिलाओं की सहभागिता 10.86 प्रतिशत रही। इसके अगले चुनाव 2013 में 200 महिला प्रत्याशियां ने अपना भाग्य आजमाया। इनमें से 30 महिलाएं विधायक बनीं। सदन में महिलाओं की सहभागिता 13 प्रतिशत रही। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में 250 महिलाओं ने चुनाव लड़ा। इनमें 21 महिलाएं जीत कर सदन में पहुंचीं। इस बार वर्ष 2023 में कुल 252 महिलाएं अपना भाग्य आजमा रही हैं। इनमें कितनी सफल होंगी यह तीन दिसम्बर को स्पष्ट होगा। महिला उम्मीदवारों की दृष्टि से 2023 का आंकड़ा मामूली वृद्धि के साथ अब तक सबसे अधिक है पर यह तीन दिसम्बर को स्पष्ट होगा कि कितनी महिलाएं चुनाव जीतकर विधानसभा में प्रवेश करती हैं। जबकि चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचने वाली महिला विधायकों की संख्या वर्ष 2013 में सर्वाधिक 30 रही।

पहली बार मतदान करने वाले युवाओं में उत्साह

विधानसभा के इस मतदान में महिलाओं के साथ उन युवाओं में भी उत्साह देखा गया जो पहली बार मतदाता बने हैं। मध्यप्रदेश में युवा मतदाताओं की काफी संख्या है। इनमें तीस लाख मतदाता अठारह से इक्कीस वर्ष के बीच की आयु के हैं। इन्होंने पहली बार विधानसभा के चुनाव में मतदान किया। इन मतदाताओं में कुछ ऐसे हैं जिन्होंने गत वर्ष स्थानीय निकाय अथवा पंचायत चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था लेकिन लगभग बाईस लाख मतदाता अठारह और उन्नीस वर्ष के हैं। इन्होंने पहली बार किसी भी चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मतदान के प्रति इस वर्ष के मतदाता में भी उत्साह रहा। यद्यपि युवा मतदाता सबरे जल्दी मतदान केन्द्र पर नहीं पहुंचा। इनकी भीड़ दोपहर से बढ़ी और पहली बार मतदाता बने युवाओं का प्रतिशत भी अच्छा रहा। जबकि इक्कीस से उन्तीस वर्ष का युवा मतदान के प्रति अपेक्षाकृत उदासीन सा देखा गया। इस प्रकार आने वाली विधानसभा के गठन में महिलाओं और पहली बार मतदाता बने युवाओं की भूमिका अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण है।

रमेश शर्मा

(लेखक- वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

एम.पी.पी.एस.सी. प्रारंभिक परीक्षा में पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

राज्य मानवाधिकार आयोग

परिचय

- मध्यप्रदेश राज्य मानव अधिकार आयोग का गठन 13 सितम्बर 1995 को किया गया।
- एक सांविधिक निकाय है।
- राज्य मानव अधिकार आयोग का गठन मानव अधिकार अधिनियम, 1993 की धारा 21 के तहत किया गया था।
- मुख्यालय भोपाल (पर्यावास भवन)।

संरचना

- एक बहुसदस्यीय निकाय है।
- आयोग में 1 अध्यक्ष व 2 अन्य सदस्य होते हैं।
- अध्यक्ष- उच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या न्यायाधीश।
- 1 एक सदस्य - मानव अधिकारों से संबंधित ज्ञान और अनुभव रखने वाला।
- 2 एक सदस्य- राज्य का कोई जिला न्यायाधीश (सात वर्ष का अनुभव या ऐसा व्यक्ति जिसे मानव अधिकारों का विशेष ज्ञान अथवा अनुभव हो)।

नियुक्ति

- अध्यक्ष व सदस्य की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति की अनुशंसा पर करते हैं।
- समिति में निम्नलिखित सदस्य होते हैं-
1 अध्यक्ष- मुख्यमंत्री
2 विधानसभा अध्यक्ष
3 विधानसभा में विपक्ष का नेता
4 राज्य का गृहमंत्री
- विधान परिषद होने की स्थिति में विधान परिषद का सभापति एवं विपक्ष का नेता भी शामिल होगा।

कार्यकाल एवं सेवा शर्तें

- अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष अथवा 70 वर्ष (जो भी पहले हो) तक होता है।
- अध्यक्ष व सदस्य पुनः नियुक्ति के पात्र होते हैं।
- अपने पद से मुक्त होने के पश्चात् अध्यक्ष एवं सदस्य केन्द्र सरकार या राज्य सरकार के अधीन अलाभकारी पद पर नहीं होंगे।
- राज्य सरकार द्वारा वेतन-भत्तों का निर्धारण।
- आयोग के अध्यक्ष का वेतन उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के समान व सदस्यों का वेतन उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान होता है।

त्याग पत्र व पदमुक्ति

- अध्यक्ष व सदस्य त्याग पत्र राज्यपाल को सौंपते हैं।
- आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों को नियुक्त तो राज्यपाल करता है, परन्तु उसको पदमुक्त केवल राष्ट्रपति कर सकता है।
- राष्ट्रपति अध्यक्ष व सदस्यों को उसी प्रकार हटा सकता है, जिस प्रकार राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष को हटाता है।
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की तर्ज पर म.प्र. शासन द्वारा म.प्र. मानवाधिकार आयोग का गठन

सितम्बर 1995 को किया गया जिसका मुख्यालय भोपाल में है।

- यह एक स्वायत्त संस्था है।

शिकायत भेजने की प्रक्रिया

- पीड़ित व्यक्ति द्वारा स्वयं अथवा पीड़ित व्यक्ति की ओर से किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा आयोग के पते पर प्रार्थना-पत्र देकर निःशुल्क शिकायत करवाई जा सकती है।

रिपोर्ट

- आयोग अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपता है।
- राज्य सरकार रिपोर्ट को विधानसभा में रखवाती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- दो या दो से अधिक राज्यों के लिए संयुक्त राज्य मानव अधिकार आयोग का गठन किया जा सकता है।
- आयोग को दिवानी न्यायालय की तरह की शक्तियाँ प्राप्त हैं।
- मध्यप्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग द्वारा 2006 में आयोग मित्र योजना प्रारम्भ की गई।
- आयोग की बैठक प्रत्येक माह की प्रथम और तीसरे सप्ताह में होना आवश्यक है।

- प्र.1 राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति के नामों की सिफारिश करने वाली समिति में कौन शामिल है?

- (अ) विधानसभा अध्यक्ष
(ब) राज्यपाल
(स) नेता प्रतिपक्ष
(द) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

- उत्तर- (अ) और (स) दोनों

- प्र.2 राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष इनमें से कौन बन सकता है?

- (अ) सर्वोच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश
(ब) सर्वोच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त न्यायाधीश
(स) राष्ट्रपति मानवाधिकार के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव रखने वाले को बनाते हैं।
(द) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश।

- उत्तर- (द)

- प्र.3 राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल कितने साल का होता है?

- (अ) 5 (ब) 4
(स) 3 (द) 7

- उत्तर- (स)

- प्र.4 राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है?

- (अ) राष्ट्रपति
(ब) केंद्रीय सरकार
(स) राज्य सरकार
(द) विधानसभा अध्यक्ष

- उत्तर- (स)

- प्र.5 राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों की नियुक्ति समिति का इनमें से कौन सदस्य नहीं है?

- (अ) मुख्यमंत्री
(ब) विधानसभा अध्यक्ष
(स) विधानसभा उपाध्यक्ष
(द) विपक्ष का नेता

- उत्तर- प्र.6

- राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों की नियुक्ति समिति में कुल कितने सदस्य होते हैं?

- (अ) 5 (ब) 7
(स) 4 (द) 9

- उत्तर- प्र.7

- राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की पदच्युति के संबंध में इनमें से कौन-सा कथन सही नहीं है?

- (अ) वह राष्ट्रपति को सम्बोधित कर अपना त्याग-पत्र दे सकता है।
(ब) वह राज्यपाल को सम्बोधित कर अपना त्याग-पत्र दे सकता है।
(स) राष्ट्रपति उसे सिद्ध कदाचार या अक्षमता के आधार पर हटा सकता है।
(द) राष्ट्रपति अपराध के लिए दोष सिद्ध होने पर हटा सकता है।

- उत्तर- प्र.8

- (अ) राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की पदावधि के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
(अ) वह 5 वर्षों की अवधि के लिए पद ग्रहण करता है।
(ब) वह 3 वर्ष की अवधि के लिए पद ग्रहण करता है।
(स) वह 70 वर्ष की आयु तक पद पर बने रह सकता है।
(द) वह पुनर्नियुक्ति हेतु पात्र है।

- उत्तर- प्र.9

- (अ) राज्य मानव अधिकार आयोग एवं राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के वार्षिक एवं विशेष प्रतिवेदन के संबंध में उपबंध किया गया है-
(अ) धारा 28 एवं धारा 20 में
(ब) धारा 27 एवं धारा 19 में
(स) धारा 28 एवं धारा 18 में
(द) धारा 28 एवं धारा 12 में

- उत्तर- प्र.10

- (अ) राज्य मानवाधिकार आयोग का प्रत्येक सदस्य एवं मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम के अधीन कृत्यों का प्रयोग करने के लिए राज्य मानव अधिकार आयोग द्वारा नियुक्त या प्राधिकृत प्रत्येक अधिकारी समझा जाता है?

- (अ) लोक अधिकारी
(ब) लोक सेवक
(स) आयोग का अधिकारी
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

- उत्तर- प्र.11

- (ब) राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष के पद पर हुई रिक्ति की दशा में किसी एक सदस्य को अध्यक्ष के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करने की शक्ति किसे है?

- (अ) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(ब) राष्ट्रपति
(स) राष्ट्रीय मानव अधिकार

- उत्तर- प्र.12

- राज्य मानव अधिकार आयोग के वार्षिक प्रतिवेदन किसके समक्ष प्रस्तुत करता है?

- (अ) केंद्र सरकार
(ब) राज्य सरकार
(स) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(द) भारत के मुख्य न्यायाधीश

- उत्तर- प्र.13

- राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग एवं राज्य मानव अधिकार आयोग के सदस्य लोक सेवक समझे जायेंगे?

- (अ) धारा 35 के तहत
(ब) धारा 37 के तहत
(स) धारा 39 के तहत
(द) इनमें से कोई नहीं

- आयोग के अध्यक्ष
(द) राज्यपाल

- उत्तर- (द)

- प्र.12 राज्य मानव अधिकार आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन किसके समक्ष प्रस्तुत करता है?

- (अ) केंद्र सरकार
(ब) राज्य सरकार
(स) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(द) भारत के मुख्य न्यायाधीश

- उत्तर- प्र.13

- राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग एवं राज्य मानव अधिकार आयोग के सदस्य लोक सेवक समझे जायेंगे?

- (अ) धारा 35 के तहत
(ब) धारा 37 के तहत
(स) धारा 39 के तहत
(द) इनमें से कोई नहीं

- उत्तर- प्र.14

- मध्यप्रदेश राज्य मानव अधिकार आयोग का मुख्यालय स्थित है?

- (अ) सागर में (ब) रीवा में
(स) भोपाल में (द) इन्दौर में

- उत्तर- प्र.15

- राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की सेवा के उपबंध अधिनियम की निम्न में से कौन सी धारा के अन्तर्गत किए गए हैं?

- (अ) धारा 27 के तहत
(ब) धारा 38 के तहत
(स) धारा 26 के तहत
(द) धारा 20 के तहत

- उत्तर- प्र.16

- कौन-सी धारा के तहत राज्य मानव अधिकार आयोग अपनी वार्षिक विशेष रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत करता है?

- (अ) धारा 19 के तहत
(ब) धारा 35 के तहत
(स) धारा 28 के तहत
(द) धारा 34 के तहत

- उत्तर- प्र.17

- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में अध्यक्ष के अलावा और कितने सदस्य होते हैं?

- (अ) छः (ब) आठ
(स) नौ (द) सात

- उत्तर- प्र.18

- किस राज्य में सबसे पहले राज्य मानव अधिकार आयोग गठित किया गया?

- (अ) उत्तरप्रदेश (ब) मध्यप्रदेश
(स) राजस्थान (द) महाराष्ट्र

- उत्तर- (ब)

- प्र.19 राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति निम्न में से किसके द्वारा की जाती है?

- (अ) राष्ट्रपति
(ब) राज्यपाल
(स) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

- (अ) राज्य सरकार द्वारा
(ब) प्रधानमंत्री की सिफारिश पर
(स) राष्ट्रपति द्वारा
(द) केन्द्र सरकार द्वारा

- उत्तर- प्र.21

- मध्यप्रदेश में मानवाधिकार आयोग का गठन किया गया -

- (अ) जनवरी 1995 को
(ब) अगस्त 1996 को
(स) दिसम्बर 1997 को
(द) सितम्बर 1995 को

- उत्तर- प्र.22

- राज्य मानवाधिकार आयोग का मुख्य कार्यालय होगा-

- (अ) राज्य की राजधानी में
(ब) केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित स्थान में
(स) राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित स्थान में
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

- उत्तर- प्र.23

- राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति हेतु संस्तुति करती है उस समिति में कौन-कौन शामिल होगा?

- (अ) राज्य का गृहमंत्री
(ब) मुख्यमंत्री
(स) विधानसभा का विपक्ष का नेता
(द) उपर्युक्त सभी

- उत्तर- प्र.24

- राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष या सदस्यों की पदावधि के संबंध में उपबंध किया गया है?

- (अ) धारा 24 (ब) धारा 26
(स) धारा 28 (द) धारा 30

- उत्तर- प्र.25

- राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की सेवा-शर्तों व निबंधन उपबंधित है?

- (अ) धारा 28 (ब) धारा 27
(स) धारा 26 (द) धारा 30

- उत्तर- प्र.26

- राज्य मानव अधिकार आयोग का सचिव किस श्रेणी का होगा?

- (अ) राज्य सरकार के सचिव रैंक का अधिकारी
(ब) सत्र न्यायाधीश के समकक्ष
(स) जिला न्यायाधीश के रैंक का अधिकारी
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

- उत्तर- प्र.27

- राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति के नामों की सिफारिश करने वाली समिति में कौन शामिल नहीं है?

- (अ) मुख्यमंत्री
(ब) विधानसभा का अध्यक्ष
(स) गृह मंत्रालय के प्रधान
(द) राज्यपाल

- उत्तर- (द)

- इमरतलाल खरेते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

अर्थशास्त्र

- पूर्ण रिज़र्व बैंकिंग के संदर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सही है?**
अ. बैंकों को ग्राहकों से प्राप्त मांग जमा को उधार देने से प्रतिबंधित किया गया है।
ब. बैंकों को मांग जमा का 100 प्रतिशत अपनी तिजोरी में रखना होगा।
स. बैंक केवल सावधि जमा के रूप में धन को उधार दे सकते हैं।
द. उपरोक्त सभी
- सकल स्थिर पूंजी निर्माण के संबंध में असत्य कथन बताओ?**
अ. सकल स्थिर पूंजी निर्माण मूल्यहास के समायोजन के बाद देश में कुल निवेश की गणना करता है।
ब. सकल स्थिर पूंजी निर्माण व्यवसायों, सरकारों और परिवारों द्वारा अचल संपत्तियों में निवेश को मापता है।
स. सकल स्थिर पूंजी निर्माण में मूल-अमूर्त दोनों तरह की संपत्तियां सम्मिलित होती हैं।
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
- उत्तर- अ.**
- 3. NAMASTE (नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम) कौनसे मंत्रालय द्वारा प्रारंभ किया गया है?**
अ. सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय।
ब. आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय।
स. उपरोक्त दोनों की संयुक्त पहल।
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
- उत्तर- स.**
- 4. अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का मुख्यालय किस देश में है?**
अ. जापान ब. अमेरिका
स. स्विट्जरलैंड द. भारत
- उत्तर- द.**
- व्याख्या-** अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन वन-सन-वन वर्ल्ड वन ग्रिड (OSO-WOG) को लागू करने वाली एजेंसी है, जिसका मुख्यालय भारत में तथा अंतरिम सचिवालय गुल्शाम में स्थित है।
- 5. गोबर-धन योजना किस मंत्रालय ने लागू की है?**
अ. जल शक्ति मंत्रालय
ब. ग्रामीण विकास मंत्रालय
स. कृषि मंत्रालय
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
- उत्तर- अ.**
- व्याख्या-** जल शक्ति मंत्रालय में (GOBAR) गैल्बनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो एग्रो रिसोसेज) प्रारंभ की है यह योजना स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के एक भाग के रूप में लागू की जा रही है।
- 6. सौभाग्य योजना किससे संबंधित है?**
अ. सभी गैर विद्युतीकृत घरों में बिजली प्रदान करने की योजना।
ब. लाइली लक्ष्मी योजना का एक भाग।
स. महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधारने से संबंधित।
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
- उत्तर- अ.**
- व्याख्या-** सौभाग्य योजना ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में देश के सभी घरों को विद्युत पहुंचाने की योजना है।
- 7. पीएम स्वनिधि किस मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित योजना है?**
अ. आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय
ब. वाणिज्य मंत्रालय
स. विदेशी मंत्रालय
द. उद्योग मंत्रालय
- उत्तर- अ.**
- व्याख्या-** यह एक केन्द्रीय क्षेत्र की योजना है। इसका उद्देश्य 10,000 रुपये तक के कार्यशील पूंजी ऋण को सक्षम करना, समय पर पुनर्भुगतान को प्रोत्साहित करना और डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करना है।
- 8. मौद्रिक नीति के उपकरण में निम्न में से सम्मिलित है?**
अ. नगद आरक्षित अनुपात
ब. रेपो दर
स. खुले बाजार की क्रियायें
द. उपरोक्त सभी
- उत्तर- द.**
- 9. किसान क्रेडिट कार्ड कार्यक्रम के क्रियान्वयन में कौनसी संस्था/संस्थायें सम्मिलित हैं?**
अ. वाणिज्यिक बैंक
ब. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
स. सहकारी बैंक
द. उपरोक्त सभी
- उत्तर- द.**
- 10. रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया का लेखा वर्ष कब प्रारंभ होता है?**
अ. 1 अप्रैल ब. 1 मई
स. 1 जून द. 1 जुलाई
- उत्तर- द.**
- 11. आर.जी. सरीया की अध्यक्षता में बैंकिंग आयोग की स्थापना कब की गई थी?**
अ. जनवरी, 1969
ब. जनवरी, 1970
स. जनवरी, 1992
द. जनवरी, 1991
- उत्तर- अ.**
- 12. स्वच्छ भारत मिशन शहरी किस मंत्रालय द्वारा प्रारंभ किया गया है?**
अ. जल शक्ति मंत्रालय
ब. आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय
स. उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय
द. शहरी विकास मंत्रालय
- उत्तर- ब.**
- 13. फिट इंडिया के बारे में सत्य कथन बताइये-**
अ. इसका उद्देश्य फिटनेस और शारीरिक गतिविधियों पर जागरूकता फैलाना है।
ब. यह स्वदेशी खेलों को प्रोत्साहित करता है।
स. इसमें समग्र शिक्षा नीति को भी जोड़ दिया गया है।
द. उपरोक्त सभी
- उत्तर- द.**
- व्याख्या-** फिट इंडिया मूवमेंट वर्ष 2019 में प्रारंभ किया गया था।
- 14. स्वयम् (SWAYAM) पोर्टल किससे संबंधित है?**
अ. महिला सशक्तिकरण
ब. ऑनलाइन पाठ्यक्रम का पोर्टल।
स. एमएसएमई के रजिस्ट्रेशन का पोर्टल।
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
- उत्तर- ब.**
- व्याख्या-** 2017 में SWAYAM (स्वदेशी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एम्प्लॉयिंग माइंड्स) की स्थापना की गई थी।
- 15. वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट 2023 किसने जारी की है?**
अ. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
ब. विश्व बैंक
स. एशियाई विकास बैंक
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
- उत्तर- ब.**
- 16. ओपन मार्केट सेल स्कीम के बारे में सत्य कथन/कथनों को बताइये?**
अ. इसके अंतर्गत समय-समय पर सरकारी एजेंसियों द्वारा पूर्व निर्धारित कीमतों पर खाद्यान्नों की बिक्री की जाती है।
ब. एफ.सी.आई. (भारतीय खाद्य निगम) संचालन में पारदर्शिता बरतने के लिये ओपन मार्केट स्कीम के तहत ई-नीलामी भी करता है।
स. उपरोक्त दोनों कथन सत्य हैं।
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
- उत्तर- स.**
- 17. भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई परियोजनाओं में से कौनसी परियोजनाओं को विश्व बैंक ने समर्थन दिया है?**
अ. भारत दक्षता स्केल अप कार्यक्रम
ब. ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर प्रोजेक्ट
स. उपरोक्त दोनों
द. इनमें से कोई नहीं
- उत्तर- स.**
- 18. प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन (NMNF) के तहत-**
अ. कृषकों को तीन वर्ष के लिये प्रतिवर्ष 15000 रुपये प्रति हेक्टेयर की वित्तीय सहायता प्राप्त होती है।
ब. कार्यान्वयन ढांचे की जानकारी के साथ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिये एक वेब पोर्टल बनाया गया है।
स. उपरोक्त दोनों कथन संबंधित हैं।
द. उपरोक्त दोनों कथन संबंधित नहीं हैं।
- उत्तर- स.**
- 19. क्रेडिट इन्फॉर्मेशन ब्यूरो ऑफ इंडिया (सिविल) की स्थापना कब की गई?**
अ. 2002 ब. 2003
स. 2000 द. 2006
- उत्तर- स.**
- व्याख्या-** कर्ज लेने वाले की कर्ज चुकाने की क्षमता का मूल्यांकन साख मूल्यांकन कहलाता है, जो कि सिविल स्कोर के नाम से जाना जाता है। भारत में साख मूल्यांकन की शुरुआत 1988 में आईसीआईसीआई और यूटीआई ने की थी।
- 20. लीड बैंक योजना किस समिति की सिफारिश पर प्रारंभ हुई थी?**
अ. धींगरा समिति
ब. नरीमन समिति
स. राजेन्द्र मेहता समिति
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
- उत्तर- ब.**
- 21. पूंजी निर्माण की प्रक्रिया में सम्मिलित है-**
अ. बचत सृजन
ब. बचत का निवेश
स. बचत संग्रहण
द. उपरोक्त सभी
- उत्तर- द.**
- 22. अन्तर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की स्थापना किस वर्ष हुई?**
अ. 1974
ब. 1976
स. 1980
द. 1984
- उत्तर- अ.**
- व्याख्या-** इसका मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में है।
- 23. राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है?**
अ. मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में।
ब. भारत के क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतने के उपलक्ष्य में।
स. उपरोक्त दोनों
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
- उत्तर- अ.**
- 24. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की स्थापना किस वर्ष हुई?**
अ. 1952 ब. 1958
स. 1962 द. 1968
- उत्तर- अ.**
- व्याख्या-** यह कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम 1952 को लागू करता है।
- 25. निम्न में से कौनसा मुद्रा स्फीति का प्रभाव नहीं है?**
अ. लेनदारों के लिये लाभ
ब. स्टॉक की कीमतों का कम मूल्यांकन
स. निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में कमी
द. पारिश्रमिक मूल्य चक्र
- उत्तर- स.**
- 26. निम्न में से क्या भारत के विदेशी मुद्रा भंडार का हिस्सा नहीं है?**
अ. विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति
ब. भारतीय व्यक्तियों द्वारा धारित विदेशी परिसंपत्ति
स. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित स्थिति
द. स्वर्ण भंडार
- उत्तर- द.**
- 27. आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन कब प्रारंभ किया गया है?**
अ. सितम्बर, 2021
ब. सितम्बर, 2022
स. सितम्बर, 2023
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
- उत्तर- अ.**
- 28. अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में सम्मिलित होने वाला नवीनतम देश कौनसा है?**
अ. भारत ब. फ्रांस
स. चिली द. नेपाल
- उत्तर- स.**
- 29. किस राज्य के मैटी केले को जीआई टैग प्रदान किया गया है?**
अ. केरल
ब. तमिलनाडु
स. कर्नाटक
द. आंध्रप्रदेश
- उत्तर- ब.**
- व्याख्या-** इसे आमतौर पर 'बेबी केला' के नाम से जाना जाता है।
- 30. प्राकृतिक के बदले ऋण स्वैप के संदर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है?**
अ. यह वे वित्तीय लेनदेन हैं, जो पर्यावरण संरक्षण के बदले में देश के ऋण को कम करते हैं।
ब. विश्व के पहले और सबसे बड़े ऋण स्वैप पर जापान ने हस्ताक्षर किये हैं।
स. महासागरों के संरक्षण के लिये दुनिया की पहली और सबसे बड़ी ऋण अदला-बदली पर इक्वाडोर द्वारा हस्ताक्षर किये गये हैं।
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
- उत्तर- ब.**
- 31. दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (अभियान) की स्थापना कब हुई?**
अ. 1967 ब. 1969
स. 1970 द. 1975
- उत्तर- अ.**
- व्याख्या-** बैंकाक में इसकी स्थापना हुई।
- 32. 'ग्लोबल फंड' का मुख्यालय कहाँ पर स्थित है?**
अ. जिनेवा
ब. न्यूयॉर्क
स. लंदन
द. हेग
- उत्तर- अ.**
- 33. पेमेंट बैंक के बारे में निम्न में से सही कथन बताइये?**
अ. नचिकेत मोर समिति ने निम्न आय वर्ग और छोटे व्यवसायों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये इनकी स्थापना की सिफारिश की थी।
ब. ये ग्राहकों से मांग जमा और सावधि जमा दोनों निकाल सकते हैं।
स. ये बैंक अनिवासी भारतीयों से जमा स्वीकार कर सकते हैं।
द. उपरोक्त सभी
- उत्तर- अ.**
- 34. भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में सही कथन बताइये?**
अ. अगर रुपये का तेजी से हास हो रहा है, तो रिज़र्व बैंक बाजार में डॉलर बेचेगा।
ब. अगर संयुक्त राज्य अमेरिका या यूरोपीय संघ में ब्याज दरें गिरवी हैं, तो रिज़र्व बैंक डॉलर खरीदेगा।
स. रिज़र्व बैंक द्वारा मुद्रा स्फीति को रोकने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि दरों की एक श्रृंखला का अनुपालन किया जाता है।
द. उपरोक्त सभी कथन सत्य हैं।
- उत्तर- द.**
- 35. लघु सिंचाई योजनाओं की छठी गणना किस मंत्रालय के द्वारा करवाई गई है?**
अ. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
ब. जल शक्ति मंत्रालय
स. उपरोक्त दोनों
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
- उत्तर- ब.**

अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस - 3 दिसंबर

दिव्यांगों को सहानुभूति, सराहना और समान अवसर

दिव्यांगता (विकलांगता) एक ऐसी स्थिति है, जिसमें कोई व्यक्ति सामान्य व्यक्तियों की तरह कार्य नहीं कर पाता, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि दिव्यांगता जीवन जीने में बाधा है। हालांकि दिव्यांग व्यक्तियों को अपने जीवन में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है, इसके बावजूद समाज द्वारा खड़ी की गई बाधाएं अक्सर दिव्यांगता की तुलना में अधिक चुनौतियाँ पैदा करती हैं। दिव्यांगता को समझना बहुत जरूरी है, क्योंकि समाज में व्याप्त पुरानी और काल्पनिक धारणाओं को तोड़ना, सामाजिक मानदंडों को चुनौती देना और एक समावेशी मानसिकता को बढ़ावा देना, अपने आप में किसी चुनौती से कम नहीं है। हालांकि अब दुनिया बदल रही है। अब विविधता को महत्व को तेजी से पहचाना जा रहा है। दिव्यांगों के प्रति सहानुभूति, उनकी समस्याओं को स्वीकारना और उनके अधिकारों की बात करना अब आम हो चला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपने संबोधन में 'विकलांग' शब्द के स्थान पर 'दिव्यांग' शब्द के प्रयोग का आग्रह करना भी इसी बात को दर्शाता है। अब विभिन्न शारीरिक, बौद्धिक या मानसिक अक्षमताओं के साथ पैदा होने वाले व्यक्तियों के अनेक अनुभवों को समझा भी जा रहा है और उनके हितों में नीतियाँ भी बनाई जा रही हैं। हालांकि इसके बाद भी समाज में कई बार दिव्यांगता और ऐसे व्यक्तियों के प्रति सहानुभूति और जागरूकता का अभाव देखा जाता है। इसलिए हर साल पूरी दुनिया में 3 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग (दिव्यांग) दिवस मनाया जाता है, ताकि रूढ़िवादित और गलत धारणाओं को चुनौती दी जा सके और अधिक समावेशी एवं समझदार वैश्विक समुदाय को बढ़ावा मिले। संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त इस दिन का उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों और सम्मान को बढ़ावा देना एवं समाज में उनके योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

दिव्यांगता क्या है?

दिव्यांगता एक ऐसी शारीरिक एवं मानसिक अक्षमता है, जिसके चलते कोई व्यक्ति सामान्य व्यक्तियों की तरह किसी कार्य को करने में अक्षम होता है या कहे कि सही तरह से नहीं कर पाता। तकनीकी दृष्टि से दिव्यांग एवं दिव्यांगता व्यापक संदर्भ वाले शब्द हैं, जिनकी एक से अधिक परिवर्तनशील परिभाषाएँ हैं।

इतिहास

1992 से प्रति वर्ष 3 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग (दिव्यांग) दिवस मनाया जा रहा है। इस दिन की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र महासभा में पारित प्रस्ताव 47/3 द्वारा की गई थी। दरअसल अक्टूबर 1992 में संयुक्त राष्ट्र विकलांगता (दिव्यांगता) दशक (1983-1992) समाप्त होने के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 3 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग (दिव्यांग) दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। पहला अंतर्राष्ट्रीय विकलांग (दिव्यांग) दिवस 3 दिसंबर 1992 में मनाया गया था। इसके बाद दिव्यांगता के क्षेत्र में कई दशकों के काम के आधार पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2006 में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर कन्वेंशन (सीआरपीडी) को अपनाया गया। इसका उद्देश्य समाज और विकास के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों और कल्याण को बढ़ावा देना है। साथ ही राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और

सांस्कृतिक जीवन के हर पहलू में दिव्यांग व्यक्तियों की स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

दिव्यांगता के प्रकार

दिव्यांगता को समझने के लिए उन स्थितियों और अनुभवों को पहचानना जरूरी है, जिनका ऐसे व्यक्तियों को सामना करना पड़ता है जैसे -

शारीरिक दिव्यांगता - जैसे पक्षाघात, किसी अंग का काम न करना या न होना, हड्डियों, जोड़ों, मांसपेशियों से संबंधित विकार आदि।

आंखों में समस्या - इस तरह की दिव्यांगता में अंधापन या बहुत कम दिखाई देता है।

सुनने में समस्या - इस तरह की दिव्यांगता में आंशिक से लेकर पूर्ण बहरापन तक हो सकता है।

बौद्धिक दिव्यांगता - इस प्रकार की दिव्यांगता में सीखने की अक्षमताओं को शामिल किया जाता है।

मानसिक दिव्यांगता - इसमें अवसाद, चिंता, पागलपन आदि को शामिल किया जाता है।

बोलने में परेशानी - ऐसी स्थितियाँ जो किसी व्यक्ति की प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता को प्रभावित करती हैं, जिसमें हकलाना या बोलने में असमर्थता आदि।

इस दिन का उद्देश्य

दिव्यांग व्यक्ति सामान्य लोगों से कई प्रकार से भिन्न होते हैं, ऐसे में इन्हें समाज में सम्मान और पहचान दिलाने के लिए इस दिवस का आयोजन किया जाता है। इसके अन्य उद्देश्य निम्न हैं -

जागरूकता बढ़ाना - इस दिन का उद्देश्य दिव्यांग लोगों के जीवन में आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और समाज में उन्हें उचित सम्मान दिलाना है।

समावेशन को बढ़ावा देना - यह दिन समुदायों, सरकारों और संगठनों को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

अधिकारों की वकालत - यह दिवस दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों की वकालत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जो समान अवसरों और भेदभाव रहित समाज पर जोर देता है।

उपलब्धियों का प्रचार - यह दिन विभिन्न क्षेत्रों में दिव्यांग लोगों की उपलब्धियों और उनके योगदान को याद करने, उनकी प्रतिभा एवं क्षमताओं को समाज के सामने रखने का भी दिन है।

2023 की थीम

प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय विकलांग (दिव्यांग) दिवस एक विशिष्ट विषय के साथ मनाया जाता है, जिसे उस वर्ष की थीम कहा जाता है। यह विषय दिव्यांग समुदाय की प्राथमिकताओं और चिंताओं को दर्शाता है। 2023 की थीम यूनाइटेड इन एक्शन टू रेस्क्यू एंड अचीव द एसडीजी फॉर, विथ एंड बाय पर्सन विथ डिसेबिलिटी है। यह थीम एकजुट होकर दिव्यांग व्यक्तियों के लिए, उनके साथ और उनके द्वारा सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आगे बढ़ने और उचित कार्रवाई करने पर जोर देती है।

इस दिन होने वाली गतिविधियाँ

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के दिन



विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जिनमें कुछ प्रमुख हैं -

जागरूकता अभियान - दिव्यांग लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में लोगों को समझाने के लिए विभिन्न स्तरों पर जागरूकता अभियान चलाया जाता है।

सामुदायिक कार्यक्रम - स्थानीय समुदाय अक्सर समझ और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाएँ, सेमिनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

नीतियों की वकालत - दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों और जरूरतों का समर्थन करने वाली नीतियों के विकास और कार्यान्वयन के प्रयास किए जाते हैं।

पेरशानियों की पहचान - विभिन्न संगठन दिव्यांग लोगों की भागीदारी में बाधा डालने वाली भौतिक और पर्यावरणीय समस्याओं की पहचान करने और उनका समाधान करने के बारे में कोई ठोस कार्रवाई करने की बात करते हैं।

क्षमताओं का प्रदर्शन - कार्यक्रमों में दिव्यांग व्यक्तियों की कलात्मक, एथलेटिक और उपलब्धियों का प्रदर्शन भी किया जाता है। ऐसे कार्यक्रमों में उनकी प्रतिभा और क्षमताओं पर प्रकाश डाला जाता है।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग

भारत के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन दिव्यांगजन



सशक्तिकरण विभाग की स्थापना मई 2012 में की गई थी। इसका उद्देश्य दिव्यांगजन का सशक्तिकरण और उनका समावेश करना तथा ऐसी नोडल एजेंसी के रूप में काम करना है, जो दिव्यांगजनों के विकास के कार्यों की देख-रेख करे। दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण अंतर-विषयक प्रक्रिया है, जिसमें विभिन्न पहलू जैसे दिव्यांगता की रोकथाम, उसकी जल्द पहचान करना, पहल करना, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारपरक प्रशिक्षण, पुनर्वास और सामाजिक एकीकरण शामिल हैं।

इस विभाग का लक्ष्य एक ऐसे समावेशी समाज का निर्माण करना है जहां दिव्यांगजनों को उन्नति और विकास के समान अवसर मिलें, ताकि वे रचनात्मक, सुरक्षित और सम्मान के साथ जीवन बिता सकें। इसके साथ ही विभिन्न अधिनियमों, संस्थानों, संगठनों और पुनर्वास योजनाओं के जरिये दिव्यांगजनों को समान अवसर प्रदान करके, उनके अधिकारों की रक्षा करके और समाज के स्वतंत्र व रचनात्मक सदस्य के रूप में हर स्तर पर भागीदारी करने में उन्हें सक्षम बनाकर उन्हें सशक्त करना है।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की परिकल्पना एक ऐसा समावेशी समाज बनाना है। इसका लक्ष्य है शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक विकास तथा जरूरत होने पर पुनर्वास कार्यक्रमों के जरिये दिव्यांगजनों को

समर्थ बनाना। दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के दायरे में सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक रूप से वंचित दिव्यांगजन आते हैं।

दिव्यांगता की विविध प्रकृति

दिव्यांगता सभी के लिए एक जैसी नहीं होती, बल्कि यह व्यापक, विस्तृत और सभी के लिए अलग-अलग हो सकती है। यह दिखने वाली शारीरिक अक्षमताओं से लेकर न दिखने वाली मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों तक विस्तारित होती है। ध्यान रखें कि दिव्यांगता एक परिभाषित विशेषता नहीं है, बल्कि किसी व्यक्ति की पहचान का एक पहलू है। दिव्यांग समुदाय के भीतर विविधता को समझना एक समावेशी समाज के निर्माण के लिए बहुत जरूरी है।

दृष्टिकोण में बदलाव लाना जरूरी

पहले दिव्यांगता को किसी व्यक्ति के भीतर की कमजोरियों और अक्षमताओं तक ही कैदित माना जाता था। हालांकि अब समाज में बदलाव आया है और नया दृष्टिकोण इस बात पर जोर देता है कि यह व्यक्ति की दुर्बलताएँ नहीं हैं, जो दिव्यांगता पैदा करती हैं, बल्कि शारीरिक और सामाजिक दोनों तरह की बाधाएँ हैं, जो जीवन के विभिन्न पहलुओं में उनकी पूर्ण भागीदारी को रोकती हैं। इस दृष्टिकोण को अपनाकर समाज इन बाधाओं को दूर करने और उनके विकास एवं सम्मान की दिशा में काम कर सकता है।

पुरानी मानसिकता बदलें

दिव्यांगता से जुड़ी रूढ़ियाँ आज भी कायम हैं, जो गलतफहमियों और भेदभाव को बढ़ावा दे रही हैं। इन रूढ़िबद्ध धारणाओं को चुनौती देना और दिव्यांगता की अधिक समझ को बढ़ावा देना जरूरी है। दिव्यांग लोग अपनी स्थितियों से असहाय या परिभाषित नहीं होते हैं, बल्कि वे क्षमताओं और प्रतिभाओं वाले व्यक्ति होते हैं। पूर्वाग्रह को खत्म करके, समाज एक ऐसा वातावरण बना सकता है, जो हर किसी के योगदान को महत्व देता है, चाहे उनकी क्षमता कुछ भी हो।

बढ़ावा देना जरूरी

शारीरिक और सामाजिक बाधाएँ अक्सर दिव्यांग व्यक्तियों को रोजमर्रा की जिंदगी में पूरी तरह से हिस्सा लेने से रोकती हैं। ऐसे में उनके अनुकूल और अधिक सुलभ सूचना, संचार, परिवहन और तकनीक का विकास करके दिव्यांग लोगों की जिंदगी को आसान बनाया जा सकता है। उन्हें प्राथमिकता देकर हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि सभी को शिक्षा, रोजगार और सामुदायिक गतिविधियों में शामिल होने का समान अवसर मिले।

सहानुभूति रखें, सुनें और समझें

दिव्यांगता और दिव्यांगों को समझने के लिए उन्हें सहानुभूति रखना, उन्हें सुनना और समझना बहुत जरूरी है। हमें अपनी बातें और धारणाएँ दिव्यांगों पर थोपे बिना उनके अनुभवों और दृष्टिकोणों को स्वीकार करना चाहिए। समाज दिव्यांग लोगों के जीवन के अनुभवों से सीख सकता है एवं उनसे सहानुभूति रखकर और अधिक दयालु बन सकता है।

शिक्षा के माध्यम से सशक्तिकरण

शिक्षा, बाधाओं को दूर करने और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अंतर्राष्ट्रीय विकलांग (दिव्यांग) दिवस पर समावेशी शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाना चाहिए। इस अवसर पर सुलभ शिक्षण सामग्री, प्रशिक्षित शिक्षकों और एक सहायक वातावरण की वकालत होनी चाहिए, जो दिव्यांग छात्रों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा कर सके।

रोज़गार के अवसर

दिव्यांग व्यक्तियों के सामने आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक समान रोजगार अवसरों की कमी है। इस दिन सरकारों, व्यवसायों और समुदायों से ऐसे कार्यस्थल बनाने का आह्वान किया जाए, जो विविधता को अपनते हुए ऐसे व्यक्तियों को समान अवसर उपलब्ध करा सकें। दिव्यांग व्यक्तियों के कौशल और क्षमता को पहचानना न केवल उनके आर्थिक सशक्तिकरण, बल्कि उनकी पूरी जिंदगी में बदलाव ला सकता है।

नजरिया बदलें

यह दिन सामाजिक दृष्टिकोण को चुनौती देने और बदलाव को बढ़ावा देने का एक मंच है। यह लोगों को दिव्यांग व्यक्तियों को अक्षमताओं के चरम से नहीं, बल्कि उनकी ताकत, प्रतिभा और संभावित योगदान के माध्यम से देखने के लिए प्रोत्साहित करता है। नजरिया बदलकर हम उन सामाजिक बाधाओं को तोड़ सकते हैं, जो जीवन के सभी पहलुओं में दिव्यांग लोगों के जीवन में बाधा बनती हैं।

दिव्यांगता को ताकत बनाएं

दिव्यांगता को ताकत में बदलने के लिए लोगों की मानसिकता में बदलाव लाना जरूरी है, ताकि वे दिव्यांग व्यक्तियों की क्षमताओं और कौशल का लाभ उठा सकें। निम्न तरीके से दिव्यांगता को ताकत बनाया जा सकता है -

दृढ़ संकल्प - दिव्यांग व्यक्ति बाधाओं पर काबू पाने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर प्रयास करें तो वे विभिन्न चुनौतियों का सामना आसानी से कर सकते हैं।

रचनात्मकता - दिव्यांगता के साथ जीने के लिए अक्सर रचनात्मकता की आवश्यकता होती है। लीक से हटकर सोचने और नए समाधान खोजने की यह क्षमता व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों जीवन के लिए जरूरी है।

सहानुभूति और करुणा - चुनौतियों का प्रत्यक्ष अनुभव गहरी सहानुभूति और करुणा को जन्म दे सकता है। दिव्यांग लोगों में अक्सर दूसरों के संघर्षों के बारे में जागरूकता विकसित होती है, जो उन्हें उत्कृष्ट वकील और सहयोगी बनाती है।

दूसरों के लिए प्रेरणा - चुनौतियों पर काबू पाकर और व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक सफलता प्राप्त करके, दिव्यांग व्यक्ति दूसरों को प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने तथा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

इन बातों को ध्यान में रखकर हम बाधाओं को तोड़कर और अधिक समावेशी समाज का निर्माण करके, एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं, जहां क्षमता की परवाह किए बिना हर कोई एक साथ रह सकता है, काम कर सकता है और आगे बढ़ सकता है।

- निशा त्यागी

(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं और समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं)

वोट प्रतिशत बढ़ा, युवाओं की भागीदारी ने पेश किया उदाहरण

चुनाव, एक पारदर्शी माध्यम से पांच वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के बाद नवीन सरकार के चयन की प्रक्रिया है। इस चुनावी प्रक्रिया में सम्पूर्ण समाज की भागीदारी होती है। सब मिलकर चुनाव की इस प्रक्रिया को सरल और सहज रूप से पूर्ण करने में अपनी भागीदारी निभाते हैं। केन्द्रीय एवं राज्य चुनाव आयोग निरंतर इस कार्य में जुटे रहते हैं और उनका भगीरथ प्रयास होता है कि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रणाली के साथ एक भी मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करने से छूट ना जाए। बदलते समय में विभिन्न माध्यमों के जरिए मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाता है। मतदाताओं को शिक्षित करने का प्रयास भी होता है कि उनका एक मत मूल्यवान है और वे इसका उपयोग नहीं करते हैं तो एक सक्षम और जिम्मेदार सरकार के चयन की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो सकती है। हम सबने देखा भी है कि मात्र एक वोट से परिणाम बदल जाते हैं। 2023 में मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में जो आंकड़े प्राप्त हुए हैं, वे इस बात की आश्चर्य दिलाते हैं कि हमारा समाज जागरूक हो रहा है। इस जागरूकता में सभी का कहीं ना कहीं योगदान है तो रिकॉर्ड वोटिंग कराने में चुनाव आयोग की भूमिका उल्लेखनीय रही है।

आंकड़ों को देखें तो मध्यप्रदेश में इस बार करीब 17 लाख मतदाता बढ़े हैं। जिसके बाद प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या बढ़कर 5 करोड़ 60 लाख 60 हजार 925 हो गई है। इसमें पुरुष मतदाता 2 करोड़ 88 लाख 25 हजार 607 हैं, और महिला मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 72 लाख 33 हजार 945 हैं। वहीं थर्ड जेंडर मतदाताओं की कुल संख्या 1373 है।

जैसा कि हम जानते हैं कि वर्तमान समय युवाओं का है और भारत एक युवा देश है अर्थात् युवाओं की भूमिका अहम है। ऐसे में चुनावों में युवा मतदाताओं की भूमिका निर्णायक मानी जाती है। मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि दो महीने तक किए गए पुनरीक्षण में 24 लाख 33 हजार 965 नए मतदाता जोड़े गए हैं। वहीं 7 लाख 50 हजार 175 नाम हटाए गए हैं। इस हिसाब से देखा जाए तो 16 लाख 83 हजार 790 मतदाता बढ़े हैं। 18-19 साल की उम्र के 22 लाख 36 हजार 564 वोटर पहली बार विधानसभा चुनाव में वोट डालेंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 100 की उम्र पार करने वाले मतदाता की संख्या 5124 है। वहीं 80 की उम्र पार करने वाले वोटर्स की संख्या करीब 6 लाख 53 हजार 640 है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मध्यप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव 2023 के लिए जारी मतदाता सूची में 7 जिले ऐसे थे, जहां महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं के मुकाबले ज्यादा थी। दिलचस्प बात यह है कि इनमें से 6 जिले आदिवासी बहुल जिले हैं। मध्यप्रदेश में युवा मतदाता निर्णायक साबित होंगे। प्रदेश में 18 से 29 साल की संख्या करीब 1.63 करोड़ है। इस बार तकरीबन 22 लाख से ज्यादा युवा मतदाता हैं, जिन्होंने पहली बार अपने मताधिकार का उपयोग किया है।

युवा मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए भी अधिक उत्सुक दिखे। इनमें भी खासतौर पर वे जो पहली बार

वोट करने जा रहे थे। श्री राजन के अनुसार 2018 के चुनाव में मतदान का प्रतिशत 75.5 प्रतिशत था। प्रदेश में पिछले निर्वाचन की तुलना में इस बार 2.10 प्रतिशत अधिक हुआ मतदान हुआ।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार-रतलाम जिले के सैलाना निर्वाचन क्षेत्र में 2018 में 88.35 प्रतिशत हुआ था जो 2023 में बढ़कर मतदान 90.10 प्रतिशत जा पहुंचा।

पिछले विधानसभा चुनावों के एक दिलचस्प आंकड़ों के अनुसार, टॉप 10 विधानसभा क्षेत्रों में, जहां युवा मतदाताओं की संख्या सबसे ज्यादा है, उनमें शमशाबाद (5.06 प्रतिशत), कसरवाद (4.91 प्रतिशत), बांधवगढ़ (4.55 प्रतिशत), बासोदा (4.45 प्रतिशत) और कुरवाई (4.42 प्रतिशत) शामिल हैं। इसके अलावा अलीराजपुर (4.33 प्रतिशत), मानपुर (4.25 प्रतिशत), इझार (4.15 प्रतिशत), नरसिंहगढ़ (4.11 प्रतिशत), पांडुरा (4.08 प्रतिशत), आष्टा (4.06 प्रतिशत) और सोसर (4.01 प्रतिशत) भी शामिल हैं।

इन 10 निर्वाचन क्षेत्रों में से चार में जीत का अंतर पहली बार मतदान करने वालों की संख्या से बहुत कम था। अगर 2018 के विधानसभा चुनावों में जीत के अंतर को ध्यान में रखा जाए, तो कम से कम 19 निर्वाचन क्षेत्र ऐसे थे, जहां अंतर 2,000 वोटों से कम था, लेकिन ऐसा कोई निर्वाचन क्षेत्र नहीं है जहां पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं की संख्या 2000 से कम हो।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश द्वारा प्रदेश के मतदाताओं की सुविधा के लिए सीईओ एम.पी. के नाम से व्हाट्सएप चैटबॉट लॉन्च किया गया था। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश के मतदाताओं को निर्वाचन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारीयां आसानी से मिल सकें, इसके लिए मतदाताओं को व्हाट्सएप चैटबॉट की सुविधा प्रदान की गई थी। इस नवाचार के तहत चैटबॉट के माध्यम से बातचीत कर मतदाता निर्वाचन से संबंधित विभिन्न जानकारीयां जैसे मतदाता सूची में नाम दर्ज है या नहीं, मतदाता सूची में

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की जानकारी देते हुए बताया था कि मतदाता सूची में 2 करोड़ 88 लाख 25,607 पुरुष, 2 करोड़ 72 लाख 33, 945 महिला और थर्ड जेंडर 1373 हो गए हैं। आंकड़ों में इसे इस प्रकार देख सकते हैं-

- 18 से 19 साल के मतदाताओं की संख्या 2236564
- 20- 29 साल के मतदाताओं की संख्या 14176780
- 30 से 39 उम्र के मतदाताओं की संख्या 14503 508
- 40 से 49 साल के मतदाताओं की संख्या 1068767
- 50 से 59 साल के मतदाताओं की संख्या 7485436
- 60 से 69 साल के मतदाताओं की संख्या 4345064
- 70 से 79 साल के मतदाताओं की संख्या 1972260
- 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 653640

नाम जुड़वाने के तरीके, उसमें लगने वाले दस्तावेज आदि निर्वाचन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयां प्राप्त करने की सुविधा प्रदान की गई थी। यह हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में 24 घंटे उपलब्ध था।

मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए प्रदेश में 17 नवंबर को शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गई है। मतदान के दिन लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता निभाई और बढ़-चढ़कर मतदान किया। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

2.10 प्रतिशत बढ़ा मतदान

प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2018 की तुलना में इस वर्ष 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज हुई। पोस्टल बिलेट के मतदान प्रतिशत को छोड़ दिया जाए, तो इस वर्ष प्रदेश में 77.15 फीसदी मतदान हुआ, जबकि विधानसभा निर्वाचन 2018 में प्रदेश में 75.05 प्रतिशत मतदान हुआ था। यानी वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में 2.10 प्रतिशत मतदान की बढ़ोत्तरी हुई। सिवनी जिले में सबसे अधिक 86.29 प्रतिशत मतदान हुआ तो अलीराजपुर जिले में सबसे कम 61.81 प्रतिशत मतदान हुआ। रतलाम जिले की सैलाना विधानसभा में हुआ सबसे अधिक मतदान।

वृद्ध एवं दिव्यांग मतदाताओं को सुविधा

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को घर से मतदान करने की वैकल्पिक सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने कहा है कि सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया को सहज, सुगम और समावेशी बनाने के लिये प्रदेश में पहली बार मतदान में मुख्य रूप से दिव्यांग एवं 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं के लिये विशेष सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इन मतदाताओं को घर से मतदान करने की सुविधा उपलब्ध कराई गयी थी। सक्षम ऐप के माध्यम से कोई भी दिव्यांग मतदाता अपने लिये व्हीलचैयर या अन्य सहायक उपकरण के लिये अनुरोध कर सकते हैं। बुजुर्गों को कतार में न लगना पड़े, इसके लिए उन्हें पहले मतदान करने की सुविधा दी जा रही है। सभी मतदान केंद्रों पर छाया, पीने के पानी एवं शौचालय की समुचित व्यवस्थाओं की गई थी।

निर्वाचन ड्यूटी में लगे 2 लाख 25 हजार 616 अधिकारियों-कर्मचारियों, अत्यावश्यक सेवाओं में शामिल 882 अधिकारियों-कर्मचारियों और 67 सेवा निर्वाचक मतदाताओं ने डाक मतपत्र से मतदान किया है।

उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अत्यावश्यक सेवाओं के रूप में कार्यरत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, गृह विभाग (अग्निशमन सेवाएं) और ऊर्जा विभाग में सेवारत शासकीय सेवकों को मतदान के दिन ऑन ड्यूटी होने के कारण अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर उपस्थित होने में सक्षम नहीं होने के कारण डाक मतपत्र से मतदान करने की सुविधा दी गई है।

अलीराजपुर जिले की जोबट विधानसभा में सबसे कम 54 फीसदी मतदान हुआ। हालांकि पिछले विधानसभा निर्वाचन 2018 की अपेक्षा वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत में 2.06 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2018 के विधानसभा निर्वाचन में जोबट विधानसभा का मतदान प्रतिशत 52.31 प्रतिशत था, जबकि वर्ष 2023 में यह 54.37 प्रतिशत हो गया है। विधानसभा निर्वाचन-2023 में प्रदेश के सिवनी जिले की लखनादीन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान प्रतिशत में सबसे अधिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2018 में यहां मतदान प्रतिशत 77.98 था, जबकि वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में यह बढ़कर 84.71 हो गया है। यहां मतदान प्रतिशत में 6.73 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

प्रदेश के 230 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से 34 क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक

वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में प्रदेश की 230 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 34 ऐसे निर्वाचन क्षेत्र हैं, जिसमें पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं के मतदान का प्रतिशत अधिक रहा है। सीधी जिले की सिंहावल विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-78 में पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मत प्रतिशत 11.91 प्रतिशत अधिक है।

विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए 17 नवंबर को मतदान में बुजुर्गों में भी मतदान के प्रति भारी उत्साह देखने को मिला। देवास जिले की नगर परिषद खातेगांव के पोलिंग बूथ 176 मंडी प्रांगण में जाकर 103 वर्षीय श्री मांगीलाल बेनीवाल और सोनकच्छ विधानसभा के भीरासा की 96 वर्ष की श्रीमती सजनबाई ने मतदान केंद्र में जाकर मतदान किया। उन्होंने मतदान केंद्र पर बनाये गये सेल्फी पाईट पर उत्साह से फोटो भी खिंचवाई।

मंडला विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत खड़देवर निवासी 30 इंच लम्बाई के 18 वर्षीय श्री कैलाश ठाकुर ने मतदान केंद्र पहुंचकर पहली बार उत्साहपूर्वक मतदान किया। पहली बार वोट देने की उमंग उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी। कैलाश ने कहा कि मैंने अपने जीवन का आज पहला वोट दिया है और बता नहीं सकता कि मुझे कितनी खुशी हो रही। देश के विकास में योगदान देना अपने आप में गौरव की बात है। देश के विकास से ही मेरा और सबका भविष्य जुड़ा है। हम सभी को राष्ट्र के लिए वोट करना चाहिए।

सागर की सबसे वरिष्ठ बुजुर्ग मतदाता गुरु गोविन्द सिंह वार्ड निवासी श्रीमती चंद्रादेवी बुधवानी ने 103 वर्ष की आयु में मतदान केंद्र क्रमांक 35 विट्ठल नगर मिडिल स्कूल जाकर मतदान किया। वे देश के आजाद होने के बाद प्रथम लोकसभा चुनाव से अब तक लोकसभा, विधानसभा और नगरीय निकाय के निर्वाचन में सजग मतदाता की भूमिका का निर्वहन करती रही हैं। कोई भी चुनाव हो वे मतदान करने से नहीं चूकती हैं।

शहडोल में लोकतंत्र के महापर्व पर मतदान के प्रति युवा मतदाताओं में काफी उत्साह दिखा। शहडोल निवासी प्रियंका ने दुबई से आकर अपने मताधिकार का उपयोग किया। उन्होंने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के लिए मतदान अवश्य करना चाहिए।

सतना में विधानसभा निर्वाचन-2023 में 80 प्लस वोटर और दिव्यांग मतदाताओं में भरपूर उत्साह देखा गया। सभी मतदान केंद्रों पर वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं के लिये व्हीलचैयर की व्यवस्था की गई। मतदाता सूची के अनुसार सतना और मेहर जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों में 80 प्लस मतदाताओं की संख्या 22 हजार 927 है।

विधानसभा चुनाव में दिव्यांग और 80 प्लस मतदाताओं ने अपने संबंधियों एवं दिव्यांग मित्रों के साथ मतदान केंद्रों पर पहुंचकर उत्साहपूर्वक मतदान किया। दिव्यांग और वरिष्ठ मतदाताओं ने अपनी शारीरिक असमर्थता को बाधा नहीं मानते हुए विधानसभा निर्वाचन के लिये मतदान किया। साथ ही अन्य मतदाताओं को भी मतदान करने के लिये प्रेरित किया।

विभिन्न मतदान केंद्रों में दिव्यांगजनों और वरिष्ठ मतदाताओं के पहुंचने पर मतदान दल के कर्मचारियों ने उनका फूलमाला और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया।

मतदान के बाद सेल्फी पाईट पर ली सेल्फी

मतदान केंद्रों पर बनाये गये सेल्फी पाईट पर मतदाता मतदान के बाद सेल्फी ले रहे थे। मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। मतदान केंद्रों पर रैम्प, पीने के पानी, लाइट, शौचालय, दिव्यांगजन सुगमतापूर्वक मतदान कर सकें, इसके लिए व्हीलचैयर की व्यवस्था की गई। आदर्श और पिक मतदान केंद्रों में निर्वाचन आयोग द्वारा दिये निर्देशानुसार व्यवस्थाएं की गईं। आदर्श मतदान केंद्रों पर स्वागत द्वार बनाए गए। मतदाताओं का स्वागत रेड कारपेट से किया।

मध्यप्रदेश में सम्पन्न हुआ 2023 का विधानसभा चुनाव अन्य राज्यों में होने वाले चुनाव के लिए उदाहरण बन गया है। मामूली शिकायतों को छोड़ दें तो सम्पूर्ण चुनावी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से पूर्ण हो गई है। एकमत अंतर विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान हुआ है। पारदर्शी एवं सहज रूप से चुनाव पूर्ण कराने में निर्वाचन आयोग की महती भूमिका रही है। मंडला से झानुआ तक जिला प्रशासन एवं आम आदमी के सहयोग से नवीन सरकार के चयन का रास्ता प्रशस्त हुआ है।

- मनोज कुमार
(लेखक- सामसायिक विषय पर लेखन कार्य करते हैं)

जॉब अलर्ट



संघ लोक सेवा आयोग

पद का नाम - सहायक निदेशक (कृषि),
उप केंद्रीय आसुचना अधिकारी (साइफर),
सहायक जल भूविज्ञानी
पदों की संख्या - 03
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 नवम्बर, 2023
वेबसाइट - www.upsc.gov.in

सीएसआईआर - कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र, हैदराबाद

पद का नाम - वैज्ञानिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक,
प्रधान वैज्ञानिक
पदों की संख्या - 15
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 05 दिसम्बर, 2023
वेबसाइट - www.cmb.res.in

होटल प्रबंधन खान-पान प्रौद्योगिकी और अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, कोलकाता

पद का नाम - प्रशासनिक सह लेखा
अधिकारी, अवर श्रेणी लिपिक
पदों की संख्या - 05
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 11 दिसम्बर, 2023
वेबसाइट - www.ihmkol.org

राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड

पद का नाम - महाप्रबंधक (प्रत्यायन)
पदों की संख्या - 01
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 15 दिसम्बर, 2023
वेबसाइट - www.nbaind.org

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

पद का नाम - पुस्तकालय अध्यक्ष,
अधीक्षक अभियंता, उप पुस्तकालय
अध्यक्ष, सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष,
चिकित्सा अधिकारी, सहायक अभियंता
(सिविल/इलेक्ट्रिकल), कनिष्ठ तकनीकी
अधीक्षक, वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना
सहायक, सहायक स्टाफ नर्स, कनिष्ठ
प्रयोगशाला सहायक
पदों की संख्या - 17
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 नवम्बर, 2023
वेबसाइट - www.iitgn.ac.in

भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल

पद का नाम - सहायक कमांडेंट
(इंजीनियर)
पदों की संख्या - 06
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 15 दिसम्बर, 2023
वेबसाइट - www.recruitment.itbp-
lice.nic.in

चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड

पद का नाम - निदेशक (वित्त)
पदों की संख्या - 01
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 01 दिसम्बर, 2023

वेबसाइट - www.chennaiemrail.
org

इस्कॉन इंटरनेशनल लिमिटेड

पद का नाम - सहायक प्रबंधक/
पुस्तकालय (ई-1)
पदों की संख्या - 01
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 01 दिसम्बर, 2023
वेबसाइट - www.ircon.org

बीमा लोकपाल परिषद

पद का नाम - बीमा लोकपाल
पदों की संख्या - 03
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 02 दिसम्बर, 2023
वेबसाइट - www.cioins.co.in

कॉलेज ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज इन एग्रीकल्चरल साइंसेज, उमियाय

पद का नाम - लाइब्रेरी सहायक, फील्ड
सह प्रयोगशाला सहायक, अवर श्रेणी
लिपिक, सुखा गाई, मल्टी टास्किंग स्टाफ
पदों की संख्या - 23
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 नवम्बर, 2023
वेबसाइट - www.cpgs.ac.in

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (AIIMS), दिल्ली

पद का नाम - सहायक प्रशासनिक
अधिकारी, सहायक आहार विशेषज्ञ,
सहायक अभियंता (ए/सी एवं आर),
सहायक अभियंता (सिविल) एवं अन्य गैर
टीनिंग ग्रुप B और C पदों पर भर्ती
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 01 दिसम्बर, 2023
वेबसाइट - www.aiimsexams.ac.in

एडमिशन अलर्ट

सैनिक स्कूल में प्रवेश

योग्यता - कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिये 10
से 12 वर्ष और कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिये
23 से 15 वर्ष के छात्र शामिल हो सकते हैं।
अंतिम तारीख - 16 दिसंबर, 2023
वेबसाइट - https://exams.nta.ac.in/
AISSEE/

जेईई मेन्स 2024

किसके लिये - देश के टॉप इंजीनियरिंग
संस्थानों में एडमिशन के लिए
योग्यता - कक्षा 12वीं 75 प्रतिशत अंकों
के साथ उत्तीर्ण हो
अंतिम तारीख - 30 नवम्बर
वेबसाइट - jeemain.nta.nic.in

स्कॉलरशिप अलर्ट

एसबीआईएफ आशा स्कॉलरशिप 2023

संस्था का नाम - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
किसके लिए - ए स्कोलरशिप क्लास 6 से
12 के स्टूडेंट्स के लिए है
क्या मिलेगा - इसके तहत दस हजार रुपये
की राशि एक साल के लिए मिलेगी
योग्यता - कक्षा 6 से 12 तक के बच्चे
आवेदन कर सकते हैं। पिछली क्लास में
कम से कम 75 प्रतिशत मार्क्स होने चाहिए।
परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रुपए से
अधिक नहीं होनी चाहिए।
वेबसाइट - https://www.sbfoun-
dation.in/focus-area-detail/SBIF-
Asha-Scholarship

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

विश्व एड्स दिवस - 1 दिसम्बर

चिकित्सा अनुसंधान में प्रगति और उपचार से रोकथाम में वृद्धि

एक दिसम्बर को दुनिया भर में विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1988 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा आरंभ किये गये इस दिवस पर लोगों को एड्स के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ जिन्होंने इस बीमारी के कारण जान गंवाई है उन्हें याद किया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशियेंसी सिंड्रोम (एड्स) के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। विश्व एड्स दिवस का यह कार्यक्रम एचआईवी की समाप्ति को लेकर प्रतिबद्धता के लिए है। इस दिन एड्स के लिए किये जाने वाले वैश्विक संघर्ष को स्मरण किया जाता है और समाज को यह बताने का प्रयास किया जाता है कि एचआईवी अब सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा नहीं है।

विश्व एड्स दिवस का महत्व

इस दिवस का महत्व इस दृष्टि से और बढ़ जाता है कि इसके आयोजन से दुनिया भर में एचआईवी ग्रस्त लोगों को एक मंच प्राप्त हुआ है। विश्व एड्स दिवस इस बात पर सभी का ध्यान आकर्षित करता है कि एचआईवी से अभी भी समाज ग्रस्त है, इसका पूरी तरह उन्मूलन किया जाना बाकी है। इस दिशा में आर्थिक दृष्टि से संबल देने के साथ और पूर्वाग्रह को समाप्त कर लोगों को शिक्षित किये जाने का प्रयास महत्वपूर्ण है।

एड्स के बारे में

एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशियेंसी सिंड्रोम) एक गंभीर बीमारी है, जो ह्यूमन इम्यूनो डेफिशियेंसी (एचआईवी) के कारण होती है। इसमें शरीर की प्रतिरोधी क्षमता नष्ट हो जाती है। इस कारण व्यक्ति में किसी भी संक्रमण से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। एचआईवी का वायरस शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली में सीडी 4 (CD4) नामक श्वेत रक्त कोशिका (टी-सेल्स) पर हमला करता है। टी कोशिकाएं वे कोशिकाएं होती हैं जो शरीर की अन्य कोशिकाओं में विसंगतियों और संक्रमण का पता लगाती हैं। शरीर में प्रवेश के बाद एचआईवी की संख्या बढ़ती जाती है और कुछ ही समय में वह CD4 कोशिकाओं को नष्ट कर देता है। इससे मनुष्य की प्रतिरक्षा प्रणाली को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचता है। एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में CD4 कोशिकाओं की संख्या 500 से 1600 के बीच होती है। यदि व्यक्ति एचआईवी संक्रमित है तो CD4 कोशिकाओं की संख्या 200 से भी नीचे जा सकती है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि एक बार एचआईवी वायरस शरीर में प्रवेश कर जाये तो इसे पूर्णतः समाप्त करना मुश्किल है।

एड्स संक्रमण कैसे होता है

इसकी मुख्य 4 वजह हो सकती हैं -

1. पीड़ित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध बनाने से।
2. दूषित रक्त से।
3. संक्रमित सुई के उपयोग से।
4. एड्स संक्रमित माँ के स्तनपान से बच्चों में।

एड्स के लक्षण

एचआईवी से संक्रमित व्यक्ति में शुरुआत में कोई लक्षण दिखाई नहीं देता

यहीं नहीं कुछ समय तक परीक्षण में भी इसका पता नहीं लग पाता है। एड्स के लक्षण दिखने में 8 से 10 वर्ष तक का समय लग सकता है। इतने लम्बे समय में इससे अन्य कई लोगों के संक्रमित होने की संभावना रहती है।

एड्स के प्रारंभिक लक्षण

- वजन कम हो जाना।
- लगातार सूखी खांसी आना।
- बार-बार सर्दी-जुकाम होना।
- गले में खराशा।
- बुखार, ठंड लगना।
- सिर दर्द।
- थकान।
- निमोनिया।
- मांसपेशियों में खिंचाव।
- शरीर पर लाल चकते के निशान।
- जोड़ों में दर्द और सूजन होना।
- हेजा।
- भोजन न करना।
- सोते समय पसीना आना।
- कमजोरी।

यह सभी लक्षण सामान्य बीमारियों के भी हो सकते हैं। इसीलिए एड्स की पहचान औषधीय परीक्षण से ही संभव है। इसके लिए चिकित्सकों द्वारा एलिसा टेस्ट किया जाता है।

रोकथाम

- सुरक्षात्मक तकनीकों का उपयोग करना।
- दूषित सुईयों के उपयोग से बचना।
- माँ से बच्चे में संचरण को रोकना।
- संक्रमण के बारे में पता चलते ही सही उपचार सुनिश्चित करना।

विश्व एड्स दिवस 2023 की थीम

विश्व एड्स दिवस 2023 की थीम है 'समुदायों को नेतृत्व करने दें' 'लेट कम्युनिटी लीड है'। इस थीम का मुख्य उद्देश्य है कि एड्स को समाप्त करने के लिए सामुदायिक नेतृत्व की पूरी क्षमता का उपयोग किया जाए, क्योंकि समुदाय के संगठन ही जोखिम में रहने वाले या प्रभावितों से एचआईवी की प्रतिक्रिया जान सकते हैं। लोगों को स्वास्थ्य केन्द्र से जोड़ सकते हैं यदि समुदाय की एड्स को दूर करने की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका हो तो दुनिया से एड्स को समाप्त किया जा सकता है। यून एड्स की कार्यकारी निदेशक विनी बयानीमा कहती हैं- 'एड्स का अंत संभव है, यह हमारी समझ में है। एड्स को खत्म करने वाले रास्ते पर चलने के लिए समुदायों को नेतृत्व करने की जरूरत है।'

भारत में एड्स की रोकथाम के लिए किये गए चरणबद्ध प्रयास

प्रथम चरण

भारत सरकार ने 1992 में एड्स विरोधी अभियान के रूप में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (प्रथम चरण) की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य देश में एचआईवी संक्रमण के प्रसार एवं एड्स के प्रभाव को कम करना था ताकि एड्स के प्रभाव से मरने वालों की संख्या में कमी लाई जा सके और इसे फैलने से रोका जा सके। इस कार्यक्रम को 1992 से 1999 के बीच लागू किया गया। इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन और उद्देश्य पूर्ति के लिए

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण बोर्ड का गठन किया गया तथा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की स्थापना की गई।

दूसरा चरण

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की शुरुआत 1999 में हुई। इसे एड्स नियंत्रण संस्था के माध्यम से लगभग देश भर में लागू किया गया।

तीसरा चरण

वर्ष 2007 से 2012 के बीच लागू किया गया। इसका उद्देश्य भारत में इस महामारी को और अधिक फैलने से रोकना था। इन सारे प्रयासों से ही भारत लगभग दस वर्षों में एचआईवी संक्रमण के प्रसार को घटाने में सफल रहा।

चौथा चरण एवं एड्स मुक्त भारत
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के चौथे चरण (2012 से 2017) में संबंधित योजना एवं नीतियों का निर्धारण कई हितधारकों से परामर्श और विस्तृत नियोजन प्रक्रिया के बाद किया गया। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम चतुर्थ चरण का उद्देश्य सतर्क एवं निर्धारित समेकित प्रक्रिया के द्वारा एचआईवी संक्रमण के मामलों को तेजी से घटाना तथा इस महामारी से निपटने की प्रक्रिया को बल प्रदान करना है।

जनसंपर्क अभियान

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा टेलीविजन एवं रेडियो पर नियमित रूप से इस विषय से संबंधित प्रसारण आयोजित किये जाते हैं जिसमें सुरक्षित उपाय, एड्स प्रभावित लोगों के साथ भेद-भावपूर्ण व्यवहार, समेकित परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र, एचआईवी एड्स के प्रति भावितियाँ, यौन संक्रमित रोगों के उपचार, युवाओं के एचआईवी संक्रमित होने की आशंका, एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी एवं रक्त आदान-प्रदान संबंधी सुरक्षा इत्यादि पर विस्तार से चर्चा की जाती है।

समझौता ज्ञापन

एचआईवी एड्स संबंधी जागरूकता में सुधार लाने और मादक द्रव्यों के दुरुपयोग के पीड़ितों, बच्चों और एचआईवी एड्स संक्रमण वालों के साथ रहने वाले लोगों के प्रति सामाजिक दुर्यवहार तथा भेदभाव को कम करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण एवं सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने वर्ष 2019 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। एचआईवी पीड़ित के साथ भेदभाव करना अपराध की श्रेणी में आएगा। ऐसा करने पर तीन महीने से दो साल तक की जेल और एक लाख रुपया जुर्माना हो सकता है।

वर्तमान में एड्स को लेकर चिकित्सा अनुसंधान में प्रगति से उपचार और रोकथाम तक पहुंच बढ़ी है। एचआईवी का पता लगने पर अन्य बीमारियों की तरह नियमित दिनचर्या और दवाइयों के सेवन से व्यक्ति जीवन जी सकता है। एड्स से संक्रमित लोगों को भी जीने का और समाज में मिलने-जुलने, साथ रहने का अधिकार है। इस बीमारी से मुक्ति के लिए आवश्यक है सावधानी, जागरूकता और सद्भाव।

- देवेन्द्र गोरे

(लेखक - समसामयिक विषयों पर लेखन करते हैं।)



तरुण गुलाटी

लंदन में मेयर का चुनाव लड़ेंगे

ब्रिटेन की राजधानी लंदन को भारतीय मूल का मेयर मिल सकता है। लंदन के बिजनेसमैन 63 वर्षीय तरुण गुलाटी ने मई 2024 के मेयर चुनाव के लिए दावेदारी पेश कर दी है। उम्मीद है कि वे लंदन के भारतीय मूल के पहले मेयर बन सकते हैं। उनका मुकाबला मौजूदा मेयर सादिक खान से है। चुनाव 2 मई 2024 को होगा। अपने चुनाव अभियान के तहत तरुण गुलाटी फिलहाल वर्ल्ड टूर पर हैं।

अनुषा शाह

ब्रिटेन में आईसीई की अध्यक्ष बनीं

ब्रिटेन के इंस्टीट्यूट ऑफ सिविल इंजीनियर्स (आईसीई) के अध्यक्ष पद के लिए करमिरी की 23 वर्षीय प्रोफेसर अनुषा शाह को चुना गया है। 205 साल के इतिहास में संस्थान की अध्यक्ष निर्वाचित होने वाली वे पहली भारतवंशी हैं। आईसीई सिविल इंजीनियर के पेशेवरों का स्वतंत्र संघ है, जिसके 95 हजार सदस्य हैं।

जर्मनी में

पुराना शाही कब्रिस्तान मिला

जर्मनी के सेडिन में गोडिन विश्वविद्यालय के पुरातत्वविदों ने शाही कब्रिस्तान खोज निकाला है। इस कब्रिस्तान में सोने के ताबूत में राजा को दफनाया गया था। यह 2200 से 800 ईस्वी पूर्व तक का है। यह इलाका सत्ता का केंद्र माना जाता था।

‘एक्रो’ एयरक्रॉफ्ट

वर्टिकल टेक ऑफ और लैंडिंग करने में सक्षम

सुपररिच के लिए खास वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग करने वाला अल्ट्रा लाइट एयरक्रॉफ्ट बनाया गया है। इस ई-प्लेन का को-पायलट एआई है और कीमत 1.33 करोड़ रुपये (1,60,000 डॉलर) है। एक्रो नामक प्लेन को खास तौर पर यात्रा के लिए डिजाइन किया गया है। यह 60 मील प्रति घंटे की तेजी से उड़ने में सक्षम है।

एंटोनियो कोस्टा

पुर्तगाल के प्रधानमंत्री ने दिया इस्तीफा

पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन पर भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग के आरोप लगे हैं। इन आरोपों की जांच के सिलसिले में पुर्तगाल की पुलिस ने उनके आवास पर छापा मारा था, जिसके बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया। बता दें, पुलिस ने अपनी कार्रवाई के दौरान कोस्टा के एक सहयोगी को भी गिरफ्तार किया है।

आईआईटी बॉम्बे ने

एशिया में 40वां स्थान प्राप्त किया

क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 की घोषणा कर दी गई है। देश ने सबसे ज्यादा विश्वविद्यालयों की संख्या के साथ चीन को पीछे कर दिया है। इस रैंकिंग में 148 भारतीय विश्वविद्यालयों को शामिल किया गया था। टॉप 100 एशियाई विश्वविद्यालयों में 07 भारतीय विश्वविद्यालय शामिल हैं। सबसे अधिक 37 नई एंटी भारत से शामिल हुई। आईआईटी बॉम्बे 40वें स्थान के साथ सर्वोच्च रैंक वाला भारतीय संस्थान है, जबकि आईआईटी दिल्ली 46वें स्थान पर है।

नीले हीरे की अंगूठी

करीब 365 करोड़ रुपये में बिकी

हाल ही में नीले रंग के दुर्लभ हीरे की अंगूठी की नीलामी 365 करोड़ रुपये में हुई। स्विट्जरलैंड के जिनेवा शहर में स्थित क्रिस्टी नीलामी घर द्वारा इसे 4.38 करोड़ डॉलर की रिकॉर्ड कीमत पर नीलाम किया गया। यह बेशकीमती हीरा एक अंगूठी में जड़ा था। यह पांच सबसे महंगे फैंसी नीले हीरों में शामिल हो गया है। आयोजकों का अनुमान था कि 17.60 करोड़ वजनी यह हीरा नीलामी में 416 करोड़ रुपये तक का बिक सकता है।

आरोन बाथॉलमे

सबसे ज्यादा पेंसिल रखने का वर्ल्ड रिकॉर्ड

अमेरिका के आरोन बाथॉलमे के नाम दुनिया में सबसे ज्यादा पेंसिल रखने का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। उनके पास 69,255 पेंसिलों का भंडार है। इनमें से कई पेंसिलें 100 साल से भी ज्यादा पुरानी हैं। वे कहते हैं कि उन्हें हमेशा पेंसिलों में दिलचस्पी रही है। हाल ही में इनकी पेंसिलों को गिन्ने के लिए पब्लिक काउंटिंग इवेंट आयोजित किया गया था।

महमूद अब्बास

फिलिस्तीन के राष्ट्रपति पर हमला

इजरायल-हमास के बीच चल रहे युद्ध के बीच फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास पर जानलेवा हमला किया गया। उनकी कार पर फायरिंग कर उनकी हत्या का प्रयास किया गया। जानकारी के अनुसार संस ऑफ जंदाल अबु द्वारा उन्हें अल्टीमेटम देकर कहा गया था कि महमूद इजरायल के खिलाफ जंग का ऐलान कर दें। जब उन्होंने ऐसा नहीं किया तब उनके कारफिले पर हमला कर दिया गया। जिसमें फिलिस्तीन के राष्ट्रपति बाल-बाल बच गए।

उत्तर कोरिया ने

नेपाल में अपना दूतावास बंद करने का फैसला किया

उत्तर कोरिया की सरकार ने नेपाल के काठमांडू स्थित अपने दूतावास को बंद करने का फैसला किया है। इस फैसले की जानकारी नेपाल सरकार को दे दी गई है। बताया जा रहा है कि आर्थिक मंदी के कारण उत्तर कोरिया ने यह फैसला लिया है। नेपाल में उत्तर कोरिया के राजदूत जो योंग मेन ने प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल प्रचंड से मुलाकात कर अपनी सरकार के फैसले से अवगत कराया।

पी. बालासुब्रमण्यम मेनन ने

वकालत करने का रिकॉर्ड बनाया

केरल के उत्तर पलक्कड़ जिले के जाने-माने एडवोकेट पी. बालासुब्रमण्यम मेनन ने सबसे लम्बे समय तक वकालत करने का रिकॉर्ड बनाया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक 97 साल के मेनन 73 साल 60 दिन से वकालत में एक्टिव हैं। रिकॉर्ड बुक में इसे 11 सितंबर 2023 को दर्ज किया गया था। मेनन के पहले सबसे ज्यादा लंबे समय तक वकालत करने का रिकॉर्ड जिब्राल्टर के सरकारी वकील लुईस ट्रॉय के नाम था।

रूस

शीत युद्ध की सुरक्षा संधि से हुआ बाहर

रूस शीत युद्ध के दौर के एक अहम सुरक्षा समझौते से खुद के बाहर होने का इरादा जाहिर करने के आठ साल बाद इससे बाहर हो गया है। यूरोप में पारंपरिक सशस्त्र बल संधि की राष्ट्रपति पुतिन की ओर से निंदा की गई और प्रस्तावित विधेयक को रूसी संसद ड्यूमा के दोनों सदनों की ओर से मंजूरी दिए जाने के बाद रूस इससे बाहर हो गया।

विन गोपाल

लगातार तीसरी बार सीनेटर चुने गए

भारतीय मूल के अमेरिकी नेता विन गोपाल लगातार तीसरी बार अमेरिका के न्यू जर्सी राज्य में सीनेटर चुने गए। जो बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता गोपाल ने 60 प्रतिशत वोट हासिल कर अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी स्टीव डिनिसिट्रियो को हरा दिया है। उन्होंने न्यूजर्सी के 11वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से चुनाव लड़ा था और जिले की दोनों विधानसभा सीटों पर डेमोक्रेट्स का कब्जा जमाने में कामयाब रहे। यह सबसे महंगा चुनाव घोषित हुआ है। इसके लिए डेमोक्रेट्स ने 3.4 मिलियन डॉलर जुटाए थे।

माइक्रो आर्टिस्ट डेविड ए लंडन

सुई में बनाया द्वितीय विश्वयुद्ध का स्मारक

इंग्लैंड के जाने-माने माइक्रो आर्टिस्ट डेविड ए लंडन ने सुई के छेद में सबसे छोटा द्वितीय विश्व युद्ध का स्मारक पेंट किया है। महज 0.5 बाई 0.7 मिलीमीटर की इस पेंटिंग में उन्होंने एक अकेले सैनिक तथा सिंगल रेड पांपी की तस्वीर को उकेरा है। तस्वीर के पीछे टॉवर ऑफ लंदन भी नजर आ रहा है। डेविड ने यह तस्वीर अपने अंकल विलियम को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाई है, जो 21 वर्ष की उम्र में द्वितीय विश्वयुद्ध में शहीद हो गए थे।

चिली

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल

भारत के अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में अब चिली भी शामिल हो गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार चिली के राजदूत जुआन अंगुलो और विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव अभिषेक सिंह ने इस मसौदे पर अपनी मुहर लगा दी है। इसमें चिली को आईएसए उपकरण और दस्तावेज सौंपे गए। चिली इस गठबंधन का 95वां सदस्य है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन है। यह सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बदलाव के लिए काम करता है।

ऑस्ट्रेलिया में

कुछ समय के लिए एक करोड़ लोग इंटरनेट से हुए वंचित

ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी संचार कंपनियों में से एक ऑप्टस में आधी अज्ञात स्कावट के बाद एक करोड़ से अधिक देशवासी (ऑस्ट्रेलिया के) इंटरनेट और फोन सेवाओं से वंचित रहे। इसके चलते इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियां भी उप पड़ गयीं। यह एक रिकॉर्ड है कि किसी भी देश के इतने नागरिक एक साथ इंटरनेट और फोन सेवाओं से दूर रहे।

सीईओ चेन शाओजी

बिजनेसमैन अचानक हुए लापता

चीन के प्रमुख गेमिंग लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म डाउयू के संस्थापक और सीईओ चेन शाओजी अचानक गायब हो गए हैं। 39 वर्षीय सीईओ को अक्टूबर के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शाओजी को हर संभव जगह तलाशा जा रहा है। कहा जा रहा है कि चीन के अधिकारियों ने उन्हें 'इनकम्युनिकेशन' में रखा है। डाउयू पर कथित अश्लील कंटेंट मिलने के बाद ही यह घटना हुई है।

पिकासो की पेंटिंग

करीब 1166 करोड़ रुपये में बिकी

पिकासो चित्रकारी जगत के इतिहास में सबसे महान चित्रकार हुए हैं। स्पेन के इस महान चित्रकार पाब्लो पिकासो की सबसे बेहतरीन कृतियों में से एक पेंटिंग करीब 14 करोड़ डॉलर (1166 करोड़ रुपये) में बिकी है। अमेरिकी ऑक्शन कंपनी सोथबी के मुताबिक पेंटिंग के लिए चुकाई गई यह दूसरी सबसे ऊंची कीमत है। इस पेंटिंग में पिकासो की प्रेमिका को दिखाया गया है। वह फ्रांस की मॉडल थी, जिसका नाम 'मरी तेरेस वेल्डर' था।

डायना प्यूकटापू

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की पहली महिला अध्यक्ष बनीं

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के अध्यक्ष मार्टिन स्नेडेन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह डायना प्यूकटापू लंडन बोर्ड की नई अध्यक्ष होंगी। डायना न्यूजीलैंड क्रिकेट की पहली महिला अध्यक्ष होंगी। डायना न्यूजीलैंड ओलिंपिक कमेटी की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। वे अमेरिका कप सेलिंग कैप्टन में चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर थीं। वे एक बार वर्ल्ड मास्टर्स गेम्स डायरेक्टर भी बनाई गई थीं।

स्मृति शेष

शंकर नेत्रालय के संस्थापक डॉ. एसएस बद्रिनाथ का निधन

शंकर नेत्रालय के संस्थापक डॉ. एस.एस. बद्रिनाथ का 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। डॉ. बद्रिनाथ का जन्म 24 फरवरी 1940 को चेन्नई में हुआ था। उन्होंने मद्रास मेडिकल कॉलेज से मेडिसिन की पढ़ाई की थी। 1978 में डॉ. बद्रिनाथ ने मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की, जिसमें शंकर नेत्रालय अस्पताल इकाई, एक पंजीकृत सोसायटी और एक धर्मार्थ गैर-लाभकारी नेत्र रोग संगठन है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)



कृषि प्रधान मध्यप्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर की संभावनाएं

चूंकि मध्यप्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है, अतएव मध्यप्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के और तेजी से बढ़ने के साथ इस सेक्टर में करियर के अधिक मौकों की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। चूंकि वर्तमान में भोजन की समग्र अवधारणा ही पूर्णतः बदल गई है। अतएव कृषि पर आधारित खाद्य प्रौद्योगिकी ने रोजगार एवं करियर के काफी अच्छे एवं बेहतर अवसर खोल दिए हैं। दिन-प्रतिदिन आबादी तेज गति से बढ़ती जा रही है और इस समय करीब 142 करोड़ जनसंख्या के साथ भारत दुनिया में पहले क्रम पर है तथा खेती की भूमि निरंतर कम होती जा रही है। इससे उत्पादन एवं उपभोग के बीच अंतर बढ़ता ही जा रहा है। इस अंतर को खाद्य प्रौद्योगिकी एवं प्रसंस्करण के इस्तेमाल द्वारा कम किया जा सकता है।

खाद्य प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर बहुत बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री का प्रसंस्करण कर उन्हें खराब होने से बचाया जा सकता है तथा बेहतर गुणवत्ता और पोषक तत्वों से युक्त भोज्य सामग्री बाजार में उपभोग हेतु उपलब्ध कराई जा सकती है। ऐसे में इस क्षेत्र को रोजगार के अवसरों में भी भारी वृद्धि करने वाले क्षेत्र के रूप में रेखांकित किया जाता है।

भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 12 लाख टन से बढ़कर हुई 200 लाख टन

गौरतलब है कि 3 नवम्बर को दिल्ली में भारत को 'दुनिया की खाद्य टोकरी' के रूप में प्रदर्शित करने के उद्देश्य से आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया के तहत यह बात उभरकर सामने आई कि भारत का खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) सेक्टर एक ऐसा उभरता उद्योग है, जिसमें पिछले कुछ वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हुआ है और भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 15 गुना से अधिक बढ़कर 12 लाख टन से दो सौ लाख टन हो गई है। इस अवधि में देश के कुल कृषि निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 13 से बढ़कर 23 प्रतिशत हो गई है। प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में 150 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

खाद्य प्रसंस्करण के पांच क्षेत्रों में बहुआयामी रोजगार

भारत में खाद्य प्रसंस्करण के तहत पांच क्षेत्र हैं। एक, डेयरी क्षेत्र, दो, फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, तीन, अनाज का प्रसंस्करण, चार, मांस, मछली एवं पोल्ट्री प्रसंस्करण तथा पांच, उपभोक्ता वस्तुएं पैकेट बंद खाद्य और पेय पदार्थ। दुनिया में भारत सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बना हुआ है। गेहूं तथा फलों के उत्पादन के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर तथा सब्जियों के उत्पादन में भी शीर्ष तीन में शामिल है। विश्व स्तर पर, भारत केला, आम, अमरूद, पपीता,

खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में लगातार बढ़ रहे हैं करियर के अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'करियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे करियर के लिये जरूरी है कि युवा करियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त करियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये करियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतिलाल भंडारी युवाओं को करियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।



निःसंदेह इस समय किसानों और ग्रामीण भारत की आमदनी में वृद्धि करने और रोजगार के नए अवसरों के सृजन के मद्देनजर मध्यप्रदेश सहित पूरे देश में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर की अहमियत बढ़ गई है। डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों की बढ़ती लोकप्रियता के कारण खाद्य प्रसंस्करण उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे इस क्षेत्र में कुशल युवाओं के लिए बड़े अवसर सामने आ रहे हैं।



अदरक, भिंडी, चावल, चाय, गन्ना, काजू, नारियल, इलायची और काली मिर्च आदि के प्रमुख उत्पादक के रूप में जाना जाता है। लेकिन फिर भी खाद्य प्रसंस्करण के मामले में भारत बहुत पीछे है। भारत में खाद्य उत्पादन के प्रसंस्करण का स्तर विश्व के अन्य देशों की तुलना में बहुत कम है।

भारतीय उद्योग परिषद (सीआईआई) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कुल खाद्य उत्पादन का 10 फीसदी से भी कम हिस्सा प्रसंस्कृत होता है। जबकि फिलिपींस, अमेरिका, चीन सहित दुनिया के कई देशों में खाद्य प्रसंस्करण भारत की तुलना में कई गुना अधिक है। खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में पीछे रहने का एक बड़ा कारण खाद्यान्न भंडारण में बहुत पीछे होना भी है। अनाज के अन्य बड़े उत्पादक देशों चीन, अमेरिका, ब्राजील, यूक्रेन, रूस और अर्जेंटीना के पास खाद्यान्न भंडारण क्षमता वार्षिक उत्पादन की मात्रा से कहीं अधिक है।

बढ़ते प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात से बढ़े रोजगार

यह भी उल्लेखनीय है कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के अंतर्गत विभिन्न फलों, खाद्यान्नों और फूलों की खेती के लिये ईपीएफ का गठन किया गया है। मौजूदा 'कृषि-क्लस्टरों' को मजबूत करने और अधिक उत्पाद-विशेष वाले क्लस्टर बनाने पर भी जोर दिया गया है। एपीडा को श्रीअन्न के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी है और उसके संसाधन बढ़ाए हैं। एपीडा ने एक कदम और बढ़ाते हुए श्रीअन्न की खपत और कारोबार को प्रोत्साहित करने के लिए श्रीअन्न ब्रांड का निर्माण किया है। रेडी टू ईट और रेडी टू सर्व के अनुकूल श्रीअन्न पर आधारित सैपल और स्टार्टअप

जुटाए जा रहे हैं, जो ज्वार-बाजरा, रागी एवं अन्य मोटे अनाजों से नूडल्स, बिस्कुट, ब्रेकफास्ट, पास्ता, कुकीज, स्नेक्स एवं मिठाइयां आदि बना सके, ताकि विश्व बाजार में निर्यात को बढ़ावा देने में सहाय्य हो सके। इन सब निर्यात से जुड़े अभियान से खाद्य प्रसंस्कृत निर्यात के विभिन्न चरणों में रोजगार बढ़े हैं।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए 10,900 करोड़ रुपये की योजना से बढ़ रहे हैं रोजगार

यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए 10,900 करोड़ रुपये आवंटित



किये हैं उससे मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है। इसके तहत रेडी टू ईट और रेडी टू कुक, डेयरी क्षेत्र, फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, अनाज का प्रसंस्करण, मांस, मछली, पोल्ट्री प्रसंस्करण, उपभोक्ता वस्तुएं, पैकेट बंद खाद्य और पेय पदार्थ के विनिर्माताओं को उनकी निवेश और संबंधित बिजली की प्रतिबद्धता के आधार पर प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर की नई

पीएलआई योजना से फसलों की कटाई के बाद फसल की बरबादी रोकने, बेहतर खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता प्रमाणन व्यवस्था, तकनीकी उन्नयन और लॉजिस्टिक सुधार के कारण देश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगा। साथ ही इस योजना से वैश्विक बाजार में भारतीय खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों के ब्रांड विकसित करने में मदद मिलेगी।

खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में करियर संबंधी रीकल्स

यह महत्वपूर्ण है कि फूड प्रोसेसिंग और फूड टेक्नोलॉजी सेक्टर में करियर बनाने के लिए नवाचार और अनुसंधान की विशेषगणालमक प्रवृत्ति, खाद्य पदार्थों का संरक्षण, प्रौद्योगिकी विकास, स्वास्थ्य व पोषण में रुचि, जिम्मेदारी और टीम के साथ काम करने की प्रवृत्ति, अच्छी कम्युनिकेशन और आत्मविश्वास जैसे स्किल्स लाभप्रद हैं।

खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में करियर के कोर्स तथा शैक्षणिक जरूरतें

देश के प्रमुख कृषि विश्वविद्यालयों एवं सामान्य विश्वविद्यालयों द्वारा भी खाद्य उद्योग की जरूरतें पूरी करने के लिए बी.टेक./बी.एससी./एम. टेक./एम.एससी. और पीएच.डी. जैसे पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा खाद्य प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश, प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रदान किया

साईस में बी.एससी./कृषि/खाद्य प्रौद्योगिकी में बी.एससी. परीक्षा उत्तीर्ण की हो। बी.टेक. चार वर्ष की अवधि का पाठ्यक्रम है तथा बी.एससी. खाद्य प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष निर्धारित है। एम.टेक. तथा एम.एससी. खाद्य प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष निर्धारित है।

खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में करियर के विकल्प

निःसंदेह खाद्य प्रसंस्करण एवं खाद्य टेक्नोलॉजी सेक्टर में अच्छी नौकरियों और स्वरोजगार के भरपूर अवसर मौजूद हैं। सरकारी सहकारी तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों में खाद्य सुरक्षा, पोषण सुरक्षा और अनुसंधान में अच्छे मौके हैं। एफसीआई मैनेजर्स, बीआईएस, एमार्क इंस्पेक्टर, खाद्य इंस्पेक्टर, आदि के रूप में भी मौके हैं। प्राइवेट और बहुराष्ट्रीय कंपनियों जैसे कोका कोला, पेप्सी, कैडबरी, क्वालिटी वाल्व, मैकडोनाल्ड, पारले, ब्रिटानिया आदि में भी रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। कृषि मंत्रालय, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान, टेक्नोलॉजी तथा कृषि से संबंधित संगठनों और विश्वविद्यालयों में भी अच्छे मौके हैं। कृषि एवं फूड प्रोसेसिंग से संबंधित वैश्विक संगठनों में भी करियर के मौके हैं।

ऐसे में इन दिनों खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी तमाम कंपनियों में फूड साइंटिस्ट, फूड, टेक्नोलॉजिस्ट, फूड केमिस्ट, फूड इंजीनियर या फूड माइक्रोबायोलॉजिस्ट जैसे पेशेवरों की काफी मांग देखी जा रही है। सरकार भी पिछले कुछ वर्षों से देश में जगह-जगह मेगा फूड पार्क और इसके लिए एफडीआई की सीमा में ढील देकर इस सेक्टर को आगे बढ़ाने पर काफी बल दे रही है।

खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में करियर के लिए आगे बढ़िए

यदि आप खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में रुचि, योग्यताएं और क्षमताएं रखते हैं, तो आग मध्यप्रदेश या देश के किसी गुणवत्तापूर्ण खाद्य प्रसंस्करण एवं खाद्य टेक्नोलॉजी से संबंधित शैक्षणिक संस्थान से डिप्लोमा, डिग्री तथा पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रम उपयुक्त कॉलेज/संस्थान और उपयुक्त कोर्स का चयन करके चमकीली संभावनाओं वाले फूड प्रोसेसिंग एवं फूड टेक्नोलॉजी सेक्टर में करियर के लिए कदम अवश्य आगे बढ़ाइए।

- डॉ. जयंतिलाल भंडारी

(लेखक, करियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं)

सीमा सुरक्षा बल - 1 दिसंबर

बीएसएफ भारत की आंतरिक और बाह्य सीमाओं का संरक्षक

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) दुनिया का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल है। बीएसएफ कैडेट्स का प्राथमिक कर्तव्य देश की सीमाओं की रक्षा करना है। बीएसएफ का आदर्श वाक्य: 'जीवन पर्यन्त कर्तव्य', इस बल का हिस्सा बनने के लिए समर्पण आवश्यक है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) भारत का सीमा सुरक्षा संगठन है। बीएसएफ जैसा कि इसके नाम से पता चलता है, भारत के चार सीमा गश्ती बलों में से एक है और गृह मंत्रालय के नियंत्रण में सात केंद्रीय पुलिस बलों (सीपीएफ) में से एक है। दुनिया की सबसे बड़ी सीमा सुरक्षा बल, बीएसएफ भारत-पाकिस्तान और भारत-बांग्लादेश सीमाओं की सुरक्षा करती है। यही नहीं बीएसएफ के सैनिक भारत की बढ़ती आंतरिक सुरक्षा खतरों, आतंकवाद विरोधी, आपदा प्रबंधन और घरेलू शांति स्थापना के लिए भी कार्य करते हैं। बीएसएफ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के शांति मिशनों में भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में भी कार्य करता है। बीएसएफ ने भारत की सीमाओं को सुरक्षित रखने और आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया है।

बीएसएफ का इतिहास

1 दिसंबर, 1965 को बीएसएफ को भारत की सीमाओं की रक्षा के लिए विशेष बल के रूप में बनाया गया था। भारतीय सीमा चौकियों पर पाकिस्तानी हमलों से शुरू हुए 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध ने भारत की सीमा सुरक्षा रणनीति के साथ

महत्वपूर्ण संरचनात्मक समस्याओं को स्पष्ट किया। बीएसएफ के गठन से पहले, 1947 से 1965 तक भारत-पाक सीमा की सुरक्षा राज्य पुलिस बलों द्वारा की जाती थी। 9 अप्रैल 1965 को पाकिस्तानी सेना की 51वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड गुजरात के राज्य रिजर्व पुलिस बल द्वारा संरक्षित कच्छ के रण में घुस गई और गुजरात के कच्छ में सरदार पोस्ट, छार बेट और बेरिया बेट सीमा चौकियों पर हमला किया और कब्जा कर लिया। गुजरात पुलिस की सहायता के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और भारतीय सेना की टुकड़ियों को क्षेत्र में ले जाना पड़ा। अप्रैल से पहले पाकिस्तानी सेना द्वारा बार-बार घुसपैठ और जून तक ऐसे हमलों के जारी रहने के कारण सीमा सुरक्षा पर पुनर्विचार करना आवश्यक हो गया।

बीएसएफ के गठन की योजना

तत्कालीन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कैबिनेट की आपातकालीन समिति ने सीमा सुरक्षा भूमिका में पुलिस पर चर्चा करने के लिए 20 अप्रैल, 1965 को बैठक की। 17 मई को केंद्रीय गृह मंत्री, केंद्रीय रक्षा सचिव और सेना प्रमुख के बीच एक बैठक में बीएसएफ बनाने को लेकर योजना बनाई गई। संघीय सरकार के नियंत्रण के तहत सभी सीमा गश्ती पुलिस इकाइयों को एक साथ संयोजित करने की आवश्यकता थी। उपयुक्त प्रशिक्षण, उपयुक्त उपकरण, कमांड संरचना और भूमिकाओं पर भी चर्चा की



गई। 6-7 जून को राज्य के गृह मंत्रियों की एक बैठक में सीमा सुरक्षा कर्तव्यों को केंद्र सरकार को स्थानांतरित करने पर सहमति हुई। केंद्र सरकार ने गठित होने वाले अर्धसैनिक बल का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी के.एफ. रुस्तमजी को नियुक्त किया। सरकार ने प्रभावी सीमा सुरक्षा का पता लगाने के लिए एक विशेष अध्ययन समूह की भी स्थापना की। समूह ने नए बल के लिए विशिष्ट उपायों की सिफारिश करने के लिए सीमाओं की पुलिस सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं की पहचान की। समूह की सिफारिशों ने बीएसएफ की संगठनात्मक संरचना का गठन किया।

25 बटालियन मिलाकर किया निर्माण

बीएसएफ का निर्माण राज्यों के पुलिस बलों की 25 सीमा बटालियनों को मिलाकर किया गया था। 12 इंडिया रिजर्व बटालियनों में से पांच को इस नए बल में जोड़ा गया। बीएसएफ का गठन शुरूआत में सीआरपीएफ अधिनियम के तहत किया गया था। संसद ने सीमा सुरक्षा बल

अधिनियम, 1968 पारित किया, जिसमें बीएसएफ नियम शामिल थे। विशिष्ट कार्य भारत-पाकिस्तान सीमा की सुरक्षा करना था। बल की पहली वास्तविक परीक्षा 1971 में हुई जब बीएसएफ के इन जवानों ने पाकिस्तान के खिलाफ हुए युद्ध में पहली पंक्ति के रूप में कार्य किया। बीएसएफ में 2 लाख 20 हजार कर्मियों वाली 159 बटालियन हैं। बीएसएफ भी समुद्री और विमानन क्षमताओं वाले भारत के कुछ बलों में से एक है। बीएसएफ को एक सीमा सुरक्षा एजेंसी माना जाता है, लेकिन इसके वर्तमान कर्तव्य इस भूमिका से कहीं आगे हैं।

1965 में हुआ सीमा सुरक्षा बल का गठन

भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद 1965 में बीएसएफ का गठन किया गया था। यह गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत भारत के सात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में से एक है। अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में असम राइफल्स (एआर), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) शामिल हैं। 2.65 लाख सैनिक भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा, भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा, नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर और नक्सल विरोधी अभियानों को रोकने के लिये तैनात किये गये हैं। इसमें एक एयर विंग, मरीन विंग, एक आर्टिलरी रेजिमेंट और कमांडो यूनिट भी शामिल हैं।

महिलाओं की सहभागिता

सीमा सुरक्षा बल को पहले पुरुषों का गढ़ माना जाता था। वर्ष 2013 में बल ने महिलाओं की नियमित जांच और तलाशी लेने तथा सीमा की रक्षा करने सहित अपने पुरुष समकक्षों द्वारा निभाए जाने वाले अन्य कर्तव्यों में बराबर होने के लिए सीमाओं पर ऑपरेशन ड्यूटी की अनुमति दी।

राज्य का आत्मनिर्भर बनना

प्रत्येक राज्य सरकार अपनी सशस्त्र पुलिस को मजबूत करने के लिये केंद्र सरकार के परामर्श से समुचित व्यवस्था कर सकती है। इसका उद्देश्य सशस्त्र पुलिस को काफी हद तक आत्मनिर्भर बनाना है ताकि गंभीर गड़बड़ी की स्थिति में ही केंद्रीय सशस्त्र बलों की सहायता ली जाए।

बीएसएफ में कैरियर

शारीरिक योग्यता

उम्मीदवार की शारीरिक क्षमताओं पर स्पष्ट जोर दिया जाता है। राष्ट्रीय कैडेट कोर का बी या सी प्रमाणन या खेल, एथलेटिक्स में असाधारण उपलब्धियों का लाभ मिलता है। उम्मीदवार की लंबाई 165 सेमी और वजन कम से कम 50 किलोग्राम होना चाहिए।

शैक्षणिक पात्रता

- 10वीं कक्षा
- 12वीं कक्षा
- प्रेजुएशन
- पोस्ट प्रेजुएशन

- हितेश शर्मा

(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान - खेल

- विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी कौन हैं?
(अ) साइना नेहवाल
(ब) पी.वी. सिंधु
(स) अपर्णा पोंपट
(द) ज्वाला गुट्टा
- इनमें से किस बल्लेबाज ने अपने डेब्यू टेस्ट मैच में शतक बनाया है?
(अ) पृथ्वी शां
(ब) शुभमन गिल
(स) ऋषभ पंत
(द) मयंक अग्रवाल
- क्लब फुटबॉल प्रतियोगिता ला लीगा किस देश में खेली जाती है?
(अ) फ्रांस
(ब) जर्मनी
(स) इंग्लैंड
(द) स्पेन
- पेरिस ओलंपिक-2024 में शामिल इनमें से कौन-सा खेल पहली बार ओलंपिक खेलों का हिस्सा होगा?
(अ) स्केट बोर्डिंग
(ब) ईसपोर्ट्स
(स) ब्रेक डांसिंग
(द) इनमें से कोई नहीं
- विश्व चैम्पियन मेनस कार्लसन किस खेल के खिलाड़ी हैं?
(अ) निशानेबाजी
(ब) स्नूकर
(स) शतरंज
(द) मार्शल आर्ट्स
- इनमें से कौन-सा खेल चीन का राष्ट्रीय खेल है?
(अ) बैडमिंटन
(ब) बेसबॉल
(स) तीरंदाजी
(द) टेबल टेनिस
- इनमें से कौन-सा खिलाड़ी भारतीय हॉकी टीम का सदस्य नहीं है?
(अ) नीरज चोपड़ा
(ब) हरमनप्रीत सिंह
(स) विवेक सागर प्रसाद
(द) पी.आर. श्रीजेश
- राष्ट्रमंडल खेल-2022 में भारतीय पहलवानों ने कुश्ती में कितने स्वर्ण पदक जीते हैं?
(अ) 4
(ब) 6
(स) 7
(द) 8
- वर्ष 2026 में एशियन गेम्स कहाँ आयोजित होंगे?
(अ) जापान
(ब) कतर
(स) थाईलैंड
(द) उज्बेकिस्तान
- डायमंड लीग किस खेल से संबंधित एक वैश्विक टूर्नामेंट है?
(अ) क्रिकेट
(ब) फुटबॉल
(स) बैडमिंटन
(द) एथलेटिक्स
- टोक्यो ओलंपिक में किस खिलाड़ी ने पुरुष मैराथन वर्ग का स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) इलियुड किपचोगे
(ब) बशीर अब्दी
- मेसिमो स्टानो
(द) इनमें से कोई नहीं
- इनमें से कौन-सा टूर्नामेंट भारत में सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट है?
(अ) संतोष ट्रॉफी
(ब) इंड कप
(स) इंडियन सुपर लीग
(द) सुब्रतो कप
- फ्रांसीसी फुटबॉलर एंटोनिंग ग्रिजमैन किस क्लब के लिए फुटबॉल खेलते हैं?
(अ) लिवरपूल
(ब) बायर्न म्युनिख
(स) एटलेटिको मैड्रिड
(द) मैन्चेस्टर सिटी
- इस वर्ष यूएस ओपन में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन कौन बने हैं?
(अ) डेनिल मेदवेदेव
(ब) कार्लोस अलकाराज
(स) एलेक्जेंडर ज्वेरेव
(द) नोवाक जोकोविच
- भारत ने वर्ष 2021 में टोक्यो पैरालिंपिक खेलों में कितने पदक जीते हैं?
(अ) 14
(ब) 17
(स) 19
(द) 20
- मेहुली घोष किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) एथलेटिक्स
(ब) निशानेबाजी
(स) तीरंदाजी
(द) टेनिस
- फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप-2022 में किस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा गोल किए हैं?
(अ) किलियन एम्बापे
(ब) क्रिस्टियानो रोनाल्डो
(स) लियोनल मेसी
(द) ओलिवियर गिरोड
- इनमें से किस खिलाड़ी ने एशियन गेम्स-2023 में स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) अविनाश साबले
(ब) नीरज चोपड़ा
(स) ओजस देवताले
(द) उपरोक्त सभी
- टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए 600 विकेट लेने वाले गेंदबाज कौन हैं?
(अ) अनिल कुंबले
(ब) हरभजन सिंह
(स) जहीर खान
(द) जवागल श्रीनाथ
- वर्ष 2021 में किस देश ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप जीती थी?
(अ) भारत
(ब) न्यूजीलैंड
(स) पाकिस्तान
(द) इंग्लैंड
- इनमें से किस खिलाड़ी ने ओलंपिक खेलों में भारत के लिए कुश्ती में कांस्य पदक नहीं जीता है?
(अ) सुशील कुमार
(ब) योगेश्वर दत्त
(स) बजरंग पुनिया
(द) दीपक पुनिया
- इनमें से किस देश ने अब तक फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप नहीं जीता है?
(अ) स्पेन
(ब) इंग्लैंड
(स) बेल्जियम
(द) फ्रांस
- बेलोन डि ओर पुरस्कार किस खेल से संबंधित खिलाड़ी को दिया जाता है?
(अ) मुक्केबाजी
(ब) फुटबॉल
(स) तैराकी
(द) बास्केटबॉल
- यूकी भाबरी किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) कबड्डी
(ब) शतरंज
(स) टेनिस
(द) क्रिकेट
- इनमें से किस भारतीय बल्लेबाज ने एशियन गेम्स में शतक बनाया है?
(अ) अतुलगायकवाड़
(ब) लिलक वर्मा
(स) रिकु सिंह
(द) यशस्वी जायसवाल

उत्तर

- (ब), 2. (अ), 3. (द), 4. (स), 5. (स), 6. (द), 7. (अ), 8. (ब), 9. (अ), 10. (द), 11. (अ), 12. (ब), 13. (अ), 14. (द), 15. (स), 16. (ब), 17. (अ), 18. (द), 19. (अ), 20. (ब), 21. (द), 22. (स), 23. (ब), 24. (स), 25. (द)
- पुण्येंद्र कुमार सखिता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

सामान्य ज्ञान

1. 'डोलु कुनिथा' नृत्य किस राज्य से संबंधित है?
अ. असम ब. तेलंगाना
स. कर्नाटक द. केरल
उत्तर- स. कर्नाटक
2. किस शहर को मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में जाना जाता है?
अ. जबलपुर ब. ग्वालियर
स. भोपाल द. इंदौर
उत्तर- अ. जबलपुर
3. भगवान बुद्ध के निम्नलिखित प्रमुख शिष्यों में से किसके अवशेष सांची के स्तूप में पाये गये हैं?
अ. आनंद ब. मोगल्लान
स. अनुसुव द. महाकश्यप
उत्तर- ब. मोगल्लान
4. प्रसिद्ध लेखक गजानन माधव मुक्तिबोध का जन्म मध्यप्रदेश के किस शहर में हुआ था?
अ. शिवपुरी ब. विदिशा
स. भोपाल द. श्योपुर
उत्तर- द. श्योपुर
5. मध्यप्रदेश में धूपद समारोह का आयोजन कहाँ किया जाता है?
अ. उज्जैन ब. भोपाल
स. इंदौर द. जबलपुर
उत्तर- ब. भोपाल
6. अधिकारिक शुभंकर प्राप्त करने वाले भारत के प्रथम वन्य जीव रिजर्व नाम बताइये?
अ. रणथंभोर राष्ट्रीय उद्यान
ब. काबेट राष्ट्रीय उद्यान
स. कान्हा टाइगर रिजर्व
द. सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान
उत्तर- स. कान्हा टाइगर रिजर्व
7. दिल्ली में स्थित कमल मंदिर (लोटस टेम्पल) किस धर्म के अनुयायियों का पवित्र स्थल है?
अ. पारसी धर्म ब. बहाई
स. यहूदी धर्म द. जैन धर्म
उत्तर- ब. बहाई
8. 'दीप से दीप जले' के रचयिता कौन हैं?
अ. भगवान दत्त शर्मा
ब. माखनलाल चतुर्वेदी
स. राहत इंदौरी
द. अटल बिहारी वाजपेयी
उत्तर- ब. माखनलाल चतुर्वेदी
9. निम्नलिखित में से किसे भारत के 'मेट्रोमैन' के रूप में जाना जाता है?
अ. श्री विनोद धाम
ब. श्री ई. श्रीधरन
स. श्री. एम. विश्वेश्वरैया
द. श्री. मनमोहन शर्मा
उत्तर- ब. श्री ई. श्रीधरन
10. मध्यप्रदेश राज्य में राज्य आनंद संस्थान के सामान्य निकाय के अध्यक्ष कौन हैं?
अ. राज्य के मुख्यमंत्री
ब. राज्य के मुख्य सचिव
स. राज्यपाल
द. भारत के राष्ट्रपति
उत्तर- अ. राज्य के मुख्यमंत्री
11. नि-उपसर्ग से बना शब्द निम्न में से कौनसा है?
अ. नीकाय ब. नीलाभ
स. नीस्काम द. निकाय
उत्तर- द. निकाय
12. त्रिफला में निम्न में से कौन सा समास है?
अ. कर्मधारय
ब. द्वंद समास
स. बहुव्रीहि समास
द. द्विगु समास
उत्तर- द. द्विगु समास
13. भक्ति रस का स्थायी भाव क्या है?
अ. विदास
ब. ईश्वर विषयक रति
स. समर्पण
द. आस्था
उत्तर- ब. ईश्वर विषयक रति
14. चौमासा में निम्न में से कौन सा समास है?
अ. कर्मधारय ब. द्वंद
स. बहुव्रीहि द. द्विगु
उत्तर- द. द्विगु
15. यथावत का शुद्ध रूप निम्न में से कौन है?
अ. यथवत् ब. यथावत्
स. यथवत् द. याथावत्
उत्तर- ब. यथावत्
16. अंगूर - खट्टे होना मुहावरे का अर्थ निम्न विकल्पों में से कौनसा है?
अ. मृत्यु निकट आना
ब. कोई वस्तु न मिलने पर उसका दोष निकालना
स. एक ही स्थान पर पड़े रहना
द. देने से साफ मना कर देना
उत्तर- ब. कोई वस्तु न मिलने पर उसका दोष निकालना
17. अ- उपसर्ग से बना शब्द निम्न में से कौनसा है?
अ. अमर्त ब. अत्यन्त
स. अनीति द. अनुज
उत्तर- स. अनीति
18. संकल्प के लिये सही संधि विच्छेद को चुनिये?
अ. सम्+कल्प ब. सम+कल्प
स. सं+कल्प द. सम+कल्प
उत्तर- अ. सम्+कल्प
19. 'जो बाद में अधिकारी बने' के लिये एक शब्द निम्न में से कौन सा है?
अ. उत्तराधिकारी ब. उत्तराधिकारी
स. उत्तराधिकारी द. उत्तराधिकारी
उत्तर- अ. उत्तराधिकारी
20. 'जिसने ऋण उधार दिया हो' के लिये एक शब्द निम्न में से कौन सा है?
अ. ऋणी ब. उऋणी
स. उऋण द. अनऋण
उत्तर- स. उऋण
21. अंत- प्रत्यय से बना शब्द निम्न में से कौन सा है?
अ. अन्तः ब. अन्तरंग
स. अंतिम द. रंत
उत्तर- द. रंत
22. करुण का निम्न में से कौन सा सही विलोम है?
अ. निश्चुर ब. निष्ठुर
स. निष्ठुर द. निश्चुर
उत्तर- ब. निष्ठुर
23. जिस समाज का पद का पहला पद प्रधान हो, वह कहलाता है?
अ. द्वन्द समास
ब. बहुव्रीहि समास
स. तत्पुरुष समास
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- द. इनमें से कोई नहीं
24. इनमें से कौन सा समूह वाचक प्रत्यय नहीं है?
अ. लोग ब. गण
स. वर्ग द. प्रेस
उत्तर- द. प्रेस
25. निम्न में से कौन सा युग्म विपरीतार्थ नहीं है?
अ. अनाथ - सनाथ
ब. आदि - अंत
स. अग्रज - अनुज
द. अर्थ - अपूर्ण
उत्तर- द. अर्थ - अपूर्ण
26. "हरि मुख मानो मधुर मयंक" में अलंकार है?
अ. उपमा ब. संदेह
स. उत्प्रेक्षा द. प्रतीप
उत्तर- स. उत्प्रेक्षा
27. "अलंकार को काव्य की आत्मा कहा जाता है" किसका कथन है?
अ. आचार्य शुक्ल
ब. मैथिलीशरण गुप्त
स. आचार्य दण्डी
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- स. आचार्य दण्डी
28. रत्न, जवाहर, माणिक ये किसके पर्यायावाची हैं?
अ. कंचन ब. हरिप्रया
स. चंचल द. मणि
उत्तर- द. मणि
29. 'बटोही' का पर्यायावाची है?
अ. यात्री ब. रात्रि
स. सहायत्री द. पथ
उत्तर- अ. यात्री
30. विद्यादान का समास विग्रह है?
अ. विद्या को दान
ब. विद्या का दान
स. विद्या से दान
द. विद्या के लिये दान
उत्तर- ब. विद्या का दान
31. "कान भरना" मुहावरे का सही अर्थ है?
अ. कान पकना
ब. कान में दर्द होना
स. चुगली करना
द. गीत सुनना
उत्तर- स. चुगली करना
32. जल प्रदूषण का मापन किया जाता है?
अ. कॉलिफॉर्म गणना
ब. BoD द्वारा
स. Ph द्वारा
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- द. उपरोक्त सभी
33. प्रोटीन संश्लेषण होता है?
अ. राइबोसोम में
ब. लाइसोसोम में
स. केन्द्रक में
द. हरित लवक में
उत्तर- अ. राइबोसोम में
34. कौनसा पुनः चक्रित अपशिष्ट है?
अ. कागज
ब. फटा कपड़ा
स. धात्विक व (प्लास्टिक अवशिष्ट)
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- द. उपरोक्त सभी
35. कपाल तंत्रिकाएं संख्या में होती हैं?
अ. 36 ब. 24
स. 18 द. 12
उत्तर- द. 12
36. ध्वनि निम्न में से किसमें गति नहीं कर सकती?
अ. वायु ब. जल
स. लोहा द. निर्वात
उत्तर- द. निर्वात
37. इलेक्ट्रोप्लेटिंग के दौरान शुद्ध धातु निक्षेपित होती है?
अ. कैथोड पर
ब. एनोड पर
स. कैथोड तथा एनोड दोनों पर
द. विद्युत अपघट्य सेल के पेंडे पर
उत्तर- अ. कैथोड पर
38. सहायक उत्तक वाली विशेष कोशिका का नाम बताइये?
अ. विभज्योत्तक कोशिका
ब. अधिचर्म कोशिका
स. मृत कोशिका
द. दुग् कोशिका
उत्तर- स. मृत कोशिका
39. वेपस चक्र संपूर्ण होती है?
अ. अन्तः प्रद्रव्यी जालिका में
ब. हरित लवक में
स. गॉल्जीकाय में
द. माइटोकॉन्ड्रिया में
उत्तर- द. माइटोकॉन्ड्रिया में
40. प्रकाश संश्लेषण अभिक्रिया में प्रकाश ऊर्जा का मुख्य कार्य है?
अ. पणहिरित को सक्रिय करने में
ब. जल के अणु को तोड़ने में
स. ग्लूकोज के निर्माण में
द. CO₂ के अपचयन में
उत्तर- ब. जल के अणु को तोड़ने में
41. पृष्ठधारी पर्ण में वाष्पोत्सर्जन दर होती है?
अ. ऊपरी सतह पर अधिक
ब. निचली सतह पर अधिक
स. दोनों सतहों पर समान
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- ब. निचली सतह पर अधिक
42. वृक्क की निस्पंदन इकाई क्या है?
अ. मूत्र नलिका
ब. ग्लोमेरुलस
स. मूत्र मार्ग
द. संग्रह नलिका
उत्तर- ब. ग्लोमेरुलस
43. अपमानक जल का पृष्ठ तनाव
अ. कम करता है
ब. बढ़ाता है
स. उतना ही रखता
द. उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर- अ. कम करता है
44. भारत में एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी कहाँ स्थित है?
अ. रिची द्वीप समूह
ब. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
स. लक्षद्वीप
द. लैन्ग्रिथ द्वीप
उत्तर- अ. रिची द्वीप समूह
45. भारत के किस शहर में "चार
- मीनार" स्थित है?
अ. आगरा ब. दिल्ली
स. बंगलूर द. हैदराबाद
उत्तर- द. हैदराबाद
46. पश्चिम बंगाल में हावड़ा ब्रिज किस नदी पर बनाया गया है?
अ. हुगली ब. महानदी
स. ब्रह्मपुत्र द. जमुना
उत्तर- अ. हुगली
47. निम्नलिखित में से कौन सी बीमारी अप्रत्यक्ष रोग (वेक्टर बार्न डिजीज) है?
अ. हैजा ब. एड्स
स. मलेरिया
द. तपेदिक (ट्यूबर क्यूलोसिस)
उत्तर- स. मलेरिया
48. जंग का रासायनिक सूत्र है?
अ. Fecl₂ ब. Feo
स. Fe₂o₄ द. Fe₂o₃
उत्तर- द. Fe₂o₃
49. मिल्क ऑफ मैग्नीशियम का उपयोग इस रूप में किया जाता है?
अ. कपड़ा उद्योग में डाई
ब. कृत्रिम शर्करा
स. उर्वरक
द. अम्लतत्व नाशक
उत्तर- द. अम्लतत्व नाशक
50. निम्नलिखित में से कौन सा एक रासायनिक परिवर्तन है?
अ. नमक प्राप्त करने के लिये, समुद्र के पानी का वाष्पीकरण
ब. मीथेन का जलना
स. कपूर का उर्ध्वपातन
द. कॉफी में चीनी जलना
उत्तर- ब. मीथेन का जलना
51. कम्पनशील वस्तु की उसकी माध्य अवस्था से अधिकतम दूरी कहलाती है?
अ. गुणवत्ता ब. आवृत्ति
स. आयाम द. तारत्व
उत्तर- स. आयाम

- श्रद्धा सुमन

(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के विषयों पर लेखन करती हैं)

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.enrcwrd.bpl@nic.in

फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1038/2023-24/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 21.11.2023
निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट <https://www.mptenders.gov.in> पर आमंत्रित की गई है।
निविदा प्रपत्र दिनांक 11.12.2023 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख में)
1.	2023 WRD 317642	वैनगंगा नहर प्रणाली की वारासिबनी नहर के चैन क्रमांक 196 पर स्थित क्षतिग्रस्त वी.आर.बी. का पुनः निर्माण कार्य	सिवनी	28.88
2.	2023 WRD 317643	वैनगंगा नहर प्रणाली की वारासिबनी नहर के चैन क्रमांक 239 पर स्थित क्षतिग्रस्त वी.आर.बी. का पुनः निर्माण कार्य	सिवनी	27.47

जी-21278/49205/2023

मुख्य अभियंता (प्रोक्वोरमेंट)

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.enrcwrd.bpl@nic.in

फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1037/2023-24/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 21.11.2023
निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट <https://www.mptenders.gov.in> पर आमंत्रित की गई है।
निविदा प्रपत्र दिनांक 05.12.2023 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख में)
1.	2023 WRD 317641	टर्न की पद्धति पर मोहनपुर परियोजना के संचालन एवं रखरखाव का कार्य विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं	राजगढ़	4791.00

जी-21279/49206/2023

मुख्य अभियंता (प्रोक्वोरमेंट)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

- जर्मनी का संबंध किस पर्वत से है?
अ) वॉल्फेज पर्वत ब) सियेरा नेवादा
स) ब्लैक फॉरेस्ट द) किलिमंजारो
उत्तर-स) ब्लैक फॉरेस्ट
- रोका कृषि का संबंध किस देश से है?
अ) इण्डोनेशिया ब) वेनुजुएला
स) ब्राजील द) थाइलैण्ड
उत्तर-स) ब्राजील
- चिली स्थित 'चुकुमाटा' किस अयस्क खनन के लिए प्रसिद्ध है?
अ) तांबा ब) लौह
स) मैंगनीज द) सोना
उत्तर-अ) तांबा
- 'विग इंच' पाइप लाइन परियोजना का संबंध किस देश से है?
अ) ब्राजील ब) फ्रांस
स) रूस द) यू.एस.ए.
उत्तर-द) यू.एस.ए.
- हाल ही में किस राज्य में भारत की पहली जल मेट्रो (वॉटर मेट्रो) सेवा का शुभारंभ किया गया है?
अ) तमिलनाडु ब) केरल
स) गुजरात द) आंध्रप्रदेश
उत्तर-ब) केरल
- तापी परियोजना (TAPI) में कौन-सा देश शामिल नहीं है?
अ) तुर्कमेनिस्तान ब) अफगानिस्तान
स) पाकिस्तान द) ताजिकिस्तान
उत्तर-द) ताजिकिस्तान
- 'माओरी' जनजाति कहां की निवासी है?
अ) श्रीलंका ब) अफगानिस्तान
स) न्यूजीलैण्ड द) जॉर्जिया
उत्तर-स) न्यूजीलैण्ड
- उकाई जल विद्युत परियोजना किस नदी में स्थित है?
अ) ताप्ती नदी ब) माही नदी
स) नर्मदा नदी द) गोदावरी नदी
उत्तर-अ) ताप्ती नदी
- किस संविधान संशोधन के तहत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए एक आयोग की स्थापना की गई थी?
अ) 66वां संविधान संशोधन
ब) 65वां संविधान संशोधन
स) 61वां संविधान संशोधन
द) 63वां संविधान संशोधन
उत्तर-ब) 65वां संविधान संशोधन
- समान न्याय एवं निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के प्रावधान किस अनुच्छेद के अंतर्गत दिए गए हैं?
अ) अनुच्छेद 48अ
ब) अनुच्छेद 43ब
स) अनुच्छेद 39क
द) अनुच्छेद 51अ
उत्तर-स) अनुच्छेद 39क
- उच्चतम न्यायालय की आनुषांगिक शक्तियां किस अनुच्छेद के अंतर्गत दी गई हैं?
अ) अनुच्छेद 135 ब) अनुच्छेद 140
स) अनुच्छेद 141 द) अनुच्छेद 143
उत्तर-ब) अनुच्छेद 140
- किस वर्ष 2021 का राष्ट्रीय तानसेन सम्मान प्रदान किया गया है?
अ) पं. सतीश व्यास
ब) कैलाश चंद्र वर्मा
स) पं. नित्यानंद हल्दीपुर
द) सदानंद गुप्त
उत्तर-स) पं. नित्यानंद हल्दीपुर
- वर्ष 2021 का लता मंगेशकर पुरस्कार किसे प्रदान किया गया है?
अ) आनंद-मिलिंद ब) विक्रम यादव
स) डॉ. श्याम सुंदर दुबे
द) कुमार शानू
उत्तर-द) कुमार शानू
- इंडिया इन्वैशन इण्डेक्स 2021 में पूर्वोत्तर एवं पहाड़ी राज्यों की श्रेणी में कौन-सा राज्य शीर्ष पर है?
अ) त्रिपुरा ब) मणिपुर
स) मेघालय द) मिजोरम
उत्तर-ब) मणिपुर
- एक जिला एक उत्पाद योजना के अंतर्गत शहडोल जिले के किस उत्पाद को शामिल किया गया है?
अ) आलू ब) गन्ना
स) हल्दी द) चना
उत्तर-स) हल्दी
- फरवरी 2023 के अंत तक भारत में कुल कितने रामसर स्थल (आई.यू.सी.ए.न.स.स.स.) हैं?
अ) 78 ब) 64
स) 75 द) 80
उत्तर-स) 75
- महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (राज्य ग्रामीण विकास संस्थान) कहां स्थित है?
अ) भोपाल ब) छिंदवाड़ा
स) जबलपुर द) उमरिया
उत्तर-स) जबलपुर
- सर्वाधिक विधानसभा सीटों वाला राज्य कौन-सा है?
अ) उत्तरप्रदेश ब) मध्यप्रदेश
स) महाराष्ट्र द) पश्चिम बंगाल
उत्तर-अ) उत्तरप्रदेश
- सातवां अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का आयोजन कहां किया गया?
अ) भोपाल ब) इंदौर
स) खालियर द) उज्जैन
उत्तर-अ) भोपाल
- 12वां विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन कहां किया गया?
अ) सूरीनाम ब) मलेशिया
स) फिजी द) फ्रांस
उत्तर-स) फिजी
- वे तत्व जिनके परमाणु क्रमांक समान लेकिन परमाणु भार भिन्न-भिन्न होते हैं?
अ) समभारिक ब) समस्थानिक
स) समइलेक्ट्रॉनिक द) समन्यूट्रॉनिक
उत्तर-ब) समस्थानिक
- शंकराचार्य की गुफाएं कहां स्थित हैं?
अ) उज्जैन ब) ओंकारेश्वर
स) अमरकंटक द) नरसिंहपुर
उत्तर-ब) ओंकारेश्वर
- 'भोलाराम का जीव' किसकी रचना है?
अ) शरद जोशी
ब) हरिशंकर परसाई
स) गजानन माधव
द) चंद्रकांत देवताले
उत्तर-ब) हरिशंकर परसाई
- बर्थाई नृत्य का संबंध किस क्षेत्र से है?
अ) बुंदेलखण्ड ब) बघेलखण्ड
स) मिमाड़ द) मालवा
उत्तर-अ) बुंदेलखण्ड
- 'चंबल प्रोग्रेस वे' किस जिले से होकर नहीं गुजरता?
अ) भिण्ड ब) मुँना
स) श्योपुर द) खालियर
उत्तर-द) खालियर
- निम्नलिखित में से किस वीटो शक्ति के अंतर्गत राष्ट्रपति किसी विधेयक को संसद के पास पुनर्विचार हेतु लौटाता है?
अ) आत्यंतिक वीटो
ब) पॉकेट वीटो
स) निर्लंबनकारी वीटो
द) विशेष वीटो
उत्तर-स) निर्लंबनकारी वीटो
- निम्नलिखित में से कौन-सी नदी नर्मदा की सहायक नदी नहीं है?
अ) गंजाल ब) दूधी
स) तवा द) माही
उत्तर-द) माही
- अब तक कुल कितने प्रधानमंत्री जो अपने राज्यों के मुख्यमंत्री बनने के बाद देश के प्रधानमंत्री बने?
अ) 5 ब) 6
स) 7 द) 4
उत्तर-ब) 6
- मध्यप्रदेश वित्त निगम का मुख्यालय कहां स्थित है?
अ) भोपाल ब) इंदौर
स) खालियर द) जबलपुर
उत्तर-ब) इंदौर
- नवग्रह मेला किस जिले में लगता है?
अ) खण्डवा ब) बड़वानी
स) मुँना द) खरगोन
उत्तर-द) खरगोन
- मनसुखा और छाहर क्या है?
अ) निमाड़ के लोकगायन
ब) मालवा के लोक गायन
स) बघेलखण्ड का लोकनृत्य
द) बघेलखण्ड का लोकनाट्य
उत्तर-द) बघेलखण्ड का लोकनाट्य
- मध्यप्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजाति में कौन-सी जनजाति शामिल नहीं है?
अ) बैगा ब) भारिया
स) सहरिया द) भील
उत्तर-द) भील
- मुकरता गॉर्ज का निर्माण कौन-सी नदी करती है?
अ) चंबल ब) नर्मदा नदी
स) सोन द) ताप्ती
उत्तर-ब) नर्मदा नदी
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय की स्थापना कब की गई थी?
अ) मार्च, 1977 ब) जून, 1977
स) मई, 1977 द) मार्च, 1978
उत्तर-अ) मार्च, 1977
- मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड (राजीव गांधी खेल रत्न अवॉर्ड) के प्रथम विजेता कौन थे?
अ) सचिन तेंदुलकर
ब) कपिल देव
स) विष्णुनाथन आनंद
द) अभिनव बिंद्रा
उत्तर-स) विष्णुनाथन आनंद
- किस संविधान संशोधन के तहत प्रीवी पर्स और प्रांतीय राज्यों के पूर्व शासकों के विशेषाधिकारों की समाप्ति की घोषणा हुई?
अ) 25वां संशोधन ब) 24वां संशोधन
स) 26वां संशोधन द) 27वां संशोधन
उत्तर-स) 26वां संविधान संशोधन
- किस जनजाति की पंचायत को 'गोहिया' कहा जाता है?
अ) भील ब) सहरिया
स) भारिया द) कोल
उत्तर-द) कोल
- केंद्र एवं एक या अधिक राज्यों के मध्य विवाद निपटान की शक्ति सर्वोच्च न्यायालय के किस क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आती है?
अ) मूल क्षेत्राधिकार
ब) न्यायादेश क्षेत्राधिकार
स) सलाहकारी क्षेत्राधिकार
द) अपीलीय क्षेत्राधिकार
उत्तर-अ) मूल क्षेत्राधिकार
- निम्नलिखित में से कौन-सी उत्कृष्ट धातु नहीं है?
अ) प्लेटिनम ब) मर्करी
स) सिल्वर द) बिस्मथ
उत्तर-द) बिस्मथ

- आशीष कुमार श्रीवास
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित
विषयों पर लेखन करते हैं)

REGRUITMENT OF ESM (BHARTI BHUTPURB SAINIK)
ARMY WELFARE PLACEMENT ORG. RO BHOPAL
AWPO RO Bhopal (Veterans Cell C/o HQ Paschim Madhya Pradesh Sub Area)
Sultania Infantry Lines, (Near Chakra Canteen) Bhopal-462001

JOB VACANCY

(a)	Position/Appoint-ment	Railway Gateman LC (Level Crossing)
(b)	Organisation	Checkmate Services Pvt. Ltd Vadodara (Gujarat)
(c)	Job Location	Kalyan (Mumbai Division), Ahmedabad, Rajkot, Bhavnagar & Vadodara Railway Divisions.
(d)	QR	JCOs/OR (Retd) from any Arm/Service of Indian Army. Education - Minimum 10th pass Duty 12hr (26 days)
(e)	Age	Below 54 Yrs
(f)	Med Category	SHAPE-1
(g)	Salary	Rs 33000/- pm Gross Salary
(h)	Selection Procedure	Desirous Candidates to submit their documents to AWPO RO Bhopal Veteran Cell, HQ Paschim MP Sub Area, Sultania Infantry Lines, Bhopal - 462001 by 1400 hrs 08 Dec & 09 Dec 2023, Required copy of the documents Resume, Discharge book, I/Card & PPO, Aadhar Card, PAN Card, Education Certificate Passport size photograph and cancelled cheque. interview at 1000 hrs to 1400hrs on 08 Dec & 09 Dec 23 at their own expense.

Use AWPO No.	APPLICATION FOR AWPO RO BHOPAL	Passport Size Photograph
1.	Army No, Rank & Name	
2.	Trade	
3.	Corps/Regiment	
4.	Date of Birth	
5.	Date of Retirement	
6.	Below 54 yrs age as on 01 Dec 23	
7.	Present Med Cat	
8.	Civ Qualification (Highest) Addi Qualification/Diploma	
9.	Level of Computer proficiency	
10.	Present Employment (if any)	
11.	Present Residential Address	
12.	E Mail ID	
13.	Mobile Number	

Date :

Signature of the Individual
R-49207/2023

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

सामान्य ज्ञान

- किरियाकोस मित्सोताकिस को किस देश का प्रधानमंत्री चुना गया है?
अ. फिनलैंड
ब. ग्रीस
स. नीदरलैंड
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. ग्रीस
- 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' कब मनाया जाता है?
अ. 2 जुलाई
ब. 3 जुलाई
स. 1 जुलाई
द. 4 जुलाई
उत्तर- स. 1 जुलाई
- 'जूलै लहाख' किस सेना का आउटरीच कार्यक्रम है?
अ. नौ सेना
ब. थल सेना
स. वायु सेना
द. केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
उत्तर- अ. नौ सेना
- कौनसा प्राचीन नाटक वसुमित्र द्वारा यवनों पर विजय के संबंध में है?
अ. रघुवंशम्
ब. मालविकाग्निमित्रम्
स. हर्षचरित
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. मालविकाग्निमित्रम्
- कालिदास के किस महाकाव्य में सती प्रथा का उल्लेख किया गया है?
अ. रघुवंशम्
ब. ऋतुसंहारम्
स. मेघदूतम्
द. कुमारसम्भवम्
उत्तर- द. कुमारसम्भवम्
- अरुणाचल प्रदेश का तवांग जिला कबों प्रसिद्ध है?
अ. भारत के सबसे बड़े बौद्ध मठ के लिए
ब. बौद्ध स्कूल के लिए
स. नाथूला दर्रे के लिए
द. तिब्बती म्यूजियम के लिए
उत्तर- अ. भारत के सबसे बड़े बौद्ध मठ के लिए
- दिल्ली का NCT (राष्ट्रीय राजधानी प्रदेश) निम्नलिखित में से संविधान के किस संसाधन द्वारा बनाया गया है?
अ. 63वां संशोधन
ब. 69वां संशोधन
स. 74वां संशोधन
द. 76वां संशोधन
उत्तर- ब. 69वां संशोधन
- राज्यसभा के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?
अ. राज्यसभा एक स्थायी निकाय है।
ब. इसे 3 अप्रैल 1952 को विधिवत् बनाया गया था।
स. राज्यसभा के 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।
द. राज्यसभा के एक तिहाई सदस्य प्रति वर्ष रिटायर होते हैं।
उत्तर- द. राज्यसभा के एक तिहाई सदस्य प्रति वर्ष रिटायर होते हैं।
- भारत में पहली बार आम चुनाव कब हुआ?
अ. 1952-53
ब. 1951-52
स. 1953-54
द. 1954-55
उत्तर- ब. 1951-52
- बर्न निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में अग्रणी सम्मेलन था?
अ. जंगल सुरक्षा
ब. युद्ध पीड़ितों की सुरक्षा
स. बौद्धिक संपदा अधिकार सुरक्षा
द. मानव अधिकारों की सुरक्षा
उत्तर- स. बौद्धिक संपदा अधिकार सुरक्षा
- व्याख्या- 1886 में बर्न सम्मेलन कॉपीराइट के माध्यम से बौद्धिक संपदा सुरक्षित रखने के लिए हुआ था।
- कौन सा विकल्प भूगोल के व्यवस्थित दृष्टिकोण का उदाहरण नहीं है?
अ. भौतिक भूगोल
ब. मानव भूगोल
स. पर्यावरण भूगोल
द. क्षेत्रीय भूगोल
उत्तर- द. क्षेत्रीय भूगोल
- स्लेट निम्नलिखित में से किसका उदाहरण है?
अ. आग्नेय चट्टान
ब. कायान्तरित चट्टान
स. अवसादी चट्टान
द. अन्तर्बेदी आग्नेय चट्टान
उत्तर- ब. कायान्तरित चट्टान
- 'ओल्ड फैथफुल' नामक गर्म पानी का झरना किस देश में स्थित है?
अ. स्पेन
ब. कनाडा
स. अमेरिका
द. मैक्सिको
उत्तर- स. अमेरिका
- जापान का 'जंगक्षेत्र' किसे कहा जाता है?
अ. शिकोकू
ब. होन्शू
स. क्यूशू
द. चुबू
उत्तर- अ. शिकोकू
- इल्बर्ट विधेयक विवाद किस वायसराय से संबंधित था?
अ. लॉर्ड कर्जन
ब. लॉर्ड लिटन
स. लॉर्ड रिपन
द. लॉर्ड हार्डिंग
उत्तर- स. लॉर्ड रिपन
- बॉम्बे प्राथमिक शिक्षा एक्ट को पारित करवाने में महत्वपूर्ण योगदान किसने दिया?
अ. राजेश वासुदेव मावलंकर
ब. आर.के. षण्मुखम् चेट्टी
स. विठ्ठल भाई पटेल
द. गोविन्द वल्लभ पन्त
उत्तर- स. विठ्ठल भाई पटेल
- जापान ने पर्ल हार्बर पर आक्रमण कब किया?
अ. 7 जनवरी, 1941
ब. 20 दिसम्बर, 1941
स. 7 मार्च, 1941
द. 7 दिसम्बर, 1941
उत्तर- द. 7 दिसम्बर, 1941
- 'क्लेप्टोक्रैसी' का संबंध किस सामाजिक बुराई से है?
अ. जातिवाद
ब. भ्रष्टाचार
स. अंधविश्वास
द. संप्रदायवाद
उत्तर- ब. भ्रष्टाचार
- व्याख्या- क्लेप्टोक्रैसी का अर्थ राज्य द्वारा संबंधित भ्रष्टाचार है, जिसका उद्देश्य सरकार के अधिकारियों और नेताओं की व्यक्तिगत धन सम्पदा में वृद्धि करना होता है।
- आगरा नहर किसके कार्यकाल में पूर्ण हुई?
अ. अकबर
ब. जहांगीर
स. बहादुर शाह जफर
द. ब्रिटिश काल
उत्तर- द. ब्रिटिश काल
- द्रव तापमापी की अपेक्षा गैस तापमापी अधिक संवेदी होती है, क्योंकि गैस?
अ. द्रव से हल्की होती है
ब. द्रव की अपेक्षा अधिक प्रसार करती है
स. सरलता से प्राप्त की जा सकती है
द. अपनी अवस्था में आसानी से नहीं बदलती
उत्तर- ब. द्रव की अपेक्षा अधिक प्रसार करती है
- लेजर प्रिंटर में किस तरह के लेजर का प्रयोग किया जाता है?
अ. अर्धचालक लेजर
ब. एक्ससमेर लेजर
स. सेमी कंडक्टर डायोड लेजर
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- स. सेमी कंडक्टर डायोड लेजर
- लैंस की शक्ति का मात्रक क्या होता है?
अ. डायोप्टर
ब. कैडिला
स. मोल
द. केल्विन
उत्तर- अ. डायोप्टर
- रेफ्रिजरेटर खाद्य पदार्थों को खराब होने से कैसे बचाता है?
अ. इसके न्यून ताप पर जीवाणु और फफूंदी निष्क्रिय होते हैं।
ब. इसके न्यून ताप पर रोगाणु मर जाते हैं।
स. इसके न्यून ताप पर रोगाणु जम जाते हैं।
द. यह खाद्य पदार्थों को रोगाणु रहित कर देते हैं।
उत्तर- अ. इसके न्यून ताप पर जीवाणु और फफूंदी निष्क्रिय होते हैं।
- इलेक्ट्रॉनिक कार में प्रयोग की जाने वाली बैटरी में किसका योगिक प्रयोग होता है?
अ. मैग्नीशियम
ब. लिथियम
स. सोडियम
द. कॉपर
उत्तर- ब. लिथियम
- शुद्ध चीनी में कौन सा तत्व उपस्थित नहीं है?
अ. कार्बन
ब. हाइड्रोजन
स. नाइट्रोजन
द. ऑक्सीजन
उत्तर- स. नाइट्रोजन
- मैलाथियान निम्नलिखित में से क्या है?
अ. रंजक
ब. कीटनाशक
स. विटामिन
द. कार्बोहाइड्रेट
उत्तर- ब. कीटनाशक
- पानी में हवा का बुलबुला निम्नलिखित में से क्या व्यवहार करता है?
अ. उत्तल लेंस की भांति
ब. अवतल लेंस की भांति
स. उत्तल दर्पण की भांति
द. अवतल दर्पण की भांति
उत्तर- ब. अवतल लेंस की भांति
- मध्यप्रदेश में नृत्य महोत्सव के लिए निम्नलिखित में से कौन सा शहर प्रसिद्ध है?
अ. ओरछा
ब. खजुराहो
स. भोपाल
द. चन्देरी
उत्तर- ब. खजुराहो
- व्याख्या- मध्यप्रदेश कला परिषद् द्वारा खजुराहो में नृत्य महोत्सव प्रति वर्ष मनाया जाता है।
- CRPF की स्थापना के लिए मध्यप्रदेश का कौन सा शहर जाना जाता है?
अ. नीमच
ब. रतलाम
स. खंडवा
द. खरगोन
उत्तर- अ. नीमच
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट कहाँ है?
अ. इंदौर
ब. जबलपुर
स. भोपाल
द. खरगोन
उत्तर- स. भोपाल
- भरतूत स्तूप मध्यप्रदेश के किस जिले में स्थित है?
अ. सतना
ब. झाबुआ
स. शिवपुरी
द. शहडोल
उत्तर- अ. सतना
- विश्व की सबसे बड़ी आर्द्र भूमि कौन सी है?
अ. कैमरों (फ्रांस)
ब. ओकावंगो (बोत्सवाना)
स. एवरलैड्स (यू.एस.ए.)
द. पैटानल (दक्षिण अमेरिका)
उत्तर- द. पैटानल (दक्षिण अमेरिका)
- वांसडा राष्ट्रीय उद्यान किस प्रदेश में स्थित है?
अ. गुजरात
ब. मध्यप्रदेश
स. महाराष्ट्र
द. राजस्थान
उत्तर- अ. गुजरात
- नागझिरा वन्यजीव अभ्यारण्य किस प्रदेश में स्थित है?
अ. पश्चिम बंगाल
ब. महाराष्ट्र
स. केरल
द. कर्नाटक
उत्तर- ब. महाराष्ट्र
- रेड प्लस प्रोग्राम निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
अ. NPT
ब. CBD
स. MDG
द. पृथ्वी सम्मेलन
उत्तर- ब. CBD
- राष्ट्रीय गणित दिवस कब मनाया जाता है?
अ. 17 दिसंबर
ब. 22 दिसंबर
स. 25 दिसंबर
द. 20 दिसंबर
उत्तर- ब. 22 दिसंबर
- 'एपीकलर शॉट' किस खेल से संबंधित है?
अ. हॉकी
ब. क्रिकेट
स. गोल्फ
द. पोलो
उत्तर- ब. क्रिकेट
- "Why I am a Hindu" के लेखक कौन हैं?
अ. मनमोहन सिंह
ब. अर्नव गोस्वामी
स. बेंकैया नायडू
द. शशि थरूर
उत्तर- द. शशि थरूर
- निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए?
सूची I सूची II
A सचिन तेंदुलकर 1. बैडमिंटन
B गीत सेठी 2. क्रिकेट
C प्रकाश पादकोण 3. बिलियर्ड्स
D महेश भूपति 4. टेनिस
अ. 2 3 1 4
ब. 3 2 4 1
स. 1 2 3 4
द. 2 3 4 1
उत्तर- अ. 2 3 1 4
- कम्प्यूटर का सबसे महत्वपूर्ण भाग कौन सा है?
अ. सी.पी.यू.
ब. की-बोर्ड
स. डिस्क
द. प्रिन्टर
उत्तर- अ. सी.पी.यू.
- कम्प्यूटर की स्थायी स्मृति को क्या कहते हैं?
अ. RAM
ब. ROM
स. CPU
द. CD-ROM
उत्तर- ब. ROM
- एक छोटे सिलिकॉन चिप पर ट्रान्जिस्टर्स और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ पूर्ण इलेक्ट्रॉनिक सर्किट को क्या कहते हैं?
अ. वर्कस्टेशन
ब. मैमेटिक डिस्क
स. CPU
द. इंटिग्रेटेड
उत्तर- द. इंटिग्रेटेड
- अमजद अली खान किस वाद्य यंत्र से संबंधित हैं?
अ. वीणा
ब. सरोद
स. सितार
द. वायलिन
उत्तर- ब. सरोद
- मोनोलिसा क्या है?
अ. एक चित्र
ब. गायिका
स. उपन्यास
द. फ्रांसीसी गुप्तचर
उत्तर- अ. एक चित्र
- 'भीमबेटका' किसके लिए प्रसिद्ध है?
अ. गुफाओं के शैल चित्र
ब. सोन नदी का उद्गम स्थल
स. बौद्ध प्रतिमाएं
द. खनिज
उत्तर- अ. गुफाओं के शैल चित्र
- भारत में किस शैलाश्रय से सर्वाधिक चित्र प्राप्त हुए हैं?
अ. भीमबेटका
ब. राजगीर
स. आदमगढ़
द. घघरिया
उत्तर- अ. भीमबेटका
- कम्प्यूटर साक्षरता दिवस कब मनाया जाता है?
अ. 12 दिसंबर
ब. 2 दिसंबर
स. 13 दिसंबर
द. 2 नवम्बर
उत्तर- ब. 2 दिसंबर
- भारत ने 2023 में किस देश को हराकर महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है?
अ. जापान
ब. अमेरिका
स. चीन
द. पाकिस्तान
उत्तर- अ. जापान
- किस अभिलेख में 'भारतवर्ष' नाम का जिक्र मिलता है?
अ. भाद्र अभिलेख
ब. मोगा का ताम्र अभिलेख
स. हाथी गुम्फा अभिलेख
द. इलाहाबाद का अभिलेख
उत्तर- स. हाथी गुम्फा अभिलेख
- निम्न में से कहाँ भारतीय खगोलीय वेधशाला स्थित है?
अ. कर्नाटक
ब. मध्यप्रदेश
स. हिमाचल प्रदेश
द. लद्दाख
उत्तर- द. लद्दाख
- लोकसभा का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु कितनी होनी चाहिये?
अ. 45 वर्ष
ब. 28 वर्ष
स. 25 वर्ष
द. 35 वर्ष
उत्तर- स. 25 वर्ष



खेल चर्चा

सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार के लिए नामित हुई सविता

बेंगलुरु, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पुनिया को अंतर्राष्ट्रीय



हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर पुरस्कार के लिए नामित किया है। इस पुरस्कार के लिए सविता के साथ ऑस्ट्रेलिया की जोसलिन बारट्रम, अमेरिका की कैल्सी बिंग, नीदरलैंड्स की जोसाइन कोनिंग और जर्मनी की जूलिया सोन्टाग को नामित किया गया है। सविता की कप्तानी में भारतीय टीम ने एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। सविता वर्ष 2021 और 2022 में एफआईएच वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर पुरस्कार जीत चुकी हैं। इसके अलावा एफआईएच ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के लिए भारतीय टीम के हार्दिक सिंह को नामांकित किया है।

पंकज आडवाणी ने जीती विश्व बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप

दोहा, भारत के दिग्गज क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप (पाइंट फॉर्मेट) का खिताब अपने नाम किया है। पंकज का बिलियर्ड्स में यह 18वां विश्व खिताब है। बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप के फाइनल में अपने हमवतन खिलाड़ी सौरव कोठारी को 1000-416 के बड़े अंतर से हराया।

फाइनल में शुरूआती बढ़त सौरव कोठारी ने बनाई। मैच के पहले छेड़ में सौरव ने 26-180 के अंतर से पंकज के खिलाफ अपनी बढ़त बनाई थी, लेकिन सौरव अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख पाये और आसान गलतियाँ करके पंकज को वापसी का मौका दे दिया। इसके बाद पंकज ने लगातार अंक हासिल किए और खिताब जीत लिया।

पंकज ने यह खिताब पॉइंट फॉर्मेट में जीता है। पॉइंट फॉर्मेट को लॉन्ग फॉर्मेट



कहा जाता है। इस फॉर्मेट में खिलाड़ी को मुकाबला जीतने के लिए एक हजार अंक हासिल करने होते हैं।

- पंकज आडवाणी ने अब तक 26 बार विश्व खिताब जीते हैं।
- बिलियर्ड्स में 18 और स्नूकर में 8 बार विश्व चैम्पियन बने हैं पंकज।
- पंकज ने नौवीं बार पॉइंट फॉर्मेट में जीता है खिताब।

एटीपी फाइनल्स जोकोविच ने सातवीं बार जीता खिताब

तुरिन, विश्व के नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। जोकोविच ने रिकॉर्ड सातवीं बार यह टूर्नामेंट जीता है। टूर्नामेंट के फाइनल में जोकोविच ने इटली के जेनिक सिनर को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हराया।

टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में नोवाक जोकोविच को हराने वाले जेनिक सिनर का फाइनल में अपना प्रदर्शन बरकरार नहीं रख सका। एक घंटा 43 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में जोकोविच पूरी तरह सिनर के ऊपर हावी रहे। जोकोविच ने पहले सेट में शुरूआत से आक्रामक खेल दिखाया और सिनर की सर्विस ब्रेक की। जोकोविच ने



- नोवाक जोकोविच ने सबसे ज्यादा सात बार जीता है एटीपी फाइनल्स टूर्नामेंट।
- जोकोविच के बाद रोजर फेडरर ने जीते हैं छह एटीपी फाइनल्स खिताब।

आईसीसी वन-डे क्रिकेट विश्वकप-2023

ऑस्ट्रेलिया 6वीं बार बना विश्व चैम्पियन

अहमदाबाद, ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर आईसीसी वन-डे क्रिकेट विश्वकप जीता है। ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड छठवीं बार यह विश्वकप अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम फाइनल में अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हराया।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने को कहा। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के जल्द आउट होने के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने भारतीय टीम को आक्रामक शुरूआत दिलाई और 47 रन बनाये। भारतीय टीम ने पहले 10 ओवरों में दो विकेट खोकर 80 रन बना लिए थे, लेकिन रोहित और श्रेयस के विकेट गिरने से भारतीय टीम की रन गति धीमी पड़ गई। इसके बाद विराट कोहली (54) और के.एल. राहुल (66) ने पारी को संभाला। इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद भारतीय बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आये। भारतीय टीम 50 ओवरों में 240 रन ही बना सकी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरूआत भी खराब रही। भारतीय तेज गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया के 3 विकेट महज 47 के स्कोर पर गिरा दिए। इसके बाद ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम को वापसी का मौका नहीं



- ऑस्ट्रेलिया सबसे ज्यादा 6 बार, भारत तथा वेस्टइंडीज 2-2 बार और पाकिस्तान, श्रीलंका और इंग्लैंड 1-1 बार बने हैं वन-डे क्रिकेट के विश्व चैम्पियन।
- ऑस्ट्रेलिया ने वर्ष 1987, 1999, 2003, 2007 और 2015 में भी जीता है वन-डे विश्वकप।
- ऑस्ट्रेलिया ने एक बार ट्वेंटी-20 विश्वकप भी जीता है।
- वर्ष 2003 में भी विश्वकप के फाइनल में भारत और ऑस्ट्रेलिया खेले थे और ऑस्ट्रेलिया विजेता बना था।

दिया। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 192 रनों की साझेदारी कर मैच को ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में मोड़ दिया। हेड ने

इंग्लैंड के जूड बेल्लिचम ने जीता गोल्डन बॉय पुरस्कार

लंदन, इंग्लैंड के युवा फुटबॉलर जूड बेल्लिचम ने वर्ष 2023 का गोल्डन बॉय पुरस्कार अपने नाम किया है। यह पुरस्कार यूरोप के अंडर-21 वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को दिया जाता है। रियल मैड्रिड के लिए खेलने वाले बेल्लिचम ने क्लब फुटबॉल में शानदार प्रदर्शन किया है।

मैक्स वस्टपेन ने जीती लास वेगास ग्रां प्री रेस

लास वेगास, नीदरलैंड्स के कार रेसर मैक्स वस्टपेन ने लास वेगास ग्रां प्री फॉर्मूला-वन रेस में शानदार जीत दर्ज की है। वस्टपेन ने इस सत्र में अब तक 21 में से 18 रेस अपने नाम की हैं। वस्टपेन ने लास वेगास ग्रां प्री रेस को 1 घंटा 29 मिनट 8.2 सेकेंड में पूरा कर खिताब जीता। रेस में चार्ल्स लेक्लेर्क दूसरे स्थान पर रहे। वहीं सर्जियो पेरेज तीसरे, एस्ट्राने ओवेन चौथे और लांस स्ट्रॉल पांचवें स्थान पर रहे।

कोहली बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को आईसीसी वन-डे क्रिकेट विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। विराट ने इस विश्वकप में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 11 मैचों में सबसे ज्यादा 765 रन बनाये। इनमें 3 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं। विराट ने टूर्नामेंट के दौरान वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 50 शतक पूरे किए। इसके अलावा भारत के गेंदबाज मोहम्मद शमी इस विश्वकप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। शमी ने 7 मैचों में 24 विकेट अपने नाम किए।

120 गेंदों में 137 रन बनाये वहीं लाबुशेन 58 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

आईसीसी की विश्वकप टीम में 6 भारतीय खिलाड़ी शामिल

अहमदाबाद, अंतर्राष्ट्रीय

क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने वन-डे विश्वकप-2023 के लिए टीम ऑफ द टूर्नामेंट चुनी है। इस टीम में भारतीय खिलाड़ियों का खूबसा रहा। आईसीसी ने इस टीम में 6 भारतीय खिलाड़ियों को जगह दी है, वहीं विश्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया के 2 खिलाड़ी ही टीम ऑफ द टूर्नामेंट में जगह बना सके। आईसीसी ने कहा कि लगभग डेढ़ महीने चले इस टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन के आधार पर टीम ऑफ द टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ी चुने गए हैं।

टीम ऑफ द टूर्नामेंट की कप्तान रोहित शर्मा को सौंपी गई है। रोहित ने इस विश्वकप में बेहतरीन बल्लेबाजी के साथ-साथ भारतीय टीम का कुशल नेतृत्व भी किया है। इस टीम में रोहित के अलावा विराट कोहली, के.एल. राहुल, रविंद्र जडेजा,

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने रचिन रवींद्र

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने न्यूजीलैंड के युवा क्रिकेटर रचिन रवींद्र को अक्टूबर माह के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार से सम्मानित किया है। रचिन ने प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए भारत के मोहम्मद शमी और दक्षिण अफ्रीका के किंवटन डिकोंको को पछाड़ा है। रचिन रवींद्र ने वन-डे क्रिकेट विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मैचों में 578 रन बनाये, इनमें 3 शतक शामिल हैं। इस विश्वकप में रचिन ने गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट भी झटके हैं। रचिन यह पुरस्कार जीतने वाले न्यूजीलैंड के तीसरे क्रिकेटर हैं। इससे पहले डेवोन कॉन्वे और एजाज पटेल यह पुरस्कार जीत चुके हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के निदेशक बने मोहम्मद हफीज

कराची, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज को पाकिस्तान क्रिकेट टीम का निदेशक नियुक्त किया है। वे वर्तमान निदेशक मिर्की अर्थर की जगह लेंगे। इसके अलावा हफीज पाकिस्तान क्रिकेट टीम के ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दौरे पर मुख्य कोच की जिम्मेदारी भी निभायेंगे। मोहम्मद हफीज ने पाकिस्तान के लिए 55 टेस्ट, 218 वन-डे और 119 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। इसके अलावा पीसीबी ने पूर्व तेज गेंदबाज वहाब रियाज को मुख्य चयनकर्ता, उमर गुल को गेंदबाजी कोच और सईद अजमल को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है।

आईसीसी टीम ऑफ द टूर्नामेंट

किंवटन डिकोंको, रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, डेरिल मिशेल, के.एल. राहुल, स्लेन मैक्सवेल, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, दिलशान मदनुराजा, एडम जॉंग और मोहम्मद शमी।
12वां खिलाड़ी- गेराल्ड कोएल्जा।

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को भी जगह मिली है।

आईसीसी की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के 2-2 तथा न्यूजीलैंड और श्रीलंका का 1-1 खिलाड़ी जगह बनाने में सफल रहा। पाकिस्तान, इंग्लैंड, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स के एक भी खिलाड़ी को विश्वकप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में नहीं रखा गया है।

इटली, स्लोवेनिया और चेक गणराज्य ने यूरो कप में बनाई जगह

मिलान, यूरोपियन फुटबॉल की मौजूदा चैम्पियन इटली ने अगले वर्ष जर्मनी में खेले जाने वाले यूरोफा यूरो कप-2024 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। इटली के अलावा स्लोवेनिया और चेक गणराज्य ने भी यूरो कप का टिकट कटवाया।

इटली की फुटबॉल टीम को यूरो कप में जगह पक्की करने के लिए क्वालिफाई टूर्नामेंट के ग्रुप सी में टॉप-2 में रहना था। इटली ने यूक्रेन के विरुद्ध मैच को गोलरहित ड्रा पर खत्म कर ग्रुप सी में दूसरा स्थान हासिल किया। इस जीत के साथ इटली यूरो कप में जगह बनाने में सफल रहा।

यूरो कप में जगह बनाने के लिए स्लोवेनिया को भी एक अंक की जरूरत

थी। क्वालिफाई टूर्नामेंट में ग्रुप एच में स्लोवेनिया ने कजाकिस्तान को 2-1 से हराकर 2 अंक हासिल किए और 22 अंकों के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर यूरो कप में जगह बनाई। वहीं चेक गणराज्य ने टूर्नामेंट के ग्रुप ई में मोल्डोवा को 3-0 से हराकर यूरो कप के लिए क्वालिफाई किया।

- यूरो कप का आयोजन जर्मनी में अगले वर्ष 14 जून से 14 जुलाई तक होगा।
- इस टूर्नामेंट में 24 टीमों हिस्सा लेंगी।

(स्रोत : संघाकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)



सामयिकी

माल वाहक जहाज को हूती विद्रोहियों ने किया हाइजैक
इजराइली सुरक्षा बलों ने बताया है कि दक्षिणी लाल सागर में यमन के पास हूती विद्रोहियों ने एक माल वाहक जहाज हाइजैक किया। इस पर कई देशों के नागरिक थे। तुर्किये से खाना हुआ जहाज भारत आ रहा था। रक्षा बलों ने कहा कि इस घटना के वैश्विक परिणाम होंगे। इजराइली सेना ने साफ किया कि इस गंभीर घटना में जहाज पर कई देशों के नागरिकों की मौजूदगी है, जिसे ईरान ने निशाना बनाया है। इजराइल के प्रधानमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय जहाज के खिलाफ ईरानी हमले की कड़ी निंदा की है।

भारत को उन्नत शिशुमार पनडुब्बी देगा जर्मनी

पाकिस्तान और चीन का मुकाबला करने के लिए जर्मनी ने भारतीय नौसेना को 'the bigger' 214 version एचडीडीब्ल्यू श्रेणी की उन्नत वैरिएंट की पनडुब्बी देने का निर्णय लिया है। इसे भारत में शिशुमार श्रेणी के नाम से जाना जाता है। अभी तक भारतीय नौसेना के पास इसके पुराने वैरिएंट ही मौजूद हैं। जर्मनी की थियेनक्रूप एजी कंपनी इसे बनाती है। इसकी कुल लागत 4.8 अरब डॉलर है। एचडीडीब्ल्यू पारंपरिक डीजल इलेक्ट्रिक पनडुब्बी है, जो 72 मीटर लंबी होती है। नई पनडुब्बी कई तरह से घातक हथियारों और तकनीक से लैस है।

इजराइल और हमस के बीच जारी संघर्ष पर विराम

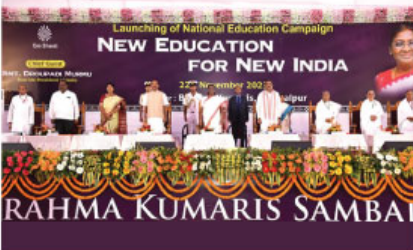
46 दिनों से जारी इजराइल-हमस युद्ध में चार दिनों के संघर्ष विराम की सहमति बन गई है। समझौते के तहत हमस अगवा किए गए बंधकों में से 50 महिलाएं और बच्चे रिहा करेगा, इसके बदले इजराइल अपनी जेलों में बंद 150 फिलिस्तीनी महिलाएं और बच्चे छोड़ेगा। हत्या के आरोप में बंदी करीबी भी कैदी की इजराइली जेल से रिहाई नहीं होगी। बंधकों-कैदियों की यह अदला-बदली गाजा पट्टी में संघर्ष विराम के दौरान होगी। इजराइल सरकार ने बताया है कि 50 इजराइली बंधकों की रिहाई संघर्ष विराम के चार दिनों में होगी। इसके बाद हर दिन दस इजराइली बंधकों की रिहाई होने पर संघर्ष विराम का एक दिन बढ़ता जाएगा।

बच्चों में टीबी खत्म करने के लिए डब्ल्यूएचओ की योजना

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2023 के संशोधित रोडमैप में पहली बार प्रभावित गर्भवती, प्रसवोत्तर महिलाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है क्योंकि प्रतिरक्षा विज्ञानी गर्भावस्था वाली महिलाओं की अपेक्षा गैर-गर्भवती महिलाओं को अव्यक्त टीबी संक्रमण की सक्रियता को अधिक संभावित मानते हैं। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार तीसरे चरण के परीक्षणों के पूरा होने से पहले सभी नई टीबी दवाओं (संवेदनशील व प्रतिरोधी) और टीकों के लिए समर्पित सुझाव अध्ययन में मातृ, गर्भावस्था, जन्म और शिशु परिणामों को शामिल करना अनिवार्य है।

(स्रोत: समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

राष्ट्रपति ने किया 'नये भारत के लिए नई शिक्षा' अभियान का शुभारंभ



राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के संबलपुर में 'नये भारत के लिए नई शिक्षा' अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने संबलपुर के ब्रह्म कुमारियों के इस शिक्षा अभियान की परिकल्पना, मूल्यों को विकसित करने और बेहतर समाज के लिए छात्रों की चेतना के उत्थान के उद्देश्य की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा समाज निर्माण में एक महत्वपूर्ण एवं परिवर्तनकारी भूमिका निभाती है। उन्होंने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि सेवा, समानता तथा सहानुभूति जैसे नैतिक एवं मानवीय मूल्य हमारी संस्कृति की नींव हैं और युवाओं को इन महान आदर्शों से परिचित होना चाहिए। बेहतर समाज के लिए अपने बुजुर्ग माता-पिता और समाज के वंचित वर्ग के लोगों की देखभाल करनी

चाहिए। शिक्षा के माध्यम से बच्चों के मन में इन मूल्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा किया जाना चाहिए। नैतिक शिक्षा जीवन निर्माण में सहायक राष्ट्रपति ने कहा कि नैतिक शिक्षा जीवन के निर्माण में सहायक होती है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाती है। यह हमें कठ्ठा, दया, मित्रता और बंधुत्व के जीवन मूल्यों से अवगत कराती है। इन गुणों से युक्त व्यक्ति में सकारात्मक परिवर्तन आ सकते हैं। किसी व्यक्ति में सकारात्मक परिवर्तन आने से बेहतर समाज बन सकता है। राष्ट्रपति ने कहा मुझे खुशी है कि यह विद्यालय चरित्र-निर्माण, आत्म-साक्षात्कार एवं दिव्य अनुभव के माध्यम से सुख, शांति और आनंद का मार्ग सुलभ बना रहा है।

जी-20 शिखर सम्मेलन की वर्चुअल मीटिंग को प्रधानमंत्री ने किया संबोधित

अविश्वास और चुनौतियों से भरी दुनिया में विश्वास हमें बांधता है और एक दूसरे से जोड़ता है - श्री मोदी



वर्चुअल मीटिंग के दौरान सदस्यों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

एक पर्व की तरह मनाया

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने मल्टीलेट्रल डेवलपमेंट बैंक और ग्लोबल गवर्नेंस रिफॉर्म को दिशा दी है। इनके साथ ही, भारत की प्रेसिडेंसी में जी-20 को पहचान मिली है। भारत के करोड़ों सामान्य



नागरिक जी-20 से जुड़े, हमने इसे एक पर्व की तरह मनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मैंने इस वर्चुअल समिट का प्रस्ताव रखा था, तो कोई पूर्वानुमान नहीं था कि आज की वैश्विक स्थिति कैसी होगी। पिछले महीनों में नई चुनौतियां उत्पन्न हुई हैं। पश्चिम एशिया क्षेत्र में असुरक्षा और अस्थिरता की स्थिति

भारत के लिये गर्व की बात

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के लिए गर्व की बात है कि उसकी प्रेसिडेंसी में अफ्रीका को आवाज मिली है। इस एक साल में पूरी दुनिया ने जी-20 में ग्लोबल साउथ की गूंज भी सुनी है। पिछले हफ्ते वॉशिंग्टन ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में करीब 130 देशों ने, नई दिल्ली जी-20 समिट में लिए गए फैसलों की सराहना की है। जी-20 ने इन्वेंशन और डिजिटल टेक्नोलॉजी का समर्थन करते हुए धूमन सेंट्रिक अप्रोच को अपनाने पर बल दिया है।

54वें आईएफएफआई का गोवा में आयोजन

रचनात्मकता, सिनेमाई प्रतिभा और मोशन पिक्चर के माध्यम से कहानी कहने की कला की भव्यता पर आधारित एशिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में से एक 54वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) का गोवा में आयोजन हो रहा है। नौ दिनों तक चलने वाले फिल्म महोत्सव की शुरुआत पुरस्कार विजेता ब्रिटिश फिल्म निर्माता स्टुअर्ट गैट की फिल्म कैचिंग डस्ट के अंतर्राष्ट्रीय प्रीमियर के साथ हुई। समारोह का शुभारंभ केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने किया।

दुनिया में शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए प्रेरक शक्ति बन रहा है सिनेमा

सिनेमा की शक्ति अद्भुत है

श्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि सिनेमा की शक्ति अद्भुत है और सिनेमा ने विचारों, कल्पना और नवीनता के भाव को इस तरह से अपनाया है और तराशा है कि यह तेज विघटन से पोरशान दुनिया में शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए प्रेरक शक्ति बन गया है।

विदेशी फिल्म निर्माण को प्रोत्साहन केंद्रीय मंत्री ने भारत में विदेशी फिल्म निर्माण के लिए प्रोत्साहन राशि को खर्च के 30 प्रतिशत पर बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने की घोषणा की।



- 75 क्रिएटिव माईन्स 2023 का कार्यक्रम शुरू
- भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग में 20 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि
- भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा और वैश्वीकृत उद्योग
- आईएफएफआई में श्रेष्ठ वेब सीरीज पुरस्कार की शुरुआत

जीई एयरोस्पेस और एचएएल जेट इंजन का करेंगे निर्माण

भारत में रक्षा क्षेत्र को मजबूती देने के लिए हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) मार्क-2 और पहले दो स्वदेशी उन्नत मध्यम दर्जे के लड़ाकू विमान (एमसीए) का इंजन का उत्पादन अब देश में ही होगा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के प्रमुख डॉ. समीर वी कामत के अनुसार अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस और हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड मिलकर इनके इंजन का निर्माण करेंगे। अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ मिलकर भारतीय वायु सेना के लड़ाकू जेट विमानों के लिए इंजन बनाने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) ने इस साल 30 अगस्त को एलसीए मार्क-2 लड़ाकू विमान के निर्माण की मंजूरी दी थी।

स्पेसएक्स का स्टारशिप : प्रक्षेपण के सिर्फ 8 मिनट बाद यान में हुआ विस्फोट



विस्फोट से पहले अंतरिक्ष पहुंचा मस्क का निजी स्पेसक्राफ्ट

स्पेसएक्स ने अपना अब तक का सबसे बड़ा रॉकेट स्टारशिप लॉन्च किया। लॉन्च के सिर्फ 8 मिनट के बाद यान में विस्फोट हो गया। अंतरिक्ष में प्रवेश के बाद हुए विस्फोट के कारण स्टारशिप का भारी

बूस्टर भी बिखर गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संभावित इसकी मदद से मंगल और चंद्रमा पर इंसानों के रहने की संभावना तलाशी जाएगी। असफल प्रक्षेपण से सबक लेकर लॉन्च किए गए यान में स्टारशिप की पृथक्करण प्रक्रिया में संशोधन और विस्फोटों को रोकने के प्रयास से कई सुधार किए गए थे। लॉन्चिंग के बाद यान अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित किया जाना, इससे पहले ही उसे तेज झटका लगा। यान के बूस्टर को मैक्सिको की खाड़ी में उतरना था, लेकिन अंतरिक्ष यान से अलग होने के कुछ सेकंड बाद ही इसमें विस्फोट हो गया।

दो तत्व शामिल थे यान में

लगभग 400 फीट ऊंचे अंतरिक्ष यान में दो तत्व शामिल हैं, दोनों को पूरी तरह से और तेजी से पुनः प्रयोज्य हों, इस तरह डिजाइन किया गया है। प्रथम चरण के बूस्टर को सुपर हवी कहा जाता है। एक 165 फीट लंबा हिस्सा भी है, जिसे स्टारशिप के ऊपरी चरण के रूप में जाना जाता है। यह प्रक्षेपण करीब सात महीने पहले अप्रैल में हुए हादसे के बाद किया गया। इस अंतरिक्ष यान को उड़ाने का पहला प्रयास मैक्सिको की खाड़ी के ऊपर ही हुआ था। पिछले प्रयास में भी विस्फोट हुआ था। अप्रैल में लॉन्च के दौरान

दोनों घटक अलग होने में विफल रहे थे और स्टारशिप अंतरिक्ष की कक्षा में नहीं पहुंच सका था।

बूस्टर फटा, संपर्क टूटा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बूस्टर के स्टारशिप से अलग होने के कुछ सेकंड बाद, इसमें तेज और अनियोजित डिस्पेंसल का अनुभव हुआ। बूस्टर को मैक्सिको की खाड़ी में उतरना था, लेकिन स्पेसएक्स का संपर्क अंतरिक्ष यान के साथ टूट गया। स्पेसएक्स का दावा है कि डेटा लिंक खोने (संपर्क टूटने) से पहले स्टारशिप सफलतापूर्वक अंतरिक्ष की कक्षा में प्रवेश कर गया था।